भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

विश्वसनीय साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

मास्क भी वैक्सीन

मेरा मास्क मेरे साथ

फाल्गुन, पक्ष - कृष्ण, तिथि - अमावस्या, संवत 2078 पृष्ठ : 8 | जयपुर, बुधवार | वर्ष-8, अंक-1, 2 मार्च - 8 मार्च, 2022 | मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

खरीद-फरोख्त के लिए बोली लगना मान या अपमान!

सटीक

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

पता नहीं, कब से इस संसार में खरीदने और बेचने का प्रचलन चला आ रहा है। मगर खरीदने और बेचने की स्थिति-परिस्थिति अवश्य भिन्न-भिन्न होती रही है। खरीद-फरोख्त के प्रचलन से पूर्व दुनिया में मुद्रा अथवा दूसरी कोई वस्तु अवश्य सामने आ गई होगी जिसके माध्यम से खरीद-फरोख्त की जा सके। खरीद-फरोख्त को अदला-बदली भी कहा जा सकता है मगर कोई जरूरी नहीं कि हर कोई विचारवान व्यक्ति खरीद-फरोख्त को अदला-बदली समझने से सहमत हो सके। मनुष्य जीवन को जीने के लिए जो भी वस्तु काम आती है वह किसी से उपहार में, दान में, चोरी से, सीना जोरी से या फिर खरीद-फरोख्त से ही प्राप्त होती है। इनके अलावा अन्य कोई माध्यम मुझे दिखाई नहीं देता। खाने-पीने, पहनने, निर्माण करने चाहे वह किसी का भी हो, आजकल तो चारित्रिक गुणवत्ता के लिए भी कक्षाएं लगने लगी है यानि की वह भी अब पैसे से बेची जाने लगी है। इतिहास में पढ़ा है कि पहले कई बाहरी आक्रांता किसी देश पर आक्रमण करते थे और जीतने के बाद लूटपाट करते तथा वहां से महिलाओं, बच्चों और नागरिकों को बंधक बनाकर ले जाते थे जिन्हें बीच चौराहों पर आमजन के लिए खड़ा कर दिया जाता था और खरीददार अपने हिसाब से देख-परखकर, टटोलकर सुन्दरता और कुरूपता के हिसाब से जानवरों की तरह खरीदकर ले जाते थे। आजकल कई सम्पत्ति जैसे सरकारी जमीन और मकान, कर्ज लेकर न चुका पाने की स्थिति में बने हुए मकान, लोन से खरीदे हुए वाहन आदि की खुली बोली लगाकर उन्हें बेचा जाता है। इस प्रक्रिया में खरीदने वाला खुश और बेचने वाला दु:खी हो जाता है। क्योंकि जिसकी सम्पत्ति बिकती है उसकी समाज में इज्जत बढ़ती नहीं, बल्कि घटती है। मगर आजकल देखा जा रहा है कि हमारे धुरंधर खिलाड़ियों की खरीद-फरोख्त खुलेआम हो रही है और खिलाड़ी अपने आपकी बोली लगने और खरीदे जाने पर बड़ी खुशी का इजहार करते हैं और जिस खिलाड़ी की कोई बोली नहीं लगाता अर्थात खरीददार नहीं मिलता है वह बड़ा मायूस हो जाता है। समय-समय की बात है कभी खरीद-फरोख्त के लिए खड़े किए जाने पर अपमान महसूस होता है और कभी खुशी छिपाए नहीं छिपती। वाहरी दुनिया!

shivdayalmishra@gmail.com

छत्तीसगढ़ सरकार ने अटकाई राजस्थान की कोयला खनन मंजूरी

प्रदेश में बिजली संकट शुरू

गहलोत के बार-बार आग्रह के बावजूद नहीं माने बघेल, 2000 मेगावाट बिजली पड़ी कम, अघोषित कटौती

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बार-बार पत्र लिखने और आग्रह के बावजूद छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल राजस्थान को छत्तीसगढ़ में कोयला खनन की मंजूरी नहीं दे रहे हैं। इससे राजस्थान में कोयले की किल्लत पैदा हो गई है। बिजली प्रोडक्शन गड़बड़ा गया है। प्रदेश में कुल 7580 मेगावट के थर्मल पावर प्लांट्स में से करीब 4000 मेगावाट प्लांट्स में बिजली प्रोडक्शन प्रभावित हो गया है। ज्यादातर पावर प्लांट्स कम कैपिसिटी पर चलाए जा रहे हैं। प्रोडक्शन घटने के कारण कई जिलों में ग्रामीण और कस्बाई इलाकों में 2 से 3 घंटे की अघोषित बिजली कटौती शुरू कर दी गई है। जबकि कई इलाकों में मेंटीनेंस या टेक्नीकल सुधार के नाम पर 3 से 4 घंटे तक बिजली काटी जा रही है। इसका सीधा असर बिजली उपभोक्ता पर पड़ रहा है।पीक आवर्स में करीब 2 हजार मेगावाट बिजली कम पड़ रही है। बीते 24 घंटों में बिजली की अधिकतम डिमांड 15 हजार 576 मेगावाट रही। जबकि औसत उपलब्धता 13585 और औसत डिमांड 11384 रही है। बिजली संकट से निपटने के लिए डिमांड के मुताबिक लाखों यूनिट बिजली की खरीद करनी पड़ रही है। जो लगभग 5.73 रुपए यूनिट की रेट पर मिल रही है। छत्तीसगढ़ ने अटका रखी है माइनिंग की मंजूरी बिजली संकट का बड़ा कारण छत्तीसगढ़ से कोयले की पूरी सप्लाई नहीं मिलना है। मौजूदा पारसा कोल ब्लॉक में कोयला खत्म होने के कगार पर है। बाकी कोयला मंत्रालय की कम्पनियों और राजस्थान की खानों से मिलाकर प्रदेश को 18-19 रैक कोयला ही औसत तौर पर रोजाना मिल पा रहा है। जबकि 26 से 27 रैक कोयला रोजाना चाहिए। छत्तीसगढ़ सरकार ने राजस्थान सरकार की बिजली कम्पनी को कोयला खानों पर माइनिंग शुरू करने की मंजूरी नहीं दी है।

कांग्रेस की बघेल सरकार राजस्थान को पारसा ईस्ट एंड कांता बेसिन के फेज्-2 में 1136 हेक्टेयर एरिया और पारसा कोल माइंस में सालाना 5 मिलियन टन को कोयला माइनिंग कैपेसिटी प्लांट से खनन की मंजूरी नहीं नहीं दे रही है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत बार-बार बघेल सरकार से इसके लिए आग्रह कर चुके हैं। सोनिया गांधी से भी पिछले साल शिकायत की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने महाशिवरात्रि पर भगवान भोलेनाथ की पूजा की

जयपुर @ जागरूक जनता। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने महाशिवरात्रि के अवसर पर मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित मां राजराजेश्वरी मंदिर में सपरिवार पूजा-अर्चना कर प्रदेश की समृद्धि और खुशहाली की कामना की। गहलोत ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया, वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा की और आरती उतारी।

कामर्शियल गैस सिलेंडर 105 रुपए महंगा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। पेट्रोल-डीजल के दामों में ठहराव के बीच आज यानी 1 मार्च को एलपीजी सिलेंडर के दाम में परिवर्तन हुआ। तेल कंपनियों ने वाणिज्यिक सिलेंडर के दामों में 105 रुपए की वृद्धि कर दी है। इस वृद्धि से होटलों, रेस्टोरेंट और ढाबों पर भोजन करने के लिए अधिक दाम चुकाने होंगे। हालांकि तेल कंपनियों ने घरेलू गैस सिलेंडर के दामों में कोई परिवर्तन नहीं किया। कंपनियें ने पिछले साल अक्टूबर महीने के बाद से घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दामों में कोई बदलाव नहीं किया है, लेकिन रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण कमर्शियल सिलेंडर के दामों में परिवर्तन करना पड़ गया है। तेल कंपनियों ने एक फरवरी को 19 किलोग्राम के वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 91.50 रुपए की कटौती की थी। सूत्रों के अनुसार पांच राज्यों में चुनाव के कारण अभी घरेलू गैस सिलेंडर के दामों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है,

कोविंद ने राष्ट्रपति भवन प्रांगण में आरोग्य वनम का उद्घाटन किया

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन प्रांगण में नव निर्मित आरोग्य वनम का उद्घाटन किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी मौजूद थे।

करीब पौने सात एकड़ क्षेत्र में फैले आरोग्य वनम को योग मुद्रा में बैठे मनुष्य के आकार में विकसित किया गया है। इसमें 215 तरह की जड़ी-बूटियां और औषधीय पौधे उगाये गये हैं जिनका आयुर्वेद में चिकित्सीय उपचार के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इसमें पानी के फव्वारे, योग करने के लिए मंच, छोटे-छोटे जल मार्ग और कमल पुष्प तालाब बनाया गया है।

यूक्रेन में एक भारतीय छात्र की मौत, खारकीव में रूसी गोलीबारी में गई जान

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

खारकीव। यूक्रेन के खारकीव में मंगलवार को रूसी हमले में एक भारतीय छात्र नवीन शेखरप्पा ज्ञानगोदरकी मौत हो गई। खारकीव देश का दूसरा सबसे बड़ा शहर है। इस छात्र की उम्र केवल 21 वर्षीय है और वो कर्नाटक का रहने वाला है। विदेश मंत्रालय छात्र के परिजनों के संपर्क में है। रूस यूक्रेन के बीच जंग ने भारत को एक बड़ा जख्म दिया है। इस जंग में एक भारतीय छात्र की मौत हो गई है। भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने जानकारी दी कि खारकीव में हुई बमबारी में एक भारतीय स्टूडेंट की मौत हो गई है। ये छात्र कर्नाटक के हावेरी जिले का रहने वाला था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बताया, गहरे दुख के साथ हम इस बात की पुष्टि कर रहे हैं कि खारकीव में हुई बमबारी में एक भारतीय छात्र की मौत हो गई। मंत्रालय छात्र के परिवार के संपर्क में है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी छात्र के परिजनों से बात करके दु:ख व्यक्त किया है।

उन्होंने आगे कहा, विदेश सचिव रूस और यूक्रेन के राजदूतों से भारतीय नागरिकों के लिए तत्काल सुरक्षित मार्ग बनाने की मांग कर रहे हैं जो अभी भी खार्किव और अन्य संघर्ष क्षेत्रों में शहरों में हैं। इसी तरह की कार्रवाई रूस और यूक्रेन में हमारे राजदूतों द्वारा भी की जा रही है।

jagrukjanta.net

जागरूक सिटी

जागरुक जनता • जयपुर, बुधवार, 2 मार्च - 8 मार्च, 202 • पेज 02

तापमान	अधि.	न्यू.
जयपुर	28°C	15°C
जोधपुर	31°C	17°C
अजमेर	28°C	16°C
उदयपुर	29°C	16°C

सूर्योदय प्रात: 06:52 बजे सूर्यास्त सांय : 06:06 बजे चन्द्रोदय 06: 47 बजे चन्द्रास्त 06: 01 बजे

जागरूक खबरें

एस यू पी डब्ल्यू कैंप आयोजित

जयपुर @ जागरूक जनता। कालवाड़ स्थित बियानी कॉलेज ऑफ साइंस एंड मैनेजमेंट में छह दिवसीय एस यू पी डब्ल्यू कैंप का आयोजन किया गया। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजीत कुमार जैन ने बताया कि कैंप के पहले दिन कोरोना के प्रति जागरूकता के संबंध में कालवाड़ ग्राम में रैली का आयोजन किया गया। दूसरे दिन ऑनलाइन शिक्षा एवं ऑफलाइन शिक्षा में अंतर विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसी के साथ कैंप के तीसरे दिन स्वच्छ्ता अभियान भी आयोजित किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के अकादमिक निदेशक डॉ. संजय बियानी ने कहा कि इस तरह की गतिविधियां छात्रों के व्यक्तित्व विकास के लिए बहुत आवश्यक होती हैं इन गतिविधियों से हमें दूसरों के लिए कुछ करने की प्रेरणा मिलती है।

नारी संगम संस्था की टीम ने दी राजे को जन्मदिन की बधाई

जयपुर @ जागरूक जनता। भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से नारी संगम संस्था की फाउंडर पुनीता शर्मा ने अपने पदाधिकारियों के साथ मिलकर पुष्प गुच्छ देकर महारानी साहिबा को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाये व बधाई दी व उनकी दीर्घ आयु की कामना की। इनके साथ इनके पदाधिकारी बिमलेश, तारा, अराध्या भी शामिल हुए व छोटी बच्ची धृविका शर्मा ने भी गुलाब का फूल देकर महारानी साहिबा को जन्मदिन की शुभकामनाये दी।

प्रशासन शहरों के संग : 38 बदलाव किए, फिर भी 3 बार अटका पट्टा अभियान

8 बदलावों के साथ होगा शुरू

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में सीएम के सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट प्रशासन शहरों के संग अभियान को झटके पर झटके लग चुके हैं। 38 बार नियमन, दर व लैंड यूज से संबंधित नियम और मास्टर प्लान बदलने के बावजूद अब भी पटरी पर नहीं आया। 2 अक्टूबर से शुरू हुए अभियान पहले दो माह में ही चार बार ढीला पड़ा तो मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल खुद को मैदान में उतरना पड़ा। सीएम ने 39 और मंत्री ने 32 शिविरों का खुद निरीक्षण किया और 2 आईएएस को भरी मीटिंग में अभियान को मजाक बनाने की चेतावनी दी थी। 1 माह तक को अफसरों ने कैंप देखे, लेकिन फिर कुछ ने ट्रांसफर करवा लिया। यह अभियान दिसंबर मध्य से रुका हुआ है। अब तक 212 निकाय वाले स्वायत्त शासन विभाग की तरफ से 1 लाख 40 हजार 381 पट्टे और 17 नगरीय निकाय वाले यूडीएच की तरफ 98932 पट्टे जारी किए गए हैं। कुल मिलाकर 2.39 लाख पट्टे जारी किए गए हैं। 10 लाख पट्टे बांटने का लक्ष्य दिया गया था, लेकिन 2 माह से अभियान रुका हुआ है। दुबारा अभियान पहले 1 फरवरी से चलाने की चर्चा चली, लेकिन फिर खटाई में पड़ गया, अब अफसरों का कहना है कि सरकार 1 मार्च से या होली के बाद से शुरू कर सकती है, तिथि तय नहीं हो पाई है। अब भी नियम बदलवा का सिलसिला जारी है।

ये बड़े बदलाव : कृषि से अकृषि उपयोग पर नियमन दरें घटाईं

- कृषि से अकृषि उपयोग पर नियमन दरें घटाकर आवासीय के लिए 50 से 100 रुपए और बाकी उपयोग के लिए भी 500 रुपए प्रति वर्गमीटर की।
- कृषि से अकृषि लैंड यूज करने की प्रीमियम दरें 300 की जगह 500 वर्गमीटर तक लागू।
- फ्री होल्ड पट्टों में पुनर्ग्रहण राशि में 75% की छूट, फ्री होल्ड लेने पर 3 साल शुल्क नहीं लगेगा।
- किश्त की बकाया राशि या ब्याज एक मुश्त जमा कराने पर आवंटन बहाल कर ब्याज पैनल्टी में शत प्रतिशत छूट दी जाए।
- लॉटरी से आवंटित भूखंडों पर 10 साल से पहले हस्तांतरण की लेवी चार्ज 10 की जगह 5% और 5% था, उसे 2.5 प्रतिशत किया।
- तीनों प्राधिकरणों को 17-6-1999 से पहले की योजनाओं के लेआउट प्लान मंजूर करने, 3 हजार वर्गगज तक के भूखंडों की स्वीकृति का अधिकार दिया।
- भू-उपयोग परिवर्तन का निर्धारण को 5 कमेटियां।
- निकाय क्षेत्रों में आने वाली ग्राम पंचायतों की आबादी कृषि से अकृषि भू-परिवर्तन का अधिकार जिला कलेक्टरों को दिया।
- 90 ए वाली कॉलोनियों के 17 जून 1999 तक की बसावट की सीमा को बदलकर 31 दिसंबर 2018 तक पट्टे देने का नियम किया।
- हाउसिंग बोर्ड की अवास जमीनों पर बसी कालोनियों और खाली भूखंडों के बेचान, नियमन का अधिकार बोर्ड को एक्ट बदलकर देंगे।
- कच्ची बस्तियों में पट्टा धारक अब 3 साल बाद मकान-प्लाट बेच सकेंगे।
- नई धारा 69-ए के पुरानी बस्तियों के नियम बदले। एफिडेविट से पट्टे का आवेदन कर सकेंगे। चेन आफ डॉक्यूमेंट के लिए मूल आवंटी की जरूरत नहीं।
- निकायों को 2000 वर्गमीटर तक के भूखंडों का नक्शा पास करने, 18 मीटर ऊंचाई तक के मकानों के बिल्डिंग एप्रूवल का अधिकार दिया।
- **पहली बाधा-** 29 अक्टूबर- पट्टे बंटे थे 20 हजार
- **दूसरी बाधा-** 25 नवंबर- पट्टे बंटे थे 1 लाख
- **तीसरी बाधा-** 14 दिसंबर- पट्टे बंटे थे 2 लाख

अब किए जाएंगे ये बदलाव

आवासीय व कामर्शियल के 1000 से 2000 वर्गमीटर तक के भूखंडों की डीएलसी दर में 5 प्रतिशत छूट, पैतृक संपत्ति के हक त्याग के पट्टों पर स्टांप ड्यूटी सिर्फ 500 रुपए, पुत्री, पुत्रवधु के पक्ष में गिफ्ट डीड के दस्तावेजों पर स्टांप ड्यूटी पूरी माफ, बुजुर्गों के नाम अचल संपत्ति खरीदने पर स्टांप ड्यूटी 6 की जगह 5 प्रतिशत लगेगी, पंजीयन शुल्क 0.5 प्रतिशत लगेगा। मल्टी स्टोरी के फ्लैट्स की स्टांप ड्यूटी में छूट 2 प्रतिशत की 1 साल और जारी रहेगी।

जयपुर से वडोदरा के बीच प्रतिदिन की फ्लाइट शुरू

डेली चलाई जाएगी फ्लाइट, एयरपोर्ट से अब रोजाना 50 फ्लाइट्स का संचालन शुरू

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। कोरोना संक्रमण के कंट्रोल होने के साथ ही रेल और हवाई यात्रा की सुविधाएं बढ़ने लगी है। जयपुर एयरपोर्ट से इंडिगो ने नई फ्लाइट का संचालन शुरू किया है। ये फ्लाइट जयपुर से गुजरात के वडोदरा के लिए चलाई गई। विमानन कंपनी ने इस फ्लाइट को डेली संचालित करने का निर्णय किया है। जयपुर एयरपोर्ट ऑथोरिटी से मिली रिपोर्ट के मुताबिक इंडिगो की इस फ्लाइट के बाद जयपुर एयरपोर्ट से अब रोजाना 50 फ्लाइट्स का संचालन होगा। जयपुर से वडोदरा के लिए फ्लाइट दोपहर 12:40 बजे उड़ान भरेगी, जबकि वापसी में ये फ्लाइट वडोदरा से दोपहर 3:10 पर जयपुर के लिए रवाना होगी। आपको बता दें कि अभी वर्तमान में जयपुर से वडोदरा के लिए सीधे फ्लाइट्स न होकर वाया दिल्ली या मुंबई होकर संचालित होती है। इस दौरान यात्रा में 5-6 घंटे का समय लगता है।

10 से ज्यादा शहरों में जाती है फ्लाइट्स

जयपुर से अभी दिल्ली, मुंबई, बैंगलुरू, पुणे, हैदराबाद, चेन्नई, अहमदाबाद शहरों में डेली फ्लाइट के अलावा चंडीगढ़, सूरत, देहरादून, कोलकाता, इंदौर समेत अन्य शहरों के लिए सप्ताहिक फ्लाइट्स संचालित होती है। जयपुर से हर रोज औसतन 6500 के करीब यात्री दूसरे शहरों के लिए उड़ान भरते है। इसके लिए हर रोज करीब 50 फ्लाइट्स संचालित हो रही है।

देवस्थान विभाग के जरिए भागवत कथा शुरू, निकाली कलश यात्रा

सॉफ्ट हिंदुत्व की राह पर गहलोत सरकार

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। हिंदू वोट बैंक को साधने के लिए गहलोत सरकार देवस्थान विभाग के जरिए मंगलवार से एक सप्ताह तक श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन कर रही है। गहलोत सरकार के इस कदम को साल 2023 में होने वाले विधानसभा चुनाव से भी जोड़कर देखा जा रहा है। कांग्रेस गलियारों में भी गहलोत सरकार के इस कदम को ट्रंप कार्ड तौर पर देखा जा रहा है।

जयपुर में होगी भागवत कथा

दरअसल देवस्थान विभाग की ओर से मंगलवार से 7 मार्च के बीच राजधानी जयपुर के जलमहल के सामने स्थित परशुराम द्वारा मंदिर में भागवत कथा सप्ताह का आयोजन किया जाएगा। गंगा जमुना तहजीब के प्रतीक के रूप में राजधानी जयपुर को जाना जाता है और छोटी काशी के रूप में भी जाना जाता है, यही वजह है कि भागवत कथा के लिए राजधानी जयपुर को चुना गया है। हालांकि भागवत कथा से पहले आज कलश यात्रा निकाली गई जिसमें जलदाय मंत्री महेश जोशी और देवस्थान विभाग की मंत्री शकुंतला रावत ने कलश यात्रा का नेतृत्व किया। कांग्रेस नेता राजीव

अरोड़ा भी कलश यात्रा के दौरान मौजूद रहे।

कांग्रेस में नहीं रही इस तरह की परंपरा

हालांकि कांग्रेस के कल्चर में इस तरह के धार्मिक आयोजनों कराने की परंपरा नहीं है, कांग्रेस पार्टी धार्मिक आयोजनों से बचती रही है। सियासी गलियारों में अभी सरकार के इस कदम की चर्चा भी हो रही है। हालांकि कांग्रेस के गलियारों में चल रही चर्चाओं की माने तो गहलोत सरकार के सॉफ्ट हिंदुत्व का फायदा विधानसभा चुनाव में मिल सकता है। भाजपा के परंपरागत वोट बैंक में इसके जरिए सैंध लग सकती है। इसीलिए सरकार अब सॉफ्ट हिंदुत्व पर चल रही है।

सीएम आवास पर मुख्यमंत्री भी करा चुके हैं गुरबाणी कार्यक्रम

इससे पहले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी अपने सरकारी आवास पर 4 दिसंबर 2019 को गुरु नानक देव के 550 में प्रकाश पर्व के मौके पर गुरु वाणी का कार्यक्रम करा चुके हैं, जिसमें राज्यपाल कलराज मिश्र सहित कई मंत्री और विधायक भी शामिल हुए थे।

श्रद्धालु इस सप्ताह से कर सकेंगे सात ज्योतिर्लिंगों के दर्शन

दो साल बाद चार मार्च को जयपुर से रवाना होगी स्पेशल ट्रेन

जयपुर @ जागरूक जनता। फाल्गुन मास में भोलेनाथ के दर्शनों की चाह रखने वाले श्रद्धालुओं के लिए कोरोना अनलॉक के दौर में एक अच्छी खबर है। जयपुर से सात ज्योतिर्लिंगों के लिए स्पेशल ट्रेन चार मार्च को रवाना होगी, इसकी सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। ट्रेन में लगभग 80 फीसदी बुकिंग जयपुर से हो चुकी है। 13 दिनों की यह यात्रा भारतीय रेलवे के उपक्रम आईआरसीटीसी की ओर से करवाई जाएगी, जिसका एक शुल्क रखा गया है। इन सात ज्योतिर्लिंगों में महाकालेश्वर, ओमकारेश्वर, सोमनाथ, नागेश्वर, भीमाशंकर, घृष्णेश्वर और त्रयम्बकेश्वर शामिल हैं। यात्रा के दौरान नाश्ता, भोजन, गंतव्य स्टेशन पर धर्मशाला में रहने तथा स्टेशन से धर्मशाला तक बस से लाने और ले जाने की व्यवस्था आईआरसीटीसी की ओर से की जाएगी। यात्रियों को कोरोना टीके की दोनों डोज होना मुख्य रूप से अनिवार्य रहेगा।

राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर छ: माह पुराने प्रकरणों का शीघ्र होगा निस्तारण

सिंगल यूज प्लास्टिक पर रोक के लिए प्रभावी कार्यवाही की जाए-जिला कलक्टर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जिला कलक्टर राजन विशाल ने कहा है कि सिंगल यूज प्लास्टिक पर रोक के लिए प्रभावी कार्यवाही की जाए। उन्होंने कहा कि इस कार्य के लिये माइक्रो एक्शन प्लान तैयार कर और स्पेशल टास्क फोर्स की रणनीति के अनुसार कार्य करें ताकि सिंगल यूज प्लास्टिक पर रोक लग सके। जिला कलक्टर विशाल ने जिला कलक्ट्रेट सभागार में जिले के प्रभारी अधिकारियों के साथ विभिन्न योजनाओं व कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की। विशाल ने कहा कि राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर छः माह पुराने प्रकरणों को सभी विभाग शीघ्रता से निस्तारण करें। उन्होंने

कहा कि आने वाली बैठक में ऐसे कोई प्रकरण लम्बित नही होने चाहिए। विशाल ने जिले में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम व इस कार्यक्रम की चिरंजीवी योजना से कन्वरजेन्स की स्थिति की भी समीक्षा की।

बैठक में जिले के सभी अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट और जिले के प्रभारी अधिकारियों ने भाग लिया।

एनएफएसए के सेन्ट बैंक प्रकरणों पर चर्चा - जिला कलक्टर राजन विशाल ने एक अन्य बैठक में एनएफएसए राशन कार्ड धारी सदस्यों की जन आधार से शत प्रतिशत मैपिंग के लिए प्राथमिकता से जन आधार नामांकन के लिए अधिकारियों को निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि मई 2020 तक एनएफएसए की अपील में दस्तावेजों के अभाव में सेन्ट बैक हुए प्रकरणों में

राहत आदिशक्ति फाउंडेशन

पापड़ के हनुमान मंदिर कच्ची बस्ती में बांटे सैनेटरी नेपकिन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राहत आदिशक्ति फाउंडेशन स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्य करता है। फाउंडर एडवोकेट रुचि सेठी व संदीप पारीक ने बताया कि संस्था की ओर से गरीब और असक्षम महिलाओं को निःशुल्क सेनेटरी नैपकिन का वितरण प्रत्येक माह फाउंडेशन द्वारा किया जाता है। इसी कड़ी में पापड़ वाले हनुमान जी के पास वाली कच्ची बस्ती विद्याधर नगर में जरूरतमंद महिलाओं को निशुल्क सेनेटरी नैपकिन वितरण बीना पारीक, मधु गांधी, सोनी,आशा, अंजू, शारदा, निर्मला पारीक एवं विजया जी द्वारा किए गए। राहत आदि शक्ति फाउंडेशन उक्त कार्यक्रम में विशेष अतिथि के तौर पर समाजसेविका बीना पारीक का स्वागत संस्था का स्मृति चिन्ह देकर किया गया। संस्था का कार्य देखकर समाजसेवी का बीना पारीक संस्था की सदस्य बनी व कार्य की सराहना की।

भाविप शाखा अंबाबाड़ी जयपुर का चुनाव सम्पन्न

प्रदीप अध्यक्ष, राजेश सचिव निर्विरोध निर्वाचित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। आर.एस.त्यागी (प्रांतीय महा सचिव) ने सम्पन्न कराया। चुनाव में अध्यक्ष प्रदीप शर्मा (भामाशाह), सचिव राजेश अग्रवाल, वित्त सचिव शिवभगवान गोयल को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया।

प्रान्तीय मिडिया प्रकल्प प्रमुख नगेन्द्र वशिष्ठ ने बताया कि कर्यक्रम में मंच संचालन शकुंतला शर्मा ने किया। प्रांतीय अध्यक्ष आर.एस. सक्सेना के मार्गदर्शन एवं रीजनल भवन निर्माण की प्रगति से अवगत कराने के पश्चात ब्रह्मप्रकाश आर्य ने धन्यवाद ज्ञापित किया। राष्ट्रगीत के बाद प्रभात गोयल, वि डी गोयल, विक्रांत अग्रवाल, बाबू लाल छीपा, हरी बाहेती लोकचंद हरिरामानी, हरीशकर गोड, गणेश गुजर एवं सभी सदस्यो ने रूचि भोज ग्रहण किया।

ANCHOR किशनबाग देशी-विदेशी पर्यटकों को राहत

100 विजिटर्स के लिए 3 घंटे का स्लॉट होगा बुक

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। विद्याधर नगर के नजदीक नाहरगढ़ तलहटी में बसे किशनबाग में देशी-विदेशी पर्यटकों के लिए प्रीमियम स्लॉट बुक हो सकेगा। जेडीए ने ज्यादा से ज्यादा विजिटर्स को किशनबाग दिखाने के लिए पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोगों से संपर्क कर रहा है। जेडीसी गौरव गोयल की अध्यक्षता में किशन बाग प्रोजेक्ट की समीक्षा बैठक हुई। किशनबाग प्रोजेक्ट की प्रबंधन एजेंसी द्वारा किशनबाग परियोजना में प्रीमियम स्लॉट का प्रस्ताव रखा गया। सुबह का प्रथम स्लॉट 3 घण्टे

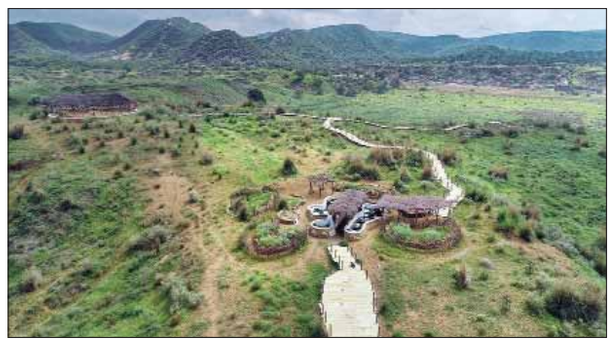

के प्रीमियम स्लॉट होगा। ऑनलाइन बुक माई शो के माध्यम से बुकिंग हो सकेगी। प्रीमियम स्लॉट में प्रथम 100 विजिटर्स किशनबाग को देख सकेंगे। हालांकि हर मंगलवार को किशनबाग पार्क को बंद रखने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई है। इसके अलावा किशनबाग पार्क में होली-धुलंडी के दिन भी अवकाश रहेगा।

रेगिस्तान के रूप में विकसित होगा बाग

प्रोजेक्ट का उद्देश्य रेतीले टीलों को स्थाई कर वहां पर पाए जाने वाले जीव जन्तुओं के प्राकृतिक वास को सुरक्षित कर संधारित करना एवं रेगिस्तान में प्राकृतिक रूप से पनपने वाली वनस्पति की प्रजातियों को विकसित कर जयपुर में एक सम्पूर्ण रेगिस्तान क्षेत्र का स्वरूप विकसित करना हैं। जो लोग वैज्ञानिक एवं शिक्षणीय अभिरूचि रखते हैं, उनके लिख किशनबाग आकर्षण का केंद्र रहेगा। रेत से बनी आकृतियों के अलावा राजस्थान के भिन्न जिलों में पाई जाने वाली चट्टानों वहां के पत्थर व रेत के टीबों से रूबरू करवाया जाएगा।

बजट

फिर बढ़ेगा 50 हजार करोड़ का कर्ज

₹ 1500 करोड़ की कर राहत, नया कर नहीं

1.33 करोड़ महिलाओं को स्मार्ट फोन, 3 साल तक डेटा मुफ्त

बिजली फ्री | 50 यूनिट

रोजगार, मोबाइल और पेंशन

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपना चौथा बजट पेशकर अगले वर्ष होने वाले चुनाव की डगर तैयार कर दी है। बजट के जरिए हर वर्ग को साधने के लिए 1.33 करोड़ घरों में मुफ्त स्मार्ट फोन, 3 साल के लिए नेट और 50 यूनिट बिजली फ्री देने का ऐलान किया है। युवाओं के लिए नई एक लाख नौकरियां देने के साथ ही चिरंजीवी योजना का दायरा 5 से बढ़ाकर 10 लाख सालाना कर दिया है। विधानसभा क्षेत्रों में सड़क के लिए 10-10 करोड़ की घोषणा की। वर्ष 2004 केबाद भर्ती हुए कर्मचारियों को पुरानी पेंशन देने और लंबित कृषि कनेक्शन 2 वर्ष में देने का वादा किया है।

विपक्ष पिछले बजट के बाद की तरह वही बोल बोल रहा है कि घोषणाएं पूरी कैसे होंगी? लेकिन ये घोषणाएं पूरी करने के लिए ही की गई हैं।
- अशोक गहलोत, मुख्यमंत्री

खेतीबाड़ी के 11 मिशन

5000 करोड़ की मुख्यमंत्री कृषक साथी योजना, जो पहले थी 2 हजार करोड़ की

प्रदेश में पहली बार अलग कृषि बजट

- फसल सुरक्षा मिशन
- भूमि उर्वरकता मिशन
- सूक्ष्म सिंचाई मिशन
- जैविक खेती मिशन
- बीज उत्पादन एवं वितरण मिशन
- मिलेट्स प्रोत्साहन मिशन
- संरक्षित खेती मिशन
- उद्यानिकी विकास मिशन
- कृषि श्रमिक संबल मिशन
- कृषि तकनीक मिशन
- खाद्य प्रसंस्करण मिशन

₹100 करोड़ का ईडब्ल्यूएस कोष, एससी/एसटी विकास कोष ₹500 करोड़

23,488 करोड़ का राजस्व और 58,211 करोड़ का राजकोषीय घाटा (वित्तीय वर्ष 2022-23)

2,38,465 करोड़ 79 लाख रुपए वित्तीय वर्ष 2022-23 केबजट अनुमानों में राजस्व व्यय

2,14,977 करोड़ 23 लाख रुपए वित्तीय वर्ष 2022-23 की राजस्व प्राप्ति

कृषक विकास यूं

20 हजार करोड़ रुपए के कृषि ऋण वितरण का लक्ष्य

220 करोड़ से 11 मिनी फूड पार्कऔर टोंक के चैनपुरा में मिनी एग्रो पार्क

राज्य कृषि बजट में 1 लाख किसानों को सोलर पंप के लिए अनुदान बढ़ाकर 60 फीसदी किया, 2 वर्ष में 6700 करोड़ रुपए से 3.38 लाख को बिजली कनेक्शन, 220 करोड़ रुपए से विभिन्न जिलों में 11 मिनी फूड पार्कऔर टोंक केनिवाई स्थित चैनपुरा में मिनी एग्रो पार्क, 18 नए कृषि महाविद्यालय, 2 वर्षों में 4171 नए जीएसएस, 2600 करोड़ राजीव गांधी जल संचय योजना में मिलेंगे।

महिला, युवा व कार्मिकों पर रखा गया फोकस

बिजली

50 यूनिट बिजली फ्री

- 100 यूनिट तकहर माह बिजली उपभोग करने वालों को 50 यूनिट फ्री।
- 150 यूनिट तक3 रुपए प्रति यूनिट का अनुदान
- 150 से 300 यूनिट तक के उपभोग पर 2 रुपए प्रति यूनिट का अनुदान
- 4500 करोड़ रुपए का आएगा भार

चिकित्सा

10 लाख का बीमा

- चरंजीवी योजना में प्रति परिवार 10 लाख रुपए का सालाना चिकित्सा बीमा
- मुख्यमंत्री चिरंजीवी दुर्घटना बीमा योजना: परिवार को 5 लाख का कवर
- सरकारी अस्पतालों में ओपीडी- आइपीडी उपचार निःशुल्क
- 18 जिलों में नर्सिंग महाविद्यालय
- जयपुर, जोधपुर, अजमेर, कोटा में नए मेडिकल इंस्टीट्यूट

पेंशन

पूर्व की भांति पेंशन

- एक जनवरी 2004 और इसके बाद नियुक्त राज्य कर्मचारियों के लिए पूर्व की तरह पेंशन योजना लागू होगी।
- एसओजी में परिक्षाओं केलिए एंटी चीटिंग सेल का गठन

मोबाइल - इंटरनेट

- मुख्यमंत्री डिजिटल सेवा योजना में 1.33 करोड़ चिरंजीवी परिवारों की महिला मुखिया को 3 वर्ष की इंटरनेट कनेक्टिविटी के साथ स्मार्ट फोन फ्री
- महिलाओं केलिए मुख्यमंत्री वर्क फ्रॉम होम योजना

कानून व्यवस्था

- हर जिले में साइबर पुलिस स्टेशन बनेंगे
- अभय कमाण्ड सेंटर, डायल 100 -112 को जोड़ते हुए 500 पुलिस मोबाइल यूनिट का गठन, प्रदेश में 3 नए पुलिस स्टेशन और 18 पुलिस चौकियां स्वीकृत की गई है।

संविदाकर्मी

- मानदेय में 20 फीसदी की होगी बढ़ोतरी

1 लाख को नौकरी, दिल्ली में हॉस्टल

- 1 लाख नई भर्तियां, दिल्ली केउदयपुर हाउस में प्रदेश के अभ्यर्थियों केठहरने केलिए 250 कमरों का होस्टल बनेग

प्रतिपक्ष कहिन

राजनीति पर आधारित है बजट

बजट नीति पर नहीं राजनीति पर आधारित है। विकास का विजन नहीं है। चुनावी रंग में रंगे इस बजट से प्रदेश की न दिशा बदलेगी और न दशा। झूठे सपने दिखाओ और जनता को मूर्ख बनाओ, बजट में ऐसा ही हुआ है। कृषि बजट छलावे से ज्यादा कुछ नहीं है। कर्जमाफी का वादा अधूरा है।
- वसुंधरा राजे, पूर्व मुख्यमंत्री

बजट काली दुल्हन के शृंगार जैसा

बजट ऐसे पेश किया है, जैसे काली दुल्हन का शृंगार कर पेश किया हो। सरकार की नियत कॉस्मेटिककी तरह दिख रही है। गहलोत घोषणा जीवी हैं। आमदनी अठन्नी और खर्चा रुपया। उन्हें अपने तीन साल की घोषणाओं पर श्वेत पत्र लाना चाहिए।
- सतीश पूनिया, प्रदेशाध्यक्ष, भाजपा

शिक्षा - खेल

सभी 3820 सैकंडरी स्कूल होंगे सी. सैकंडरी

- एक जनवरी 2004 और इसके बाद नियुक्त राज्य कर्मचारियों के लिए पूर्व की तरह पेंशन योजना लागू होगी।
- एसओजी में परिक्षाओं केलिए एंटी चीटिंग सेल का गठन

200 प्राथमिक विद्यालय रेगिस्तानी जिलों में

2000 शहरी-ग्रामीण क्षेत्रों में 1-1 हजार अंग्रेजी स्कूल

- 10 हजार अंग्रेजी माध्यम के शिक्षकों की भर्ती, अंग्रेजी माध्यम के लिए शिक्षकों का काडर बनेगा
- जयपुर केजेएलएन मार्ग पर शिक्षा हब
- 19 जिलों में 36 कन्या महाविद्यालय
- हर जिले में सावित्री बाई फूले वाचनालय
- टोंकमें मल्टी परपज इन्डोर स्टेडियम
- जोधपुर स्पोर्ट्स इंस्टीट्यूट एवं हाई
- परफोरमेंस ट्रेनिंग एवं रिहेबिलिटेशन सेंटर

पर्यटन जैसा होगा उद्योग

ग्रामीण पर्यटन स्कीम : स्टाम्प ड्यूटी फ्री

1.1.1950 तारीख — से पहले की संपत्तियों को हेरिटेज श्रेणी का मानते हुए होटल संचालन के लिए क्रय व लीज पर स्टाम्प ड्यूटी में रियायत

1000 करोड़ का विकास कोष

- पर्यटन केलिए 1000 करोड़ का विकास कोष
- इन्टर स्टेट हवाई सेवा पुनः शुरू होगी
- एडवेंचर ट्यूरिज्म प्रमोशन स्कीम
- वागड़ ट्यूरिस्ट सर्किट, 500 पर्यटक मित्र भर्ती

रजिस्ट्री सस्ती

- 50 लाख तक के मल्टीस्टोरी में फ्लैट लेने पर 2 फीसदी की छूट
- 100 वर्गगज के मकान- प्लाट और 50 वर्गगज के वाणिज्यिकभूखण्डों पर स्टाम्प ड्यूटी में 1 फीसदी की छूट
- 10 लाख रुपए से अधिक मूल्य की पैतृक संपत्ति के हक त्याग पर ड्यूटी में 5 हजार से कम कर 500 रुपए की पुत्री, पुत्रवधू, पत्नी के पक्ष में गिफ्ट
- डीड स्टाप ड्यूटी माफ
- शैक्षणिक ऋण लेने पर स्टाम्प ड्यूटी एवं पंजीयन में पूरी छूट

उद्योग

32 औद्योगिक क्षेत्र नए होंगे

2000 सुरक्षा कर्मियों की भर्ती, आरआइएसएफ का होगा गठन

- सलारपुर औद्योगिक क्षेत्र, ग्रेटर भिवाड़ी तथा बोरानाडा, जोधपुर में 250-250 करोड़ की लागत से टेक्नोलॉजी आधारित मल्टी स्टोरी इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स।
- पचपदरा, बाड़मेर में पेट्रोलियम, केमिकल एवं पेट्रोकेमिकल्स इन्वेस्टमेंट रीजन की स्थापना होगी।

राज्य परिवहन

पब्लिक ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी गठन

- पब्लिक ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी का गठन
- दुर्घटना रोकने केलिए रोड सेफ्टी एक्ट केतहत राजस्थान
- पब्लिकट्रांसपोर्ट अथॉरिटी का गठन किया जाएगा
- जयपुर में स्टेट रोड सेफ्टी इंस्टीट्यूट की स्थापना
- जयपुर मेट्रो का ट्रांसपोर्ट नगर और अजमेर रोड तक विस्तार

बेहतर सुशासन

जवाबदेही के लिए नया कानून बनेगा

राजस्थान गारंटी सर्विस डिलीवरी एवं अकाउंटेबिलिटी एक्ट लाया जाएगा। इससे प्रदेशवासियों को जवाबदेही एवं पारदर्शिता के साथ समय पर सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। कानून में सुनवाई का अधिकार अधिनियम एवं लोकसेवाओं की प्रदायगी की गारंटी अधिनियम का विलय किया जाएगा।

स्मार्ट योजना में छह शहर

- जोधपुर, भरतपुर, बीकानेर, अलवर, भीलवाड़ा और चित्तौड़गढ़ के लिए राजस्थान स्मार्ट सिटी योजना के तहत 1500 करोड़ रुपए का बजट स्वीकृत किया गया।
- सिंधीकैम्प आइएसबीटी की तर्ज पर होगा विकसित, सीकर, अजमेर, आगरा, टोंक और दिल्ली रोड पर सैटेलाइट बस टर्मिनल बनाए जाएंगे।

14,860 करोड़, 3 वर्षों में इरिगेशन रिस्ट्रक्चरिंग प्रोग्राम के तहत विभिन्न कार्य, 550 करोड़ से सौर ऊर्जा आधारित 37 माइक्रो सिंचाई परियोजनाओं पर काम

प्रदेश में खुलेंगे 36 नए गर्ल्स कॉलेज

राज्य सरकार के बजट में 36 नए गर्ल्स कॉलेजों की घोषणा से प्रदेश में सरकारी कॉलेजों की संख्या 408 हो जाएगी। पहली बार किसी सरकार ने इतनी बडी संख्या में कॉलेज खोले हैं, लेकिन पिछले तीन साल में कांग्रेस द्वारा खोले गए करीब 124 कॉलेजों में से अभी 13 कॉलेजों को तो जमीन भी नहीं मिली है। वहीं जिन्हें जमीन मिल गई उनमें से करीब 40 को बिल्डिंग बनाने के लिए बजट अलॉट होने का इंतजार है। गुरुवार को बीजेपी विधायक नरपत सिंह राजवी के सवाल पर उच्च शिक्षा मंत्री राजेन्द्र सिंह यादव ने इस संबंध में विधानसभा में जवाब दिया। राजवी ने सदन में प्रदेश में कॉलेज खोलने के मापदंड पूछे, क्योंकि सभी नए कॉलेज अस्थायी बिल्डिंगों में शुरू किए गए।

अब तक 160 कॉलेज खोले : कांग्रेस सरकार ने 2019 से अब तक करीब 160 नए सरकारी कॉलेज खोलने की घोषणा की है। जिससे इनकी संख्या 408 हो जाएगी। बजट में 36 गर्ल्स कॉलेज खोलने की घोषणा के बाद प्रदेश में करीब 116 गर्ल्स कॉलेज हो गए हैं। जयपुर के चाकसू, गोविंदगढ़ चौमू, बांसखोह बस्सी, सांगानेर व विद्याधर नगर में एक-एक खोले जाएंगे। **3 साल में 124 कॉलेज खोले :** 2019 से 2021 तक प्रदेश में खोले गए 124 कॉलेजों में से 15 को जमीन अलॉट नहीं हुई है। वहीं जिन्हें जमीन मिली है उनमें से 40 को बजट नहीं मिला है। प्रदेश में 3 साल में खुले ज्यादातर सरकारी कॉलेज सरकारी स्कूलों में या अन्य अस्थायी बिल्डिंगों में ही चल रहे हैं।

सीखने की बात

अपनी जरूरत के लिए धन कमाना अच्छी बात है, किन्तु धन-दौलत जमा करने की भूख होना बुरी बात है...

- अज्ञात

पुरानी चीजें और बेहतर आदतें बेकार न जाएं

पुरानी चीजें और बेहतर आदतें बेकार न जाएं

हमारी पीढ़ी में लोगों के चार-पांच भाई-बहन होना मामूली बात थी। कमाने वाले अकेले पिताजी होते थे। ऐसे में, बड़े भाई-बहनों के कपड़े-जूते, चप्पलें, किताबें, कॉपियां एक-एक कर छोटे भाई-बहनों के काम आ जाती थीं। यहां तक कि रफ काम पेंसिल से किया जाता था। फिर उसे रबड़ से मिटाकर दूसरा काम किया जाता था। नवजात शिशु के कपड़े भी पुरानी सूती मुलायम साड़ियों से बनाए जाते थे। घर की बुजुर्ग महिलाएं बताती थीं कि चूंकि शिशुओं की त्वचा बेहद नरम होती है, नए कपड़े न केवल उनकी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं, बल्कि उनसे कोई बीमारी भी लग सकती है। जब कपड़े छोटे हो जाते, पुराने पड़ जाते, तो तकिए के गिलाफ, गद्दे, रूमाल, झाड़न आदि बना लिए जाते थे। जब तक कोई कपड़ा ठीक है, या कोई जूता, चप्पल फटने के बावजूद मरम्मत कराकर पहना जा सकता है, तब तक वह उपयोगी है। गांवों ने शहरों की तरफ रुख किया। परिवार छोटे हुए। घर की आय बढ़ी। स्त्रियों की शिक्षा बढ़ी। महानगरों, शहरों, कस्बों में वे भी नौकरियां करने लगीं। घर में रहने वाली घरेलू महिलाएं जो काम घरों में करती थीं, उनमें से अधिकांश काम जैसे कि सिलाई, बुनाई, कढ़ाई, मसाले, दालें, आटा पीसना आदि बाजार से होने लगे। तब पुराने सामान के प्रति यह सोच भी बढ़ी कि उन्हें इस्तेमाल करना अपनी हैसियत के खिलाफ है। फिर एक ऐसा समय आया कि कंपनियां यह तय करने लगीं कि क्या खाना है, क्या पहनना है, कैसे रहना है? हर तीन महीने में ड्रेस कोड और कलर कोड बताए जाने लगे। एक कपड़े को किसी शादी-समारोह में दोबारा पहनना अपनी स्टेटस के खिलाफ माना जाने लगा। जो कपड़े-जूते कुछ ही दिन पहले लिए गए थे, उन्हें तीन महीने में ही इधर से उधर किया जाने लगा। कहां तो सोच यह थी कि जब तक कपड़ा, जूता फटा नहीं, तब तक वह किसी न किसी के लिए उपयोगी है, अब वह सोच एक तरह से व्यर्थ मान लिया गया। इन सब बातों के पीछे उपभोक्ता की क्रय शक्ति ही छिपी हुई थी। जिसकी जेब में पैसे नहीं, उसके लिए इन बातों का कोई महत्व नहीं था। इसीलिए कंपनियों के मुख्य टारगेट मध्यवर्ग के लोग और डिंक इनकम ग्रुप्स (जहां पति-पत्नी, दोनों काम करते हैं) ही थे। मगर कोरोना ने जिस तरह पूरी दुनिया में नौकरियों को कम किया, उससे लोगों की आय घटी। जेब संकुचित हुई। मध्य वर्ग के जो लोग बचत के मुकाबले खर्च पर अधिक जोर देते थे, उन्हें पहली बार एहसास हुआ कि जीवन में फिजूलखर्ची की जगह बचत का महत्व है। इसी संदर्भ में पिछले दिनों ब्रिटेन की एक लड़की की खबर आई थी कि वह बाजार से नए नहीं, पुराने कपड़े खरीदती है और इससे उसने लाखों रुपये बचा लिए हैं। इस लड़की को जो बात अब पता चली, उसे हमारे घरों के बुजुर्ग, खासतौर से महिलाएं कितनी अच्छी तरह से जानती थीं। रिसाइक्लिंग को उन्होंने किसी इंस्टीट्यूट में नहीं, जीवन के अनुभव से सीखा था। कहावत भी कही जाती थी कि पिता को बेटे के पुराने कपड़े और जूते पहनने में बहुत आनंद मिलता है। यह एक तरह से रिसाइक्लिंग तो थी ही, बचत और इमोशनल बॉन्डिंग भी थी। पिछले दिनों स्विट्जरलैंड में पैरेंटिंग पर एक लेख पढ़ रही थी, जिसमें बताया गया था कि यहां माता-पिता अपने बच्चों के लिए पुराने कपड़े, जूते यहां तक कि खिलौने भी खरीदते हैं। वे उपयोगिता पर ध्यान देते हैं, हैसियत पर नहीं। जबकि स्विट्जरलैंड एक अमीर देश है और हम एक विकासशील देश, मगर वहां इस तरह का दिखावा बिल्कुल नहीं दिखता, जैसा कि हमारे यहां है। वहां अमीर से अमीर लोग अपना काम खुद करते देखे जा सकते हैं। वे अक्सर अपनी गाड़ी खुद धोते हैं। कार चलाते हैं। घर की साफ-सफाई, बागवानी से लेकर बाजार से सामान खरीदने तक का काम खुद ही करते हैं। जबकि हमारे यहां जरा सी भी आय बढ़ती है, तो हम एक नहीं, दो-चार नौकरों की तलाश में रहते हैं। जबकि डॉक्टर कहते हैं कि अपने यहां बहुत-से रोग इसलिए बढ़ रहे हैं कि हमने काम करना छोड़ दिया है। हम कैलोरी ग्रहण तो करते हैं, खर्च नहीं करते। बहुत सी महिलाएं जीवन शैली से जुड़ी बीमारियों का शिकार हो रही हैं, जिनसे पहले वे बची रहती थीं। हमें पुरानी और अच्छी आदतों को फिर चलन में लाना चाहिए।

सम्पादकीय

भारत के शांति प्रयास

यूक्रेन की राजधानी कीव और अन्य इलाकों से सुनाई देने वाले धमाकों की आवाज लगातार तेज होती जा रही है। जब रूस की लगातार बढ़ती आक्रामकता के बीच शांति का कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा था, तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बात की। समस्या युद्ध के बजाय बातचीत और राजनय से सुलझाई जाए, यह भारत का पुराना स्टैंड है, जिसे भारत ने कुछ दिनों पहले संयुक्त राष्ट्र में भी व्यक्त किया था। प्रधानमंत्री ने इसी पक्ष को रूसी राष्ट्रपति पुतिन के सामने भी दोहराया है। भारत सरकार की तरफ से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा है कि रूस और नाटो के बीच जो मतभेद हैं, उन्हें पूरी ईमानदारी और गंभीरता के साथ की गई वार्ता के जरिये सुलझाया जा सकता है। इसका अर्थ है कि भारत सिर्फ इस मामले को रूस बनाम यूक्रेन के रूप में ही नहीं देख रहा, बल्कि उस व्यापक कारण को भी खत्म करना चाहता है, जो इस युद्ध की जड़ में हैं। हालांकि, इसे लेकर यूक्रेन जरूर थोड़ा निराश हुआ है। दिल्ली में यूक्रेन के राजदूत इगोर पोलिखा ने यह निराशा खुलकर व्यक्त भी की है। उनका कहना है कि भारत चाहे, तो यह युद्ध रुकवा सकता है। इसे हमें इस रूप में भी देखना चाहिए कि पूर्वी यूरोप के ताजा विवाद में भारत से कितनी उम्मीदें बांधी जा रही हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी कहा है कि उनका देश समस्या को लेकर भारत के संपर्क में है। उधर यूरोपीय संघ के विदेश मामलों के सचिव ने भी इसे लेकर भारतीय विदेश मंत्री से बात की है। युद्ध की इस समस्या के बीच भारत अपनी एक दूसरी परेशानी को दूर करने में लगा है। इसके 20 हजार से ज्यादा छात्र इस समय युद्धग्रस्त यूक्रेन में फंसे हुए हैं। एयरस्पेस बंद होने के कारण इन भारतीयों को विमान के जरिये वहां से निकालना संभव नहीं हो पा रहा। कोशिश यह चल रही है कि इन छात्रों को जमीनी रास्ते से वहां से निकाला जाए। यह तभी हो सकता है जब यूक्रेन और रूस, दोनों ही इसके लिए भारत से सहयोग करें। इस मामले पर भी प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन से बात की है और वहां से उन्हें सहयोग का आश्वासन भी मिला है। इस बातचीत के बाद रक्षा मामलों की कैबिनेट कमेटी में भी इन छात्रों को वहां से लाने को प्राथमिकता देने की बात की गई है। इस युद्ध में भारत से जो उम्मीद बांधी गई है, उसने कुछ धर्मसंकट भी खड़े किए हैं। भारत एक ऐसा देश है, जिसके अमेरिका से भी अच्छे संबंध हैं, रूस से भी और यहां तक कि यूक्रेन से भी। जब ऐसे हालात हों, तो आप किसी एक का पक्ष नहीं ले सकते। फिर जिन कारणों से इस युद्ध की नौबत आई है, वे हमारे नियंत्रण में नहीं हैं। यह तर्क दिया जा सकता है कि रूस ने यूक्रेन की संप्रभुता का उल्लंघन किया है, इसलिए हमें उसका विरोध करना चाहिए। लेकिन इराक, ईरान, यूगोस्लाविया, लीबिया वगैरह में ऐसे बहुत से मौके आ चुके हैं, जब अमेरिका ने इनकी संप्रभुता का उल्लंघन किया था। फिर यह मामला अब उस मोड़ पर पहुंच चुका है, जहां सिर्फ नैतिक स्टैंड लेकर कुछ हासिल कर पाना संभव नहीं है। इसलिए यहां मध्यस्थ की एक सीमित भूमिका की ही गुंजाइश बचती है। फिलहाल भारत इसी की कोशिश कर रहा है। भारत और इसके जैसे अन्य उदार देश यदि अब भी कोई शांतिपूर्ण समाधान निकाल सकें, तो दुनिया के लिए बड़ी बात होगी।

अगर आप फैमिली मेंबर्स या दोस्तों के साथ फिल्में देखने अपने नजदीकी मल्टीप्लेक्स या सिनेमा हॉल नहीं जा पा रहे हैं, तो कोई बात नहीं, अब आपका घर ही मल्टीप्लेक्स में बदलने जा रहा है। ओवर द टॉप या ऑनलाइन स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म की बदौलत अब आप घर बैठे फुल एंटरटेनमेंट कर सकते हैं।

ओटीटी ने बदला कहानी कहने का अंदाज

श्याम माथुर
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

चाहे वह रियलिटी शो हों, या कोई डॉक्यूमेंट्री या फिर वेब सीरीज। ऐसा अहसास हो रहा है मानो सैकड़ों कहानियां सालों से हमारी स्मृतियों में, हमारी यादों में कहीं दबी थीं और अब वे सब एक साथ ऑनलाइन स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर बाहर आने को बेकरार हैं।

ओटीटी प्लेटफॉर्म ने बड़ी तेजी से दर्शकों को अपनी गिरफ्त में लिया है। खास तौर पर कोरोना काल और लॉक डाउन के दौरान तो ओटीटी कंटेंट की डिमांड और भी ज्यादा बढ़ चुकी है। इसी दौरान तमाम ओटीटी प्लेटफॉर्म भी लॉन्च किए गए। जिस दौर में सिनेमाघर बंद थे, उस दौरान तमाम फिल्मों और वेब सीरीज को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर ही रिलीज किया गया। ओटीटी के लोकप्रिय होने के बाद एक सबसे बड़ा बदलाव यह आया है कि अब हमें नॉन-फिक्शन कंटेंट मिलने लगा है। जैसा कि हम जानते हैं कि अब तक सिनेमा और टेलीविजन उद्योग पूरी तरह फिक्शन पर आधारित था, अर्थात काल्पनिक कहानियां, जिनका हमारी जिंदगी की वास्तविकता से बहुत ज्यादा सरोकार नहीं होता था। लेकिन अब नॉन-फिक्शन कहानियों की एक बिलकुल नई दुनिया लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। चाहे वह रियलिटी शो हों, या कोई डॉक्यूमेंट्री या फिर वेब सीरीज। ऐसा अहसास हो रहा है मानो सैकड़ों कहानियां सालों से हमारी स्मृतियों में, हमारी यादों में कहीं दबी थीं और अब वे सब एक साथ बाहर आने को बेकरार हैं।

कौन सोच सकता था कि हमारे देश के मशहूर वैज्ञानिक होमी जहांगीर भाभा और विक्रम साराभाई पर वेब सीरीज बनाई जा सकती है। हाल ही सोनी लिव ने 'रॉकेट बॉयज' टाइटल से इस सीरीज को पेश किया और बड़ी तादाद में दर्शक इसे पसंद कर रहे हैं। दूसरी तरफ बहुत सारे लोगों को वेब सीरीज 'स्कैम' भी याद होगी, जिसने पिछले साल धूम मचा दी थी।

पिछले साल नेटफ्लिक्स ने ब्रिटिश महारानी क्वीन एलिजाबेथ की जिंदगी पर वेब सीरीज 'द क्राउन' पेश की, यह सीरीज इस हद तक पसंद की गई कि अब तक इसके 4 सीजन आ चुके हैं। इस्रायली जासूस एली कोहेन की जिंदगी पर आधारित नेटफ्लिक्स की चर्चित वेब सीरीज 'द स्पाई' को भी दर्शकों ने बहुत पसंद किया। इस सीरीज में दिखाया गया है कि किस तरीके से मोसाद के सबसे खतरनाक जासूस में से एक एली कोहेन साठ के दशक में सीरिया में इस हद तक पैठ बना लेता है कि वो दुश्मन देश का राष्ट्रपति बनने के करीब तक पहुंच जाता है। कुल मिलाकर यही बात मायने रखती है कि हमारे आसपास की दुनिया में जितनी भी कहानियां बिखरी पड़ी हैं, उन्हें कौन, कितने प्रामाणिक तरीके से दर्शकों तक पहुंचाता है। हाल ही मैंने नेटफ्लिक्स में वाइस प्रेसीडेंट और कंटेंट हैड मोनिका शेरगिल का इंटरव्यू किया और ओटीटी कंटेंट के तमाम पहलुओं पर उनके विचार जानने का प्रयास किया। उनका साफ कहना था कि 2019 की तुलना में 2020 में हमारे देश में नॉन फिक्शन सीरीज के दर्शकों की संख्या ढाई सौ गुना बढ़ गई और इस रुझान को देखते हुए साल 2021 में बड़ी संख्या में फिल्मकारों ने नॉन-फिक्शन को अपनाया और उनका अनुमान है कि साल 2022 के आखिर तक दर्शकों की संख्या तीन सौ गुना बढ़ सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि हमारा देश अनकही कहानियों का देश है, यहां कदम-कदम पर कहानियां बिखरी हैं, इन कहानियों को इस बात का इंतजार था कि कोई रचनात्मक शख्स इन कहानियों को दर्शकों तक पहुंचाए।

इस तरह अब दर्शकों के सामने भी एक व्यापक परिदृश्य है, उनके सामने अनेक विकल्प हैं, दूसरी तरफ फिल्मकारों के सामने भी एक पूरी दुनिया ही खुल गई है। उन्हें अपनी पसंद की कहानियों को, अपने पसंदीदा फॉर्मेट में दर्शकों तक पहुंचाने की छूट है, क्योंकि वे जानते हैं कि हर अच्छी कहानी अपने दर्शक तलाश ही लेगी। दरअसल ओटीटी की दुनिया अब विशाल और व्यापक हो गई है कि आने वाले समय में हमें अगर ऑनलाइन स्ट्रीमिंग युद्ध जैसे शब्द सुनाई देने लगें, तो ताज्जुब नहीं होना चाहिए। मनोरंजन उद्योग से जुड़ी तमाम छोटी-बड़ी कंपनियां अब ऑनलाइन कंटेंट पर फोकस कर रही हैं और इस जंग में आगे बने रहने के लिए दिल खोलकर पैसा भी खर्च कर रही हैं। दुनिया की सबसे बड़ी मीडिया कंपनी डिज्नी अगले साल 100 वां जन्मदिन मनाएगी, और हाल ही कंपनी ने एलान किया है कि वह अपने 19 लाख करोड़ रुपए के कारोबार को नया स्वरूप देने जा रही है, जिसमें ओटीटी कंटेंट की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

मार्केटिंग कंपनी मोर्गन स्टेनले का अनुमान है कि स्ट्रीमिंग कंपनियां इस साल नए कंटेंट पर 17 लाख करोड़ रुपए से अधिक खर्च करेंगी। यह राशि दस साल पहले की तुलना में दोगुना है। डिज्नी के सीईओ बॉब चापेक ने हाल ही एक इंटरव्यू में कहा है कि इस साल कंपनी 68 हजार करोड़ रुपए सिर्फ नए कंटेंट पर खर्च करने वाली है। उधर अमेरिका में एपल टीवी प्लस अपने कस्टमर्स को साथ जोड़े रखने के लिए कंटेंट पर 15 हजार करोड़ रुपए खर्च करने का एलान पहले ही कर चुका है।

ओवर द टॉप यानी ओटीटी की लोकप्रियता बढ़ने के बाद क्या फिल्म उद्योग का भविष्य अभी भी उज्ज्वल है? यह एक ऐसा सवाल है, जिसका जवाब हर कोई तलाश रहा है। खास तौर पर सिनेमा और मनोरंजन की दुनिया में दिलचस्पी रखने वाला हर शख्स इस सवाल का सामना कर रहा है। इसी सवाल से जुड़ी एक शंका यह भी है कि तेजी से बदलती इस दुनिया में कहीं सिंगल स्क्रीन सिनेमाघर भी हमेशा के लिए पीछे नहीं छूट जाएं। यूं भी मल्टीप्लैक्स आने के बाद सिंगल स्क्रीन सिनेमाघरों की संख्या बड़ी तेजी से कम हुई है और ऐसे सिनेमाघर अब सिर्फ छोटे कस्बों और शहरों तक ही सिमट गए हैं। और अब ओटीटी कंटेंट ने ऐसे कस्बों और शहरों में भी सेंध लगा ली है। आज आलम यह है कि सस्ती दरों पर उपलब्ध इंटरनेट सुविधा के कारण छोटे-छोटे गांवों के नौजवान भी 'तांडव' और 'मिर्जापुर' या ऐसे ही दूसरे तमाम ओटीटी कंटेंट की चर्चा करने लगे हैं। हर मोबाइल स्क्रीन पर वेब सीरीज देखी जाने लगी हैं और इसी बदलाव का नतीजा है कि अमेजन प्राइम या हॉटस्टार जैसे प्लेटफॉर्म खूब फल-फूल रहे हैं।

कविता

धरती

मीनू
कवयित्री
@jagrukjanta.net

हरी भरी धरती पर क्या बियाबान फैलाया है,
धुएँ से लिपटा आलम ये कैसा घना साया है,
साँस, धड़कन और दिल को नासाज कर रहा
और कहते हो पटाखों से तम को मिटाया है
खुली हवा में साँस लेना सुखद लगता सबको,
पर अब उसी हवा में हमने जहर घुला पाया है
रोशनी की जगह सुबह धुएँ में लिपटी दिख रही
चाँद को भी इस प्रदुषण के आगे लाचार पाया है
देश का दिल है जो दिल्ली जहाँ से संचालन है
वहीं लोगों को इस हवा से बेमौत मरते पाया है
करोड़ों के पटाखे जलाए और खुशियाँ पाई,
क्षणिक आनंद के लिए भविष्य दाँव पर लगाया है
ना प्रकृति और ना ईश्वर ने भेजी है ये समस्या
इस समस्या को न्यौता हमने ही भिजवाया है।

लेखक अजमेर से है

ओपिनियन

खराब पढ़ाई के लिए शिक्षक ही जिम्मेदार नहीं

संतोष मिश्रा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

सवाल है कि बच्चे वह क्यों नहीं सीख रहे हैं, जो उन्हें स्कूल में सीखना चाहिए? आइए, हम पता लगाएं कि आखिर शिक्षकों के बारे में क्यों कहा जाता है कि वे हमारी कक्षाओं में सीखने या पठन-पाठन की कमी में योगदान देते हैं।

पहला कारण, शायद शिक्षक को जो पढ़ाना है, वह बहुत कठिन है। यहां दो संबंधित चुनौतियां शिक्षण को कठिन बनाती हैं। पहली, वह भाषा, जो बच्चे घर पर और अपने आस-पड़ोस में बोलते हैं, लेकिन वह भाषा अक्सर शिक्षा के माध्यम से अलग होती है। दूसरी चुनौती पाठ्यपुस्तकें हैं, जो अक्सर कमतर होती हैं।

दूसरा कारण, शायद शिक्षकों में सिखाने की क्षमता नहीं है। एक शिक्षक की क्षमता के कई आयाम होते हैं। दो अहम बातों पर विचार कीजिए, किसी भी विषय को कैसे पढ़ाया जाए, इसके लिए अपनी-अपनी शैक्षणिक क्षमताएं हैं; दूसरी ओर है, पढ़ाई सुनिश्चित करने के लिए बच्चों को प्रभावी ढंग से संभालने की क्षमता। शिक्षकों में दोनों क्षमताएं जटिल और चुनौतीपूर्ण हैं। एक कारगर शिक्षक होने के लिए संकल्प और तैयारी की जरूरत होती है। जो कुछ सीखा है, उसे रोजमर्रा के अभ्यास में उपयोगी बनाने के लिए माकूल माहौल भी होना चाहिए।

तीसरा कारण, शायद हमारे शिक्षकों का रवैया खराब है, लेकिन यह साफ तौर पर झूठ है। देश में लगभग एक करोड़ शिक्षक हैं, यह बड़ी संख्या है। उनका रवैया वैसा ही होगा, जैसा हमारे देश के आम लोगों का होता है। हालांकि, वास्तव में कुछ शिक्षक बहुत सकारात्मक होते हैं, तो कुछ बहुत नकारात्मक भी होते हैं, लेकिन अधिकांश शिक्षक औसत होते हैं, जैसे हमारे देश में किसी भी समूह में अधिकांश लोग औसत होते हैं।

चौथा कारण, शायद हमारे शिक्षक पढ़ाने के लिए पर्याप्त रूप से प्रेरित नहीं हैं। प्रेरणा के लिए अनेक जटिल कारक जिम्मेदार होते हैं। स्कूल का भौतिक परिवेश भी इसमें शामिल होता है; उदाहरण के लिए, स्कूलों में शौचालय की भी कमी देखी जाती है। एक अहम बात यह भी है कि समाज शिक्षकों के प्रति किस तरह का व्यवहार करता है या उन्हें कैसा माहौल देता है? हमारे शिक्षकों का व्यवहार विद्यालय की संस्कृति और समग्र शिक्षा व्यवस्था में गहराई से निहित है, जो यह तय करता है कि शिक्षक कितने सहयोगी, सशक्त और मूल्यवान हैं। यह भी तथ्य है कि वे शक्तिहीन होते हुए भी शिक्षा के केंद्र में हैं। दुखद रूप से शिक्षा की तमाम बुराइयों के लिए शिक्षकों को जिम्मेदार ठहरा दिया जाता है।

पांचवां कारण, शायद शिक्षकों के पास पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। यह सच है। उनके पास न सिर्फ संसाधनों की कमी है, बल्कि जो संसाधन हैं, उनमें से अनेक खराब गुणवत्ता वाले हैं। पाठ्यपुस्तकों से लेकर बुनियादी ढांचे तक कमियों की सूची लंबी है। छठा कारण, शायद शिक्षक अधिक बोझ से दबे हुए हैं। यह कई मायनों में सच है। ज्यादातर शिक्षकों को उन बच्चों के हुजूम को संभालना होता है, जो अलग-अलग स्तर या योग्यता के होते हैं। शिक्षकों पर समय-समय पर थोपे जाने वाले प्रशासनिक कार्यों से भी शिक्षण का मुख्य कार्य प्रभावित होता है। सार यह है कि एक शिक्षक की भूमिका पहले से ही असाधारण रूप से जटिल और चुनौतीपूर्ण है, और ऊपर से प्रशासनिक कार्य देकर हम उन पर अधिक बोझ डाल देते हैं।

इन छह कारणों के बीच एक जटिल परस्पर क्रिया भी है। उदाहरण के लिए, शिक्षक की खराब तैयारी उसकी कमतर क्षमता में योगदान करती है। शिक्षक से शिक्षा का एकमात्र एजेंट होने की उम्मीद की जाती है, क्योंकि बच्चे को घर से मदद नहीं मिल सकती। ऐसे में, शिक्षक जब रोज-रोज अपने छात्रों के सामने खड़े होते हैं, तो प्रभावी ढंग से पढ़ाने में असमर्थ होने के कारण दुष्प्रेरित हो जाते हैं। जब समस्या की जड़ें व्यवस्थागत और सामाजिक कारणों में पाई जाती हैं, तब भी शिक्षक को ही अधिक दोष दिया जाता है।

हमारे शिक्षक औसत भारतीय मात्र हैं। यह हमारे आस-पास के ही कुछ लोगों का एक उप-समूह है, जो बाधाओं के अंबार से रूबरू जूझ रहा है। हमारे देश में सीखने पर मंडराते संकट की वजह शिक्षक नहीं हैं। हमें उन व्यवस्थागत और सामाजिक समस्याओं की भी पड़ताल करनी चाहिए, जो इस संकट के लिए वास्तव में जिम्मेदार हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज ।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

जब भगवान में अनुराग हो जाता है तो संसार के सब भोग विलास में विराग हो जाता है। भगवान में निष्ठा से विषयों से स्वतः ही विरति हो जाती है। ऐसे शान्त रस के भक्ति के जीवन में आनन्द की धारा प्रवाहित होने लगती है। भक्त में दैवीय सम्पदा के गुणों का समावेश हो जाता है, किंतु इस शान्त रस में भक्त का भगवान के साथ कोई व्यक्तिगत सम्बन्ध नहीं रहता। शान्त रस का विकास होने से एक प्रतिरस का उदय होता है, जिसे दास्य रस कहते हैं।

दास्य रसः इस रस का स्थायिभाव प्रेम अथवा प्रीति है। प्रेम की यह आरम्भिक अवस्था है। बक्त की हमेशा यह भावना रहती है कि मैं भगवान को अनुग्रह का, उनकी कृपा का पात्र हूं। भगवान की कृपा प्राप्ति के लिए उनको प्रसन्न करना अपना कर्तव्य समझता है। हमेशा भगवान की सेवा में तत्पर रहता है। एक-दूसरे प्रकार के दास्य रस के भक्त होते हैं जो अपने को सदा भगवान के द्वारा रक्षित और लासिलत पालित होकर रहने की कामना करते हैं। भगवान तो चराचर जगत के रक्षक और पालनहार हैं ही, किंतु भक्त उपास्य और उपासक का प्रत्यक्ष सम्बन्ध अनुभव कर भगवान से व्यक्तिगत भावना रखता है कि एक मात्र मेरे परम इष्ट भगवान ही मेरे प्रभु हैं मेरे रक्षक हैं।

दास भक्त भी अनेक प्रकार के माने गए हैं जैसे, ब्रह्मा, इन्द्र, कुबेर, वरुण आदि भगवान के अभिकृत भक्त हैं, विभीषण, सुग्रीव आदि भगवान के शरणागत भक्त हैं, सनत्कुमार, शौनक, नारद और शुकदेव, ज्ञाननिष्ठ भक्त हैं, **क्रमशः**

हमे लिखे

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : **9829329070, 9928022718**

झलक : अहमीयत एक पल की

तुषार पुरोहित
पत्रकार
@jagrukjanta.net

वक्त कहिये, समय अथवा काल।
टिका जिसका पूरा वजूद सिर्फ एक पल पर।
पल की हल्की सी करवट। निमिष की नन्ही चाल।
भरे जिसमें कितने ब्रह्मांड व्यापी भूचाल

पल तो होता है पल। होता ना जिसका छोर। मगर उसका एक निर्णय कर जाता जगत को विभोर, तो कभी प्रलय के लिए पर्याप्त। वक्त की हुकूमत। वक्त का ताज़ा। पल की मुट्ठी में। कल और आज। वक्त की धुरी पर घूमता पहिया। समेटे अपने पल्लू में दूसरे अनन्त चतुर्युग। गूँधे अपनी अलकों में असंख्यों बारहमासे। पतझड़ तो कभी वसन्त। सर्दी कभी ताप। घडी पहर, छिन पलक से ले कर संवत्सर। चलता रहा यह सतत। सत्वर, निरन्तर, कितना चला ? कहाँ तक पहुँचा ? आगे की दौड़ क्या ? न कोई हिसाब । न कोई माप।

काल का यह चक्कर कभी महाभारत का सूत्रधार बना। रचे कभी आख्यान, रामायण भागवत आदि के। खबर बन कर रह जाती घटनाओं की रेलमपेल। निर्भर इसी एक पल पर इतिहास के बनते बिगड़ते खेल।

काल को ऋषियों का स्तवन। देव और दानवों का नमन। जय महाकाल। जयति जय काल भैरव। वेद व्यास ने विष्णु को देखा काल रूप

-" ऋतुः सुदर्शनः काल परमेष्ठी परिग्रहः ॥ " शंकराचार्य ने गाया" कालः क्रीडति गच्छत्यायुस तद्?पि न मुक्ति आशा वायुः ॥

-" तुलसी दास ने लिखा, भुवनेश्धर कालहु कर काला।

काल की गति रहस्य मय। पल पल काल कवलित हुआ जाता। काल नियन्ता को छोड़ , सब कुछ काल के मुख में समा जाता। जिसका नज़ारा भगवद् गीता में अर्जुन ने कुछ इस तरह देखा-

" यथा प्रदीप्तं ज्वलनं पतंगा
विशन्ति नाशाय समृद्ध वेगाः।
तथैव नाशाय विशन्ति लोका
स्तवापि वक्त्राणि समृद्धवेगा ।।"

जन मानस में काल की त्रास, मृत्यु का भय सर्वोपरि।

अकाल मृत्यु से त्राण पाने हेतु, गुरुगीता ने बतायी गुरु की शरण।

" पन्नग सुर मुनि के शापों का, मोचन करते हैं गुरुदेव।
काल मृत्यु के भय का दुर्गे, भंजन करते हैं गुरुदेव ।।"

इधर भय संशय की दुनिया से अलग , पल की अहमीयत को समझ, कवियों ने अपने अपने भावों से माधुर्य प्रेम की राह चुनी।

- " इक पल की पलक पर है, ठहरी हुई ये दुनिया।
- इक पल के झपकने तक, हर खेल पुराना है।
- संसार की हर शौ का , इतना ही फ़साना है।
- इक धुंध में आना है , इक धुंध में जाना है।

इस धुंध में छिपे वक्त के बेड़?न्तिहा आवर्त। जिसके तल झांकता यही इक पल।

- " गिरती न बूँद जो आसमां से, न होती बरसात। होते ना जो धारे मचलती न मौनों को पाँत।
- सहमा जाती सदियों को हल्की सी इक हुंकार।
- जाने तो कोई होती क्या लहमों की औकात ॥

यही एक पल , छिपी जिसमें युद्ध की, रक्तरंजित भूल।
यही एक पल , जिसमें खिलमिल जाते, रजनी गंधा के फूल।

प्रणय से भरी कोई नायिका करती यह इजहार ,

- इक पल मेरी इन आँखों में,
- बस रहते हैं सपने उनके।
- मन कहता है, मैं रंगों की
- इक प्यार भरी बदली बन के
- बरसूँ उनके आँगन में
- रजनी गंधा फूल तुम्हारे, महकें यूँ ही जीवन में ।।
- क्या कीजियेगा त्रिकालज्ञ भी बन कर। जीवन का स समूचा मुद मांगल्य पहुना मात्र एक पल का।

" इस पल के साये में अपना ठिकाना है।
इस पल के आगे की हर शै फ़साना है।
कल किसने देखा है, कल किसने जाना है।
इस पल से पायेगा, जो तुझको पाना है।
जीने वाले। सोच ले। यही वक्त है, कर ले पूरी आरजू।।
आगे भी जाने न तू। पीछे भी जाने न तू जो भी है।बस यही इक पल है ॥

" तो बँधी जिनकी अटूट आस इस पल से। है पल के साथ जीने की जिनकी महान ललक, बस उन्हीं के नाम यह आज की झलक । ....अस्तु।

- तुषार 'निरपेक्ष'

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

पंचांग

ज्योतिर्विद्
अक्षय
शास्त्री
अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 02/03/2022

सूर्योदय : 06:52 **सूर्यास्त :** 18:18 **चन्द्रोदय :** 06:47 **चन्द्रास्त :** 18:01 **शक सम्वत :** 1943 पलवा **अमान्ता महीना :** माघ **पूर्णिमांत :** फाल्गुन **सूर्य राशि :** कुम्भ **चन्द्र राशि :** कुम्भ **पक्ष :** कृष्ण **तिथि :** अमावस्या, 23:08 तक **वार :** बुधवार **शक सम्वत :** 1943 प्लव **चन्द्रमास :** फाल्गुन - पूर्णिमान्त, माघ - अमान्त **विक्रम सम्वत :** 2078 आनन्द **गुजराती सम्वत :** 2078 प्रमादी **द्रिक ऋतु :** वसन्त **द्रिक अयन :** उत्तरायण **वैदिक अयन :** उत्तरायण

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : शतभिषा, 26:32 तक
योग : शिव, 08:14 तक
प्रथम करण : चतुष्पदा, 12:02 तक
द्वितिय करण : नागा, 23:08 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	05:06 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	05:31 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:29 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	06:10 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	06:21 पी एम से
अमृत काल	07:47 पी एम से
निशिता मुहूर्त	12:08 ए एम, मार्च 03

निवास और शूल
दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
चन्द्रवास : पश्चिम में
होमाहुतिः सूर्य

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
लाभ : 06:51 - 08:17	उद्वेग : 06:17 - 07:51
अमृत : 08:17 - 09:43	शुभ : 07:51 - 09:25
काल काल वेला : 09:43 - 11:09	अमृत : 09:25 - 10:59
शुभ : 11:09 - 12:34	चर : 10:59 - 12:34
रोग वार वेला : 12:34 - 02:00	रोग : 12:34 - 02:08
उद्वेग : 02:00 - 03:26	काल : 02:08 - 03:42
चर : 03:26 - 04:51	लाभ : 03:42 - 05:16
लाभ : 04:51 - 06:17	उद्वेग : 05:16 - 06:50

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघड़िया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघड़िया माना जाता है।

आज अमावस्या

आज कौन सा कार्य करें

अमावस्या को पितृ कार्य और शल्य क्रिया करके उनमे सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

फाल्गुन, कृष्ण, अमावस्या, 2078 बुधवार, 2 मार्च - 8 मार्च, 2022

मेष चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ

परिवार वालों का पूरा सहयोग मिलेगा। माँ जी से आपको सुख मिलेगा और उनसे धन लाभ हो सकता है। कार्यक्षेत्र में स्थितियां अच्छी रहेगी। आपके ट्रांसफर के योग बनेंगे

तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते

किसी तरह से बड़ा लाभ होने की संभावना है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। किसी तरह के विवाद में विजय प्राप्त होगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

वृषभ ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो

परिवार से कोई दूर यात्रा पर जा सकता है। धार्मिक क्रियाकलापों में मन लगेगा। ऑफिस में मन कम लगेगा। काम से जी चुराने के योग बन रहे हैं, इसलिए थोड़ा ध्यान दें। पारिवारिक जीवन शांतिपूर्ण रहेगा।

वृश्चिक तो, ना, नी, नू, या, यी, यू

निवेश के धन से लाभ होगा। प्रेम जीवन में भी अंतरंग पलों में बढ़ोतरी होगी। शिक्षा में रुकावट का समय खत्म होगा। यदि आप शादीशुदा हैं तो संतान को सुख की प्राप्ति होगी।

मिथुन क, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह

लाभ होगा, मानसिक खुशी होगी। सुकून भरे पल बिताएंगे और जो लोग शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं, उनका पढ़ाई में मन लगेगा। शादीशुदा हैं तो संतान को सुख मिलेगा जिससे आपको संतुष्टि प्राप्त होगी।

धनु ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे

आवश्यक कार्यों के कारण आपकी जेब पर बोझ पड़ेगा। फिर भी मन प्रसन्न रहने से कार्य में सफलता मिलेगी। दांपत्य जीवन सामान्य रहेगा। जो लोग किसी प्रेम संबंध में हैं, उनके लिए दिनमान अनुकूल है।

कर्क हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो

कार्यक्षेत्र में काम पर ही फोकस करें अन्यथा स्थिति बिगड़ सकती है। पारिवारिक जीवन बढ़िया रहेगा और माता पिता का सुख मिलेगा। स्वास्थ्य थोड़ा कमजोर रहने की संभावना है।

मकर भो, जा, जी, जू, खा, खू, गा, गी,

निजी जीवन के लिए दिन अनुकूल है। परिवार के साथ समय बिताएंगे। परिवार का सहयोग भी काम में मिलेगा और पेशेवर जीवन में भी अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। खर्च काफी अधिक रह सकते हैं।

सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे

उच्च शिक्षा प्राप्त करने की दिशा में सफलता मिलेगी। प्रेम संबंधों के लिए भी दिन बेहतर है। जिनकी शादी हो चुकी है, उनके दांपत्य जीवन में कुछ समस्याएं रह सकती हैं।

कुंभ गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा

किसी छोटी यात्रा पर जाने से मन भी प्रसन्न होगा और आपको कुछ नए सौदे मिलने की उम्मीद होगी, जिससे आपका व्यापार गति पकड़ेगा। इनकम में बढ़ोतरी होगी। खर्चों का बोझ रहेगा।

कन्या टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो

जीवनसाथी का सहयोग मिलेगी। आपके काम में उम्मीदें जागेंगी। पारिवारिक जीवन में भी परिजनों का सहयोग आपको प्राप्त होगा। यात्राओं पर जाने के लिए समय अनुकूल नहीं है। झगड़े से बचना चाहिए।

मीन दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि

मान सम्मान में बढ़ोतरी होगी। धार्मिक कार्यों में में हिस्सा लेंगे। कार्य क्षेत्र में स्थिति सामान्य रहेगी ।पारिवारिक जीवन का तनाव आप पर हावी हो सकता है, इससे बचने का प्रयास करें।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

कथक नृत्य भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग है - डॉ. स्वाति

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर @ शिव दयाल मिश्रा। कहते हैं कि होनहार बच्चों की प्रतिभा बचपन से दिखाई देने लगती है। ऐसी ही एक शख्सियत है कथक नृत्यांगना स्वाति अग्रवाल, जो आज अपनी प्रतिभा के बल पर किसी परिचय की मोहताज नहीं है। जोधपुर में जन्मी डॉ. स्वाति अग्रवाल 5-7 साल की उम्र में ही नृत्य में रुचि दिखाने लगी। इसी को देखते हुए उनके परिजनों ने उनकी शिक्षा-दीक्षा के साथ उनको नृत्य सीखने में भी सहयोग किया। विवाह के बाद पति कपिल अग्रवाल एवं उनके परिजनों ने भी डॉ. स्वाति का हौसला बढ़ाया और पं. गिरधारी महाराज के सान्निध्य में डॉ. स्वाती ने नृत्यकला में महारथ हासिल की। डॉ. स्वाति अग्रवाल से बातचीत के कुछ अंश-

आपने कभी कथक का प्रशिक्षण भी लिया

जी हां। जयपुर घराने के विख्यात कथक गुरु पं. गिरधारी महाराज के सान्निध्य में प्रशिक्षण प्राप्त कर कथक नृत्य सीखा। राजस्थान विश्वविद्यालय से कथक नृत्य में पीएचडी। गंधर्व विश्वविद्यालय से कथक नृत्य में अलंकार (एम.ए.) एवं राजस्थान संगीत संस्थान से कथक नृत्य में निपुण (एम.ए.)।

इस वक्त आप क्या करती हैं

इस समय विभिन्न संस्थाओं से जुड़ी हुई हूं, जिनमें इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कथक डांस एंड म्यूजिक, जयपुर के निदेशक पद पर कार्यरत, जो कि प्राचीन कला केंद्र, चंडीगढ़ से संबद्ध एक संस्था है। अग्रवाल एजुकेशनल, कल्चरल एंड वेलफेयर सोसाइटी, जयपुर (राजस्थान) की संस्थापक अध्यक्ष, लोक कला के अंतर्राष्ट्रीय संगठन (आईओवी) की सदस्य हूं।

आपको कभी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन का अवसर मिला

अनेक संस्थाओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन पर सम्मानित किया, जिनमें संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा संस्कृति के क्षेत्र में उत्कृष्ट व्यक्ति को फेलोशिप के लिए जूनियर फेलोशिप 2013-14 से

सम्मानित किया गया। राजस्थान संगीत नाटक अकादमी के युवा पुरस्कार 2002-03 के लिए मुख्यमंत्री से सम्मानित। संस्कृति विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा युवा कलाकार छात्रवृत्ति विजेता। राजस्थान संगीत नाटक अकादमी द्वारा घोषित छात्रवृत्ति विजेता।

इसके अलावा आपकी कोई विशिष्ट उपलब्धियां

विभिन्न देशों और शहरों में विभिन्न प्रदर्शन किए जिनमें अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ताकासाकी आर्ट सेंटर कॉलेज, जापान के निमंत्रण पर इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ परफेक्ट आर्ट्स (आई.आई.पी.ए.) के सदस्य के रूप में जापान में कथक नृत्य का सफल प्रदर्शन किया। बर्नार्डो बिथलुचित (आठ ऑस्कर पुरस्कार विजेता) द्वारा निर्देशित एक अंतर्राष्ट्रीय फिल्म लिटिल बुद्धा में एक भूमिका निभाने के लिए नेपाल जाने का मौका मिला। इसके अलावा राजस्थान सरकार द्वारा प्रायोजित दुबई महोत्सव में भाग लिया।

इसके अलावा राष्ट्रीय स्तर पर भी नृत्य प्रदर्शन किए जिनमें अहमदाबाद में आयोजित युवा महोत्सव, भोपाल (म.प्र.) में किरण संस्थान द्वारा राष्ट्रीय सांस्कृतिक यात्रा कार्यक्रम, इलाहाबाद में उत्तर मध्य क्षेत्र सांकृतिक केंद्र द्वारा आयोजित प्रतिभा उत्सव, उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र द्वारा आयोजित चलो मन गंगा यमुना तीर, जवाहर कला केंद्र जयपुर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कथक उत्सव, उड़ीसा में देबस्मृति कार्यक्रम एवं दिल्ली में नेशनल डांस फेस्टिवल शामिल हैं। इसके साथ ही दिसंबर, 2017 में जयपुर कथक केंद्र द्वारा आयोजित कथक नृत्य संध्या कार्यक्रम में अल्बर्ट हॉल, जयपुर में सफल नृत्य प्रदर्शन, जनवरी 2018 में जयपुर कथक केंद्र द्वारा आयोजित ए कथक नाइट बाय कथक गुरुओं में जयपुर घराने के 10 प्रख्यात कथक गुरुओं के बीच प्रदर्शन किया गया। जनवरी, 2018 में ही जवाहर कला केंद्र द्वारा आयोजित रंग राजस्थान कार्यक्रम में प्रस्तुति, हरवर्ष राधा गोविंद देव जी मंदिर प्रांगण में फागोत्सव में प्रदर्शन, 29 अप्रैल 2018 को विश्व नृत्य दिवस के अवसर पर नृत्यम का आयोजन हुआ, जयपुर घराने के प्रख्यात गुरु पं. श्री गिरधारी महाराज और ओडिसी नृत्य के प्रख्यात गुरु श्री गजेंद्र पांडा ने भी प्रस्तुति दी। इसी प्रकार पं. राजेंद्र गंगानी जी के निर्देशन में दिल्ली कथक केंद्र के संयुक्त सहयोग से कथक उत्सव का आयोजन किया। अगस्त, 2018 में पुरातत्व और संग्रहालय विभाग द्वारा आयोजित पूर्णिमा के अवसर पर आमेर महल में प्रदर्शन किया गया। सितंबर, 2018 में राजस्थान संगीत नाटक अकादमी के संयुक्त सहयोग से कथक रस वर्षा का आयोजन किया गया। रणकपुर जवाई बंद उत्सव 2019 में तथा दिसंबर 2018 में राजस्थान पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित कुंभलगढ़ महोत्सव में सफल प्रदर्शन किया।

आप युवा पीढ़ी के लिए क्या संदेश देना चाहेंगी

भोली मुस्कान बिखेरते हुए डॉ. स्वाति ने कहा कि युवा वर्ग को हमारी संस्कृति को कभी नहीं भुलाना चाहिए क्योंकि कथक नृत्य भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग है।

संस्कृति युवा संस्था का राजस्थान गौरव अलंकरण

युवा पीढ़ी को भारतीय संस्कृति से जोड़ें-राज्यपाल

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने प्रबुद्ध जनों और प्रतिभाओं का आह्वान किया है कि वे पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण से युवा पीढ़ी को बचाकर भारतीय संस्कृति से जोड़े रखने के लिए पहल करें। उन्होंने कहा कि युवाओं में राष्ट्रबोध जाग्रत करने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे।

राज्यपाल मिश्र संस्कृति युवा संस्था द्वारा आयोजित राजस्थान गौरव अलंकरण समारोह-2022 में मंगलवार को यहां होटल उनियारा में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संस्कृति वास्तव में समाज के सूक्ष्म संस्कार हैं जो अतीत और भविष्य के बीच सेतु का कार्य करती है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति केवल अपने लिए नहीं बल्कि सभी की कल्याण की सोच रखकर जीवन जीने की प्रेरणा देती है। इसीलिए भारतीय संस्कृति विश्व संस्कृति की जननी कही जाती है। राज्यपाल ने कहा कि प्रतिभा स्वतः स्फूर्त होती है। वह किसी बाधा, कठिनाई से कुंठित नहीं होती और क्षेत्र, समाज और भौगोलिक सीमाओं से परे जाकर अपना स्थान बनाती हैं। उन्होंने राजस्थान गौरव से सम्मानित प्रतिभाओं को बधाई देते हुए कहा कि जिस समाज में प्रतिभाओं का सम्मान होता है, वहां सकारात्मक कार्यों को करने के लिए बड़े स्तर पर वातावरण तैयार होता है।

राज्यपाल मिश्र ने समारोह में भारतीय पुलिस सेवा के वरिष्ठ अधिकारी प्रसन्न कुमार खमेसरा, भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी राजन विशाल, वैभव गालरिया, उदयपुर के पूर्व राजपरिवार के लक्ष्यराज सिंह मेवाड़, साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित कवि एवं साहित्यकार डॉ. राजेश कुमार व्यास, शिक्षाविद् प्रो. ए.के. गहलोत सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान करने वाली विभूतियों को सम्मानित किया। संस्कृति युवा संस्था के अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा ने कहा कि संस्था गत 27 वर्ष से साहित्य, संगीत, कला, व्यवसाय, प्रशासन, पत्रकारिता सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी राजस्थान और देश की प्रतिभाओं को प्रतिवर्ष सम्मानित करने का कार्य कर रही है। संस्था के संरक्षक एच.सी. गणेशिया ने कहा कि आगामी 13 मार्च को संस्था द्वारा जयपुर मैराथन का आयोजन किया जा रहा है। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के अतिरिक्त निदेशक गोविन्द पारीक ने अपने सम्बोधन में संस्था की स्थापना से अब तक के क्रियाकलापों के बारे में जानकारी दी।

प्रश्नोतरी प्रतियोगिता सम्पन्न

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर @ अनिल जैन। नन्ही चींटी जब दाना लेकर चलती है, गिरती सौ बार सौ बार फिसलती है, आखिर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती, कुछ किए बिना यूं ही जय जयकार नहीं होती, कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती। इसी क्रम में जामडोली स्थित ब्रह्मचारी श्री रामानुजाचार्य कन्या विद्यालय में विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में बालिकाओं के मध्य एक विशाल विज्ञान प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। केशव विद्यापीठ द्वारा संचालित इस बालिका विद्यालय के कार्यक्रम में सुनीता मीणा (अध्यक्ष) एवं मुख्य अतिथि सरस्वती मित्तल उपस्थित रही। क्षेत्र में पहली बार विज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 15 टीमों ने भाग लिया। प्रतिस्पर्धा में विज्ञान वर्ग में दीप्ति, अंजली व पूजा तथा कला वर्ग में नेहा, अंजलि, अक्षिता विजेता रही। पारुल और छवि उप विजेता रही। विद्यालय प्रबंध समिति के प्रधानाचार्य संतोष कुमार शर्मा ने बताया कि इस ढाई घंटे की विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतिस्पर्धा में प्रश्नों का निर्माण व्याख्याता ओमेंद्र शेखावत ने किया। बालिकाओं ने प्रश्नों के सटीक उत्तर दिए गए। अध्यक्ष सुनीता मीणा ने बालिकाओं को पुरस्कार प्रदान कर प्रोत्साहित किया तथा मुख्य अतिथि डॉ सरस्वती मित्तल ने बालिकाओं को कलम और तलवार की धार को समान महत्व देने और कलम का सिपाही बने रहने तथा राष्ट्र का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

साथ चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा कच्ची बस्तियों में सर्वे के साथ हो रहा वैक्सीनेशन

जयपुर @ जागरूक जनता। कोरोना प्रभावितों की ऐतिहासिक मदद करने वाले साथ चैरिटेबल ट्रस्ट अब जयपुर की कच्ची बस्तियों एवं अन्य क्षेत्रों में सर्वे कर वैक्सीन नहीं लगवाने वालों को चिन्हित कर समझाईश से वैक्सीन लगवा रहा हैं। ट्रस्ट के राजस्थान हैड नितिन माथुर ने बताया कि वैक्सीनेशन का काम अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन के संयुक्त तत्वावधान तथा राज्य सरकार के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से कर रहे हैं। राजधानी में पिछले दो माह में हजारों लोगों का सर्वे और वैक्सीनेशन किया जा चुका हैं। साथ चैरिटेबल ट्रस्ट की 30 से अधिक व्यक्तियों की यह टीम घर-घर सर्वे कर रही है। ट्रस्ट इसके अलावा बिजनेस जिम करके एक प्रोग्राम और चला रहा है। इस प्रोग्राम के अंतर्गत ट्रस्ट असंगठित क्षेत्र के लघु उद्यमी जैसे ठेला लगा कर, फुटपाथ पे खुद की छोटी दुकान खोल कर अपने परिवार चलाने वाले लोगों के लिए काम कर रहा है। इसके अंतर्गत जयपुर में 500 से ज्यादा लघु उद्यमी साथ के साथ जुड़े हुए है और साथ इन लोगो को इस प्रोग्राम के जरिए उनकी इनकम बड़ाने में उनकी मदद कर रहा है। कोरोना के कारण इन जैसे हजारों लोगों के सामने सबसे ज्यादा रोजी-रोटी का संकट खडा हो गया था। अब साथ इनके साथ मिलकर इन लोगों को दुबारा खड़ा करने में इनकी मदद कर रहा है।

राहुल-प्रियंका के साथ अशोक गहलोत ने की दिल्ली में बैठक

3 राज्यों के उम्मीदवारों की बाड़ेबंदी राजस्थान में तय, तैयारी शुरू

नतीजों से पहले किया जा सकता है शिफ्ट

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। पांच राज्यों (उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा, पंजाब और मणिपुर) के चुनाव नतीजों से पहले कांग्रेस के विधायक उम्मीदवारों की राजस्थान में बाड़ेबंदी हो सकती है। उत्तराखंड, गोवा और पंजाब के विधायक उम्मीदवारों को नतीजों से पहले ही राजस्थान शिफ्ट किया जा सकता है। इसके लिए रविवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत दिल्ली में राहुल गांधी के आवास पहुंचे। यहां अशोक गहलोत की राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और केसी वेणुगोपाल के साथ बैठक हुई है। इस बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी मौजूद थे। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के साथ हुई इस बैठक में 5 राज्यों के चुनावों के बाद की रणनीति पर चर्चा हुई। चुनाव नतीजों से पहले बाड़ेबंदी को लेकर भी विचार-विमर्श हुआ। बाड़ेबंदी का जिम्मा राजस्थान को ही दिया जाएगा। 10 मार्च से पहले ही राजस्थान में तीन से चार राज्यों के विधायक उम्मीदवारों को लाया जा सकता है। राजस्थान में इससे पहले महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश के विधायकों की बाड़ेबंदी हो चुकी है। असम के विधायक

उम्मीदवारों को भी राजस्थान लाया गया था।

चुनाव बाद की रणनीति पर मंथन

मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा- शिष्टाचार मुलाकात हुई है। हमने समय मांगा था मिल गया। 5 राज्यों के चुनाव के बाद आगे की रणनीति पर चर्चा हुई है। पार्टी के संगठन चुनाव और मेंबरशिप ड्राइव पर भी बात हुई। केंद्र की सत्ता में बैठे लोगों का लोकतंत्र में यकीन नहीं है। आगे कांग्रेस ही विपक्ष में झंडा बुलंद कर सकती है। हम सब लोगों की यह ड्यूटी है कि कांग्रेस के लिए क्या योगदान दे सकते हैं।

छग सरकार से कोल माइंस की मंजूरी नहीं मिलने का मुद्दा भी उठा

राहुल गांधी के साथ बैठक में राजस्थान की छत्तीसगढ़ (छग) में आवंटित कोल माइंस को मंजूरी नहीं मिलने के मुद्दे पर भी चर्चा हुई है। राजस्थान की कोल माइंस को केंद्र मंजूरी दे चुकी है। छत्तीसगढ़ सरकार की कई तरह की मंजूरियां नहीं मिलने से राजस्थान के पावर प्लांट्स में कोयला संकट आ रहा है। मंजूरी नहीं मिलने पर संकट गहरा सकता है। अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि छत्तीसगढ़ CM ने इस पर क्या कहा है? गहलोत और बघेल दोनों ही कोल माइंस का सवाल टाल गए।

सौर ऊर्जा क्षेत्र में राजस्थान की एक और बड़ी छलांग

जैसलमेर और बीकानेर में विकसित होंगे 1800 मेगावाट क्षमता के दो सोलर पार्क

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। सौर ऊर्जा क्षेत्र में राजस्थान को एक और बड़ी सफलता मिली है। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस, पेट्रोलियम एवं ऊर्जा डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बताया कि प्रदेश के जैसलमेर एवं बीकानेर में 1800 मेगावाट क्षमता के दो नए सोलर पार्क विकसित किए जाएंगे। अभी 2245 मेगावाट क्षमता का विश्व का सबसे बड़ा सोलर पार्क भी राजस्थान के जोधपुर जिले के भडला में विकसित किए जाने का श्रेय भी राजस्थान को ही है। इसी तरह से अक्षय ऊर्जा निगम द्वारा 925 मेगावाट क्षमता का सोलर पार्क जैसलमेर जिले के नोख में विकसित किया जा रहा है। डॉ.अग्रवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की दूरगामी सोच और 2019 की निवेषोन्मुखी अक्षय ऊर्जा नीति का ही परिणाम है कि प्रदेष में सोलर एनर्जी क्षेत्र में नित नए आयाम स्थापित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री की पहल पर पहले चरण में जैसलमेर में 800 मेगावाट और बीकानेर में एक हजार मेगावाट क्षमता के सोलर पार्क विकसित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इसके लिए केन्द्र सरकार के नवीन व नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय से स्वीकृति प्राप्त हो गई है।

ऊर्जा मंत्री भंवर सिंह भाटी ने बताया कि अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में राजस्थान देश में लगातार ऊंची छलांग लगा रहा है। उन्होंने बताया कि सौर ऊर्जा आधारित पार्कों में तापीय विद्युतगृहों की तुलना में अत्यधिक सस्ती दर पर विद्युत उत्पादन होता है। ऊर्जा मंत्री ने बताया कि ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में राजस्थान देश में अग्रणी प्रदेश बन गया है। इंवेस्ट राजस्थान के दौरान भी प्रदेश में सौर ऊर्जा क्षेत्र में करीब 8 लाख करोड़ रूपये के निवेश के एमओयू एलयूआई पर हस्ताक्षर हुए हैं।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने बताया कि केन्द्र सरकार के नवीन व नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा पहले चरण में जैसलमेर में 800 मेगावाट क्षमता का सोलर पार्क राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम के माध्यम से और बीकानेर में एक हजार मेगावाट क्षमता का सोलर पार्क राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम की सहायक कंपनी राजस्थान सोलर पार्क डवलपमेंट के माध्यम से विकसित करने की स्वीकृति जारी कर दी है। उन्होंने बताया कि इन दोनों पार्कों को केन्द्र सरकार की योजना के मोड 8 के तहत विकसित किया जाएगा। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि प्रदेश में 10560 मेगावाट सौर ऊर्जा क्षमता विकसित की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि इस तरह से 10 गीगावाट सौर ऊर्जा विकसित करने वाला राजस्थान देश का पहला प्रदेश बन चुका है। उन्होंने बताया कि नए पार्कों की स्थापना के साथ ही राज्य में अक्षय ऊर्जा आधारित आधारभूत ढांचा विकसित होने के साथ ही निवेश और रोजगार के नए अवसर विकसित होंगे।

ANCHOR **गहलोत ने सुधारा खान का बजट**

प्रदेश में 18 हजार खान संचालकों की लीज 15 साल बढ़ी

खातेदारी भूमि पर 4 हेक्टेयर की अधिकतम सीमा भी समाप्त

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश की जीडीपी में बड़ी हिस्सेदारी रखने वाले खान विभाग को सीएम अशोक गहलोत ने बजट में तीन बड़े फैसले कर बूस्टर डोज दी है। **पहली घोषणा-** सरकार ने 31 मार्च 2025 तक समाप्त हो रहे प्रधान खनिजों के खनन पट्टों व क्वारी लाइसेंस की अवधि 31 मार्च 2040 तक बढ़ा दी है। **दूसरी घोषणा-** खातेदारी भूमि में प्रधान खनिज खनन पर 4 हेक्टेयर की अधिकतम सीमा समाप्त कर दी गई है। **तीसरी घोषणा-** राज्य सरकार ने खनन पट्टे जारी करने के काम में पर्यावरण मंजूरी की अनिवार्यता को खत्म कर दिया है। यानी अनुमति खनन पट्टे जारी होने के बाद लेनी होगी। इन फैसलों से सरकार को हर साल 200 करोड़ रु. का राजस्व मिलेगा।

पट्टा झटपट:पर्यावरण मंजूरी बाद में लेनी होगी

6,000 खान पट्टा धारक हैं प्रदेश में
12,000 क्वारी लाइसेंस धारक हैं
4,234 करोड़ राजस्व मिला (6 जनवरी तक)

खनन पट्टा तेजी से मिल सके, इसलिए पहले पर्यावरण मंजूरी लेने की अनिवार्यता को खत्म कर दिया गया है। इससे खनन पट्टे जारी करने के काम में समय नहीं लगेगा। हालांकि पर्यावरण मंजूरी का प्रोविजन जरूरी रहेगा।

लीज वृद्धि के लिए प्रीमियम राशि का भुगतान करना होगा

खनन पट्टों व क्वारी लाइसेंस की अवधि 15 वर्ष बढ़ाने से 18 हजार खान संचालकों को फायदा होगा। इनमें करीब 6 हजार खनन पट्टा संचालक हैं, जबकि 12 हजार क्वारी लाइसेंसधारक हैं। हालांकि लीज वृद्धि के लिए खदान संचालकों को एक प्रीमियम राशि का भुगतान करना होगा। केंद्र ने खदान लीज की सीमा का प्रावधान 50 साल किया था। तब से राज्य सरकार के समक्ष मांग थी कि लीजधारकों के लिए अवधि बढ़ाई जाए। अब बजट में यह फैसला होगा। खनन पट्टों व क्वारी लाइसेंस के मामलों में सवा सौ करोड़ का रेवेन्यू प्रति वर्ष मिलने की संभावना है।

खातेदारी जमीन पर कैप घटाने से 70 करोड़ रुपए अतिरिक्त मिलेंगे

प्रदेश में खातेदारी भूमि पर डेढ़ हजार से अधिक मामलों में खनन की स्वीकृति जारी हुई थी। इन डेढ़ हजार में से एक हजार मामले ऐसे थे, जिनके पास 4 हेक्टेयर से अधिक भूमि थी। ऐसे में इन हजार खातेदारों का काम 4 हेक्टेयर सीमा में सिमटकर रह गया था। अब इन्हें फायदा मिलेगा। चार हेक्टेयर की सीमा समाप्त होने से सालाना 60 से 70 करोड़ रु. का रेवेन्यू सालाना बढ़ेगा।

लीज ट्रांसफर में प्रीमियम राशि 10 लाख से 5 लाख

प्रदेश में हजारों खदानें ऐसी हैं, जिनमें काम ना के बराबर है या बंद पड़ा है। दूसरे व्यवसायी ऐसी खदानें चलाना चाहते हैं, लेकिन मुनाफे को लेकर संशय और रेवेन्यू अधिक होने के कारण काम हाथ में नहीं ले रहे। इसलिए सरकार ने लीज ट्रांसफर के मामले में लिए जाने वाली प्रीमियम राशि को 10 लाख से कम कर 5 लाख रु. कर दिया है। इसके अलावा डेड रेंट व लाइसेंस फीस को 10 गुना से घटाकर पांच गुना किया है।

जागरूक खबरें

अशोक कुमार बने भगवा रक्षा दल के युवा मोर्चा प्रदेस उपाध्यक्ष

जयपुर @ जागरूक जनता। भगवा रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा के निर्देशानुसार पर युवा मोर्चा राष्ट्रीय महासचिव गोविन्द ठाकुर ने निवारू निवासी अशोक कुमार को भगवा रक्षा दल मे युवा मोर्चा राजस्थान के प्रदेस उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया। अशोक ने बताया कि वो तन मन धन तीनों से भगवा रक्षा दल के लिए अर्पित है, एव सदैव भगवा रक्षा दल के लिए कार्यरत रहेगे।

चोमू के पत्रकारों ने मुख्यमंत्री के नाम उपखण्ड अधिकारी को सौपा ज्ञापन

चौमूं @ जागरूक जनता। पत्रकार संस्था के सदस्यों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर उपखण्ड कार्यालय में आज कार्यवाहक उपखण्ड अधिकारी हर्षित वर्मा को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में राज्य में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने व डिजिटल मीडिया को मुख्यधारा में शामिल करने सम्बन्धी मांग उठाई। पत्रकारों ने कहा कि आज पत्रकारों द्वारा जनहित के मामले उठाये जाने पर भी माफियाओं द्वारा उनको टारगेट कर झूठे मामलों में फंसाया जा रहा है। कई बार तो माफियाओं द्वारा मारपीट भी कर दी जाती है। ऐसे कई मामले राज्य में हो चुके है। ऐसे में महाराष्ट्र की तर्ज पर राज्य में भी पत्रकार सुरक्षा कानून लागू किया जाना चाहिए। जिससे राज्य के पत्रकार अपने आपको सुरक्षित महसूस कर जनता की आवाज बन सकें । लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ की सुरक्षा सरकार का दायित्व है। पत्रकारों ने बताया कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पत्रकारों के हित में काफी कार्य किए हैं । चाहे पत्रकारों के आवास सम्बन्धी हो या फिर बीमा या अधिस्वीकरण संबंधी। आज डिजिटल मीडिया तेजी से बढ़ रहा है और लाखों लोग इसके माध्यम से अपनी आजीविका चला रहे है। ऐसे में डिजिटल मीडिया को भी मुख्यधारा से जोड़ा जाना चाहिए। इस दौरान पत्रकार दिनेश कुमार कुमावत, संत कैलाश भाई, मनीष यादव, मोहम्मद उस्मान ,भंवर लाल सैनी, सुशील अग्रवाल, मदन लाल सैनी, श्याम सुंदर पाराशर ,राम गोपाल सैनी सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे।

2 साल बाद 9 मार्च से स्कूलों में बनेगा पोषाहार, अब छात्रों को नहीं मिलेंगे राशन किट

राजस्थान के स्कूलों में फिर परोसा जाएगा गर्म खाना

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को 9 मार्च से एक बार फिर गरम खाना परोसा जाएगा। शिक्षा विभाग के प्रमुख शासन पवन कुमार गोयल ने प्रदेश के सभी कलेक्टर को आदेश जारी मिड-डे मील योजना शुरू करने का फैसला लिया है। जिसके तहत प्रदेश के सभी सरकारी स्कूलों में कक्षा पहली से 8वीं तक पढ़ने वाले बच्चों को पका हुआ खाना खिलाया जाएगा। इससे पहले कोरोना संक्रमण की वजह से पिछले 2 साल से छात्रों को पोषाहार बनाना बंद था।

नहीं मिल रहे थे सूखे राशन किट

कोरोना संक्रमण के बाद पिछले 2 साल से सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले जरूरतमंद बच्चों को सूखे राशन के किट वितरित कर रही थी। पिछले कुछ वक्त से सरकारी स्कूलों में सूखे राशन के किट वितरित नहीं किए जा रहे थे। इसके साथ ही कुछ जगहों पर राशन किट बेचने की भी शिकायत मिल रही थी। इसके बाद अब सरकार ने एक बार फिर स्कूलों में ही खाना बनाने के साथ खाना खिलाने की व्यवस्था को फिर से शुरू कर दिया है। जिसके तहत स्कूल के 2 टीचर्स बच्चों को खाना खिलाने से पहले भोजन की गुणवत्ता को खा कर चेक करेंगे। उसके बाद ही स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को भोजन परोसा जाएगा। दरअसल, प्रदेश में कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण की वजह से 14 मार्च 2020 से स्कूलों में पोषाहार नहीं बनाया गया हैं। इस दौरान सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को गेहूं और चांवल की साथ दाल, तेल और मसाले के कोम्बो पैकिट का दिए जा रहे थे। लेकिन कोरोना की पाबंदिया हटाने के बाद अब शिक्षा विभाग ने एक बार फिर प्रदेश के स्कूलों में पोषाहार बनाने का फैसला किया है। अतिरिक्त मुख्य सचिव पवन कुमार गोयल ने 9 मार्च से प्रदेश के सभी सरकारी स्कूलों में गर्म भोजन पकाने के आदेश जारी किए हैं। दो साल बाद सरकार के इस निर्णय से सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को इंटरवेल में गर्म भोजन मिल सकेगा। बता दें कि राजस्थान में 66 हजार 313 सरकारी स्कूलों और मदरसों के कक्षा एक से आठ तक के बच्चों को मिड डे मील दिया जाता है। सामान्य दिनों में इन बच्चों को मिड डे मील के रूप में चपाती, दाल, सब्जी, खिचडी और चावल दिए जाते है। कोरोना संक्रमण की वजह से 15 मार्च के बाद से ही स्कूल बंद गर्म खाना नहीं परोसा जा रहा था। इस दौरान सरकार पिछले 2 साल से कक्षा एक से पांच तक के बच्चों को सौ ग्राम प्रतिदिन के हिसाब से 9 किलो 400 ग्राम गेहूं और चावल दें रही थी। जबकि कक्षा छह से आठ तक के बच्चों को 150 ग्राम प्रतिदिन के हिसाब से 14 किलो 100 गेहूं और चावल दिया जा रहा था। जिसमें करीब 60 प्रतिशत गेहूं और 40 प्रतिशत चावल दिया जाता था।

बोर्ड निगमों में 3 अध्यक्ष, 67 मेंबर बनाए

पायलट समर्थक विधायक सुरेश मोदी और जीआर खटाणा को राजनीतिक नियुक्ति, अर्चना शर्मा समाज कल्याण बोर्ड अध्यक्ष

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 18 दिन बाद फिर बड़े पैमाने पर राजनीतिक नियुक्तियां की हैं। तीन नेताओं को बोर्ड निगमों में अध्यक्ष और 4 को उपाध्यक्ष बनाया है, जबकि 67 नेताओं को सदस्य बनाया है। सचिन पायलट समर्थक दो विधायकों को भी अध्यक्ष पद पर नियुक्ति दी गई है। पायलट समर्थक विधायक सुरेश मोदी को राजस्थान व्यापार कल्याण बोर्ड और गजराज खटाणा को भवन संनिर्माण राज्य स्तरीय सलाहकार समिति का अध्यक्ष बनाया है। कांग्रेस प्रवक्ता रहीं अर्चना शर्मा को राजस्थान समाज कल्याण बोर्ड का अध्यक्ष बनाया है। कांग्रेस नेता सुचित्रा आर्य को राजस्थान स्टेट एग्रो इंडस्ट्रियल डवलपमेंट बोर्ड में उपाध्यक्ष, पूर्व विधायक दर्शन सिंह गुर्जर को राजस्थान पिछड़ा वर्ग वित्त् एवं विकास निगम में उपाध्यक्ष और अवधेश दीवाकर बैरवा को राजस्थान एससी वित्त आयोग में उपाध्यक्ष पद पर नियुक्ति दी गई है। राज्य महिला आयोग में तीन सदस्यों की नियुक्ति की है। गहलोत सरकार ने इससे पहले 10 फरवरी को 44 बोर्ड, निगमों में 58 कांग्रेस नेताओं को अध्यक्ष और उपाध्यक्ष बनाया था। अब 18 दिन बाद 74 नेताओं को फिर राजनीतिक नियुक्तियां की हैं।

प्राकट्योत्सव
हजारों श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

कृष्णदास कंचन महाराज की मूर्ति का अनावरण

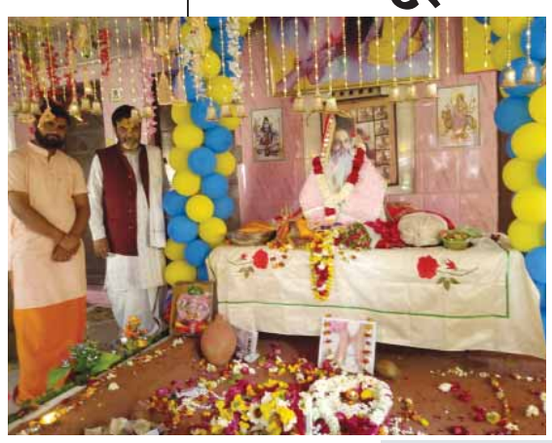

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

आन्योर (गोवर्धन)। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रीश्री 1008 श्रीकृष्णदास कंचन महाराज का प्राकट्योत्सव मनाया गया। गोवर्धन परिक्रमा मार्ग स्थित कंचन धाम में रिटायर्ड पुलिस अधिकारी श्रीप्रकाश यादव की अगुवाई में मनाए गए प्राकट्योत्सव में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ देवलोकवासी श्रीकृष्णदास कंचन महाराज की प्रतिमा प्रतिमा का अनावरण किया गया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश एवं राजस्थान के विभिन्न स्थानों से श्रद्धालुओं ने पहुंचकर महाराजश्री के श्रीचरणों में ढोक लगाई। उत्सव में भंडारे का भी आयोजन किया गया जिसमें आसपास के क्षेत्र से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पंगत प्रसादी ग्रहण की। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी, जगदीश शर्मा, रामकिशन शर्मा, के.पी. सिंह, संजय वर्मा, कश्मीर यादव, डॉ. नरेन्द्र यादव, ओमप्रकाश अग्रवाल, प्रमोद शर्मा एडवोकेट एवं अशोक मुखिया सहित बड़ी संख्या में भक्तजन मौजूद रहे। इसी प्रकार बूंदी (खटकड़) के पास स्थित कंचनधाम में भी हर्षोल्लास के साथ महाराजश्री का प्राकट्योत्सव मनाया गया जिसमें महाराजश्री की गद्दी पर चरण पूजन किया गया। इस अवसर पर भंडारा आयोजित किया गया जिसमें दोपहर 12 बजे से रात्रि 9 बजे तक बड़ी संख्या में आसपास एवं दूरदराज से आने वाले श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। कार्यक्रम में पुरुषोत्तम खंडेलवाल, राजेश तांबी, पवन कक्कड़, देवेन्द्र शर्मा, द्वारिका शर्मा, दिनेश शर्मा सहित कानपुर से आए श्रद्धालुओं के अतिरिक्त मातृशक्ति ने अपनी सेवाएं दी।

अखंड ज्योति बनी चर्चा का विषय

खटकड़ स्थित कंचन धाम में महाराजश्री की गद्दी पर अखंड ज्योति पिछले तीन वर्ष से यानि महाराजश्री के देवलोक गमन के बाद से ही प्रज्ज्वलित है। मगर इस वर्ष एक और अखंड ज्योति जला दी गई। हुआ यूं कि महाराजश्री के पुराने एवं खास शिष्य पवन शर्मा काफी दिनों बाद कंचनधाम पहुंचे और उनके साथ एक भद्र पुरुष भी थे जो सीधे महाराजश्री के कक्ष में गए और व्यवस्था से जुड़े कुछ लोगों को मंत्रणा के लिए अन्दर बुलाया। उसके बाद हाथ में ज्योति रखकर दरवाजे पर खड़े हो गए और लोगों ने ज्योति को सिर से लगाया। लोगों को बताया गया कि अब से ये अखंड ज्योति जलेगी और इस ज्योति को भक्तजन घर-घर लेकर जाएंगे और सत्संग करेंगे। सोचने वाली बात यह है कि इस तरह तो कोई भी दर्शनार्थी आश्रम में आएगा और सिर हिला कर पाखंड लीला करने लग जाएगा। पूछने पर बोलेगा कि मुझ में महाराज आ रहे हैं। जब पहले से ही अखंड ज्योति जल रही है तो दूसरी ज्योति का, वो भी बिना किसी पूजा, हवन के क्या औचित्य है। लोगों में चर्चा थी कि ये इच्छाधारी ज्योति वाले वही डाक्टर हैं, जिन्होंने महाराजश्री का बीमार होने पर संतोकबा दुर्लभजी अस्पताल में लंबे समय तक इलाज किया था।

मीरा स्मृति संस्थान कार्यकारिणी के चुनाव सम्पन्न

समदानी पुन: अध्यक्ष निर्वाचित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। मीरा स्मृति संस्थान, चित्तौड़गढ़ की कार्यकारिणी का निर्विरोध निर्वाचन संस्थान के निम्बाहेड़ा रोड़ स्थित कार्यालय में सम्पन्न हुआ। जिसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद पर सत्यनारायण समदानी, उपाध्यक्ष डॉ. ए.एल. जैन, अनिल शिशोदिया, सचिव सीए अर्जुन मूंदड़ा, संयुक्त सचिव ओमप्रकाश औदिच्य, सुनिल ढीलीवाल, कोषाध्यक्ष विनायक द्विवेदी के साथ ही कार्यकारिणी सदस्य के रूप में लक्ष्मीनारायण दशोरा, कर्नल रणधीरसिंह, राजेन्द्र सिंह भाटी, जयप्रकाश भटनागर, अरविन्द पुरोहित, राकेश मंत्री, प्रदीप दीक्षित निर्वाचित हुए। निर्विरोध निर्वाचन के पश्चात् सभी निर्वाचित पदाधिकारियों को निर्वाचन अधिकारी प्रो. सी.एम. रांका द्वारा पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। संस्थान अध्यक्ष समदानी ने विगत ढाई वर्ष के कोरोना काल में बाधित रही गतिविधियों को पुनः नये संकल्प के साथ प्रारंभ करने का दृढ़ मत प्रकट किया। उन्होंने आगामी वर्षो मं संस्थान परिसर को मीरा स्मारक के रूप में विस्तृत योजना बनाकर सौंदर्यकरण, मीरा की मूर्ति की स्थापना, कला दीर्घा बनाने आदि आदि भावी विस्तार की योजनाओं एवं इस दिशा में अब तक हुए प्रयास के बारे में अवगत कराया।

उपाध्यक्ष अनिल शिशोदिया ने मीरा की मूर्ति स्थापित करने हेतु उनका व परिवार को पूर्ण सहयोग देने की बात कही। मीरा स्मृति संस्थान के पूर्व अध्यक्ष एवं संरक्षक एडवोकेट भंवरलाल शिशोदिया के निधन पर उपस्थित पदाधिकारियों ने दो मिनिट का मौन रख कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके पश्चात् सधन्यवाद संस्थान की साधारण सभा की कार्यवाही समाप्त हुई।

आचार्य श्याम सुन्दर का सम्मान

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मथुरा से पधारे आचार्य श्याम सुन्दर चतुर्वेदी का आई एल स्थित शिव मंदिर में माल्यार्पण कर सम्मानित किया। इस अवसर पर आईएल निर्माण एवं प्रबंध समिति के संरक्षक सुरेन्द्र शर्मा, बुधराज लोहिया, शिवकुमार, ताराचंद, मनोहर खंडेलवाल, शिवचरण मथुरिया, शुभकरण माहेश्वरी, भीमसिंह, चंदरसिंह सहित समिति के सदस्यगण उपस्थित रहे। आईएल मंदिर के मुख्य महंत मनोज तिवारी ने आचार्य के सम्मान में श्रीफल भेंट किया। उल्लेखनीय है कि आचार्य श्याम सुन्दर कंचनधाम के साथ भी लंबे समय से जुड़े हुए हैं।

प्राकृतिक आहार चिकित्सा सेमिनार सम्पन्न

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुरलीपुरा स्कीम स्थित संत मेहरदास सत्संग भवन में प्राकृतिक आहार चिकित्सा सेमिनार का आयोजन किया गया जिसमें गायत्री परिवार, पूज्यसिंधी पंचायत संस्था मुरलीपुरा, भारत विकास परिषद शाखा मुरलीपुरा के सदस्यगण उपस्थित रहे। समाजसेवी नगेन्द्र वशिष्ठ ने बताया कि कार्यशाला के प्रमुख वक्ता अतुलभाई शाह (ओजस जीवन शैली विशेषज्ञ मुंबई ने बिना दवाई, बिना आपरेशन, बिना खर्च, बिना साइड इफेक्ट और बिना कसरत के शरीर को रोग मुक्त रहने के टिप्स बताए। इस अवसर पर अतुल भाई का शॉल, दुपट्टा एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में लोकचंद हरिरामानी, छबलदास नवलानी, बीना पारीक, रामराय, ममता शर्मा, गणपतलाल, प्रहलात शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

गरीब को नहीं मिल रहा जैनेरिक दवा का फायदा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जैनेरिक दवा भारत जैसे देश के गरीब लोगों को ध्यान में रखकर बाजार में उतारी गई थी, जिसका उत्पादन प्रत्येक छोटी-बड़ी कम्पनी कर रही है और इसकी उपलब्धता आज हर दवा की दुकान पर है। जैनेरिक और ब्रांडेड दवा की एमआरपी (यानि अधिकतम खुदरा कीमत) में कोई अन्तर नहीं होता है, जबकि इनकी दवा दुकानदार की खरीद कीमत में बहुत बड़ा अन्तर है। जैनेरिक और ब्रांडेड दवा खरीद में लगभग चार गुना अन्तर आता है। इस अन्तर का लाभ ग्राहक को मिलना चाहिए। लेकिन दवा दुकानदार जैनेरिक को एमआरपी पर ही बेचता है जो कि गरीब हित में अनुचित है। सरकार या तो जैनेरिक दवा की एमआरपी को कम करके बाजार में लाए अन्यथा इसे बन्द करे, क्योंकि इसका लाभ गरीब को नहीं बल्कि दवा दुकानदार को ही मिल रहा है जिससे इसका उद्देश्य ही समाप्त हो जाता है।

-मुकेश भारद्वाज

विशेष शिविर में ऋण आवेदकों को सौंपे चेक

50 हज़ार रु. का ब्याज मुक्त ऋण दिया

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। नगर परिषद के सभागार में इन्दिरा गांधी शहरी क्रेडिट कार्ड योजना के अन्तर्गत विशेष शिविर का आयोजन आयुक्त रिंकल गुप्ता के सानिध्य में किया । जिसमें इन्दिरा गांधी शहरी क्रेडिट कार्ड योजना के अन्तर्गत शहरी क्षेत्र में निवास करनें वाले स्ट्रीट वेंडर्स,औपचारिक क्षेत्र में सेवाएं उपलब्ध करवाने वाले लोग जिसमें हैयर ड्रेसर्स, रिक्शावाला, कुम्हार, खाती, मोची, मिस्त्री,धोबी, रंग-पेंट करवाने वाले, नल - बिजली मरम्मत करनें वाले इत्यादी एवं बेरोजगार युवाओं को बैंको के माध्यम से 50 हजार रूपये तक का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध करवाने के लिए शिविर का आयोजन किये जा रहे है। सभापति संदीप शर्मा ने बताया कि भारतीय स्टेट बैंक द्वारा सोमवार को 15 लाभार्थियों को 7.50 लाख रूपये के ऋण वितरित किया गया। अभी तक कुल 65 लाभार्थियों को 32.50 लाख रूपये के ऋण वितरण किये जा चुके है। शिविर के दौरान जिला प्रबंधक कमल किशोर मोड,भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य प्रबंधक महेन्द्र कुमार जैन,अजय कुमार पंचोली,सामुदायिक संगठक गोपाल लाल शर्मा,मधु अजमेरा उपस्थित रहे।

बाजारों में नगरपरिषद की कार्यवाही

120 किलो पॉलीथिन ज़ब्त, 10 हज़ार रुपये जुर्माना वसूला

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। नगर परिषद के अतिक्रमण दस्ते ने शहर के विभिन्न स्थानों में कार्यवाही करते हुए 120 किलो पॉलीथिन जब्त की तथा 10 हज़ार 200 रुपये का जुर्माना वसूल किया गया। उक्त कार्यवाही के दौरान नगरपरिषद आरओ करणी सिंह सौदा,सहायक अभियंता सतीश चौहान, वरिष्ठ सहायक कमलेन्द्र प्रताप सिंह, सफाई निरीक्षक विश्वजीत घारू उपस्थित थे।

शिव की पूजा आराधना कर झूमे दिव्यांग

उदयपुर @ जागरूक जनता। नारायण सेवा संस्थान में मंगलवार को महाशिवरात्रि के पर्व पर देशभर से आये दिव्यांग रोगियों ने भोलेनाथ की पूजा आराधना की और भोग धराया। भजन कीर्तन करते हुए परिजन और रोगी झूम उठे। उपस्थित समस्त रोगियों और उनके साथ वालों को निदेशक वंदना अग्रवाल ने प्रसाद वितरित करते उनके जल्द स्वास्थ्य की कामना की।

ANCHOR **राजनीतिक नियुक्तियों पर पायलट समर्थक नाराज**

चेयरमैन के दावेदार कई नेता सिर्फ मेंबर बनाए गए

अब पद नहीं संभालेंगे, 2 ने पद ठुकराए

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। विधानसभा चुनाव से करीब डेढ़ साल पहले की गई राजनीतिक नियुक्तियों के बाद कांग्रेस में असंतोष सामने आने लगा है। राजनीतिक नियुक्तियों में सचिन पायलट समर्थक और चेयरमैन के दावेदार कई नेता मेंबर बनाए जाने से नाराज हैं। पायलट समर्थक सुशील आसोपा और राजेश चौधरी ने मेंबर का पद ठुकरा दिया है। दोनों नेताओं ने सार्वजनिक रूप से बयान जारी कर पद लेने से इनकार कर दिया है। चार से पांच नेता और नाराज हैं। माना जा रहा है कि वे भी पद नहीं संभालेंगे। राजस्थान धरोहर संरक्षण एवं प्रोन्नति प्राधिकरण सदस्य करणसिंह उचियारड़ा और व्यापार कल्याण बोर्ड सदस्य ज्योति खंडेलवाल, बंजर भूमि विकास बोर्ड सदस्य पूर्व विधायक घनश्याम मेहर भी नाराज हैं। ये तीनों पद नहीं संभालेंगे। ज्योति खंडेलवाल जयपुर की पूर्व मेयर रही हैं। जयपुर शहर सीट से लोकसभा का चुनाव लड़ चुकी हैं। ऐसे में केवल मेंबर बनाए जाने से ज्योति खंडेलवाल नाराज हैं। फिलहाल ज्यादातर पायलट समर्थक खुलकर नहीं बोल रहे हैं। आगे असंतोष और गहरा सकता है।

सुशील आसोपा बोले-यह नियुक्ति मंजूर नहीं, पद लेने कांग्रेस में नहीं आया

बंजर भूमि विकास बोर्ड सदस्य बनाए गए सुशील आसोपा ने रात को ही ट्वीट करके नाराजगी जाहिर की। आज आसोपा ने कहा- मुझे दी गई राजनीतिक नियुक्ति को अस्वीकार करता हूं, क्योंकि मेरी सहमति नहीं ली गई। मैं 42 महीने पहले सरकारी नौकरी छोड़कर पदों के लिए कांग्रेस में नहीं आया,जीवन भर निःस्वार्थ सेवा करता रहूंगा।

पूर्व विधायक घनश्याम मेहर नाराज

टोडाभीम से पूर्व विधायक रहे घनश्याम मेहर भी बंजर भूमि विकास बोर्ड में जूनियर नेता के अंडर मेंबर बनाने पर नाराज हैं। मेहर पिछली बार टोडाभीम से विधायक थे, तब कांग्रेस के केवल 21 विधायक ही जीते थे। मोदी लहर में जीतने वाले मेहर भी मेंबर पद ठुकरा सकते हैं।

हाल की नियुक्तियों में करीब 20 पायलट समर्थक

कल की गई 74 राजनीतिक नियुक्तियों में से करीब 20 सचिन पायलट समर्थकों को जगह दी है, लेकिन अध्यक्ष पद पर केवल दो ही हैं। बहुत से पायलट समर्थक नेता बोर्ड, निगमों में अध्यक्ष पद के दावेदार थे, उन्हें मेंबर बनाया गया है। केवल मेंबर बनाए जाने को ही नाराजगी का बड़ा कारण माना जा रहा है। 10 फरवरी को की गई नियुक्तियों में भी पायलट समर्थक अध्यक्ष कम थे।

बोर्ड निगमों में ये पायलट समर्थक बने मेंबर

पशुधन विकास बोर्ड सदस्य कुंदन यादव,वरिष्ठ नागरिक बोर्ड सदस्य आत्माराम गोयल, बंजर भूमि एवं चारागाह विकास बोर्ड सदस्य घनश्याम मेहर,गोवर्धन सिंह चौहान, सुशील आसोपा, पुनीत जांगु, एग्रो इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट बोर्ड सदस्य प्रेम पाटीदार, राजस्थान धरोहर संरक्षण एवं प्रोन्नति प्राधिकरण सदस्य करणसिंह उचियारड़ा,स्पोर्ट्स काउंसिल सदस्य आजाद सिंह राठौड़, हरीश यादव, अभिमन्यू पूनियां, राजस्थान खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड सदस्य अजीत यादव,राजस्थान राज्य समाज कल्याण बोर्ड सदस्य चयनिका उनियाल, बीसूका समिति सदस्य राजेश चौधरी, मदरसा बोर्ड सदस्य सईद सउदी।

कई गहलोत समर्थक भी खुश नहीं, लेकिन सियासी मजबूरी से चुप

राजनीतिक नियुक्तियों में कई गहलोत समर्थक भी खुश नहीं हैं। गहलोत समर्थक खुलकर सामने नहीं आ रहे हैं। समाज कल्याण बोर्ड उपाध्यक्ष बनाई गई मीनाक्षी चंद्रावत के साथ भी सीनियरिटी का इश्यू है। मीनाक्षी चंद्रावत विधायक रह चुकी हैं और एनएसयूआई प्रदेशाध्यक्ष भी रही हैं। समाज कल्याण बोर्ड अध्यक्ष बनाई गई अर्चना शर्मा पार्टी में तो कई पदों पर रह हैं, लेकिन विधायक नहीं रही हैं। चंद्रावत ने नाराजगी जाहिर नहीं की लेकिन पार्टी में कई लोग सीनियरिटी का सवाल उठा रहे हैं। हालांकि खुद मीनाक्षी चंद्रावत ने नियुक्ति पर खुशी जाहिर की है। इसी तरह खादी ग्रामोद्योग बोर्ड में सदस्य बनाए गए कांग्रेस नेता अरुण कुमावत भी खुश नहीं है। कई गहलोत समर्थक मेंबर बनाने पर आहत तो हैं, लेकिन सियासी मजबूरी के कारण चुप हैं।

जागरूक खबरें

ऑनलाइन 'वक्त सशक्त साहित्यिक महोत्सव' आयोजित

लुधियाना @ जागरूक जनता। पुनीत अनुपम साहित्यिक समूह द्वारा वक्त के महत्व तथा उपयोगिता को दर्शाने के उद्देश्य से ऑनलाइन वक्त सशक्त साहित्यिक महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसका विषय 'वक्त का महत्व' रखा गया। इस महोत्सव में देश के अलग-अलग राज्यों के रचनाकारों ने भाग लिया, जिन्होंने एक से बढ़कर एक वक्त के महत्व तथा उपयोगिता पर आधारित अपनी रचनाओं को प्रस्तुत कर महोत्सव की शोभा में चार चाँद लगा दिए। इस महोत्सव में सम्मिलित सभी प्रतिभागी रचनाकार शख्सियतों को ऑनलाइन 'पुनीत साहित्य सुधा' सम्मान देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समूह के संस्थापक एवं अध्यक्ष पुनीत कुमार ने महोत्सव में प्रस्तुत की गई रचनाओं पर अपनी महत्वपूर्ण प्रतिक्रिया देकर रचनाकारों का मार्गदर्शन तथा उत्साहवर्धन किया एवं सम्मानित होने वाले रचनाकारों को बधाई व शुभकामनाएं दी और वक्त की उपयोगिता का वर्णन करते हुए कहा कि मनुष्य के जीवन में वक्त बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में वक्त की अहमियत को समझते हुए प्रत्येक काम सही वक्त पर कर लेना चाहिए ताकि उन्हें सफलता सुगमता से प्राप्त हो सके। इसके साथ ही उन्होंने समूह द्वारा आयोजित होने वाले विभिन्न ऑनलाइन साहित्यिक कार्यक्र मों में सम्मिलित होने के लिए हिंदी रचनाकारों को सादर आमंत्रित भी किया। इस महोत्सव में उत्कृष्ट रचना प्रस्तुत करके समूह की शोभा बढ़ाने वालों में प्रमुख नाम चंचलिका शर्मा, डॉ. ऋतु नागर, कुसुम अशोक सुराणा, चंचल जैन, सावित्री मिश्रा, सुनीता सोलंकी 'मीना', रेखा रतनानी, निरुपमा बिस्सा, स्मिता सिंह चौहान, मीता लुनिवाल रचनाकारों के रहे।

समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री से मिले जन प्रतिनिधि

सरनाऊ @ जागरूक जनता। पंचायत समिति के प्रधान प्रतिनिधि ओम प्रकाश एवं जिला परिषद सदस्य प्रवीण बिश्नोई ने जयपुर में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मुलाकात कर उनके समक्ष कई समस्याएं रखी। उन्होंने पंचायत समिति मुख्यालय पर उप तहसील,पुलिस थाना,पशु चिकित्सालय निर्माण करवाने सहित क्षेत्र की विभिन्न गांव में स्कूल एवं स्वास्थ्य केंद्रों को क्रमोन्नत संबंधित कई विकास कार्यों के मांगों को रखा है। प्रधान प्रतिनिधि ओमप्रकाश बिश्नोई एवं जिला परिषद सदस्य प्रवीण बिश्नोई ने इन मांगों से संबंधित एक मांगपत्र मुख्यमंत्री को सौंपा। मुख्यमंत्री ने सरनाऊ पंचायत समिति क्षेत्र की विभिन्न मांगों विचार कर उन्हें पूरा करने का आश्वासन दिया है। इस मौके पर युवा कांग्रेस अध्यक्ष रमेश सारण एवं एन यू एस आई महासचिव कमलेश बिश्नोई उपस्थित रहे।

ऑल इण्डिया एसबीआई फेडरेशन ने किया नारायण संस्थान का विजिट

उदयपुर @ जागरूक जनता। ऑल इण्डिया स्टेट बैंक ऑलफिसर फेडरेशन के अध्यक्ष दीपक शर्मा, जनरल सेक्रेटरी सौम्या दत्ता एवं फेडरेशन एसोसिएशन जयपुर सर्कल के अध्यक्ष रामावतार सिंह जाखड़ व जनरल सक्रेटरी विनय भल्ला सहित 78 बैंक ऑफिसर ने नारायण सेवा संस्थान के स्मार्ट विलेज, सेवा महातीर्थ बडी परिसर का सेवाभाव से अवलोकन किया। फेडरेशन के अध्यक्ष शर्मा ने कहा संस्थान के सेवाओं के बारे में जितना सुना था उससे कहीं अधिक देखने को मिला है। संस्थान अध्यक्ष प्रशान्त अग्रवाल ने बताया कि दिव्यांग, निर्धन, मूक-बधिर, प्रज्ञा-चक्षु और अनाथ बच्चों के सेवा प्रकल्पों से प्रभावित होकर एसबीआई फेडरेशन ने 26 बच्चों की शल्य चिकित्सार्थ सहयोग राशि भेंट की। नारायण चिल्ड्रन एकेडमी के बच्चों ने बैंक कर्मियों को गुलदस्ते देकर सत्कार किया वहीं अभिनन्दन लेखा शाखा प्रमुख जितेन्द्र गौड़ व अम्बालाल क्षौत्रिय ने स्मृति चिन्ह, मेवाड़ी पगड़ी और दुप्पटा पहनाकर किया। योजना प्रभारी दल्लाराम पटेल और राकेश शर्मा ने अतिथियों को संस्थान के 37 वर्ष के सेवा सफर की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन महिम जैन ने तथा आभार प्रदर्शन भगवान प्रसाद गौड़ ने किया।

रांगी भाई द्वारिका रवाना

भीनमाल @ जागरूक जनता। खारी रोड़ स्थानीय मेघवालो के मोहले से रांगी भाईपा के युवा सोमवार तड़के को द्वारिका रवाना हुए जिसमें हरचंद रांगी, तिलोक रांगी, जोगाराम रांगी, जीतू, गोपीलाल, गणपत, लीलाराम, रमेश, रमेश एन, बुधाराम, कपूर, हर्षराज, सहित सभी रांगी भाई द्वारिकाधीश के दर्शन के लिए रवाना हुए। आप को बता दें कि तीन चार दिन में द्वारिकाधीश के दर्शन कर भीनमाल लौटेंगे जिस दौरान रांगी परिवार की ओर से सम्मान किया जायेगा।

पर्वो पर कानून व्यवस्था के लिए कार्यपालक मजिस्ट्रेट नियुक्त

जालोर @ जागरूक जनता। जिले में 17 व 18 मार्च को होलिका दहन व धूलण्डी के पावन पर्वों पर जिले में कानून व्यवस्था एवं लोक शान्ति बनाये रखने के लिए उपखंड मजिस्ट्रेटों को कार्यपालक एवं तहसीलदारों को सहायक कार्यपालक मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है। सम्पूर्ण जिले में कानून व्यवस्था के प्रभारी अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट होंगे। आदेशानुसार जिले के जालोर, सायला, आहोर, बागोड़ा, भीनमाल, जसवंतपुरा, रानीवाड़ा, सांचौर एवं चितलवाना उपखंड के लिए संबंधित उपखंड मजिस्ट्रेट् कार्यपालक एवं तहसीलदार सहायक कार्यपालक मजिस्ट्रेट होंगे। उक्त मजिस्ट्रेट् अपने सम्पूर्ण क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाये रखने एवं कोविड-19 के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए भारत एवं राज्य सरकार तथा अन्य प्राधिकारी द्वारा जारी निर्देशों व एडवाईजरी की पूर्ण पालना के लिए जिम्मेदार होंगे तथा कोई भी कार्यपालक व सहायक कार्यपालक मजिस्ट्रेट उक्त पर्वों पर अपना कार्यक्षेत्र नहीं छोड़ेंगे तथा अवकाश पर नहीं जायेंगे। वे अपने-अपने क्षेत्र में कानून व्यवस्था आदि के बारे में पुलिस अधिकारियों से विचार-विमर्श कर कानून व्यवस्था एवं लोक-शांति संबंधी सुरक्षात्मक उपाय सुनिश्चित करेंगें। कानून व्यवस्था के प्रभारी जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पदेन अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट जालोर होंगे जिनके मोबाइल नम्बर 9079813103 है।

लाभार्थी के खाते की जगह स्वयं के नम्बर डाले, ईमित्र पर एक्शन कब

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

भीनमाल। निकटवर्ती आलडी ग्राम पंचायत में संचालित ईमित्र संचालक द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मिलने वाली किश्तों में बैंक खातों में हेराफेरी करने का मामला सामने आया है। ई मित्र संचालक ने लाभार्थी के बैंक का खाता न जोड़कर स्वयं का खाता जोड़ 15 हजार रुपए की पहली किस्त उठाई है। आलडी निवासी दाडमीदेवी पत्नी मंगलाराम मेघवाल के वर्ष 2021–22 में प्रशासन गांवों के संग अभियान शिविर के तहत 3 नवंबर 2021 को उसके नाम से प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवेदन स्वीकृत हुआ था। इसमें उसके पति मंगलाराम मेघवाल का एससी वरीयता सूची में प्रथम स्थान था। पीएम आवास की प्रथम किस्त 10 नवंबर 2021 को 15 हजार रुपए जारी हो गई थी। कई महीनों तक इंतजार करने के बाद भी बैंक में किस्त नहीं मिलने पर पंचायत समिति में जाकर इस बारे में पता किया तो जानकारी मिली कि यह ई मित्र संचालक ओटाराम मेघवाल के खाते में जमा हुई है। इसके पश्चात उसने इसकी शिकायत रानीवाडा उपखंड अधिकारी व संपर्क पोर्टल पर की है।

पंचायत की आईडी से की सीडिंग

दरअसल ग्राम पंचायत आलडी की पीएम आवास योजना के लिए आईडी पंचायत सहायक छोगाराम चौधरी के नाम से जारी हो रखी है। बताया जा रहा है कि ई मित्र संचालक ओटाराम ने पंचायत सहायक की आईडी से आधार की सीडिंग की थी।

अधूरा पड़ा निर्माण

आलडी निवासी दाडमी देवी ने बताया कि पीएम आवास योजना के तहत आवेदन स्वीकृत होने के बाद उसने नींव भरने का कार्य शुरू करवाया था, लेकिन प्रथम किश्त ही ई मित्र संचालक के खाते में जाने के बाद अब उसका निर्माण कार्य भी अटका पडा है। वह रोजाना ग्राम पंचायत व पंचायत समिति के चक्कर लगाने को मजबूर है, लेकिन अभी तक इस मामले में कोई कार्रवाई नही हो पाई है।

बिरला सीमेंट लाइमस्टोन माइंस

नि:शुल्क स्वास्थ्य परिक्षण शिविर आयोजित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ। बिरला कारपोरेशन लिमिटेड की बिरला सीमेंट लाइमस्टोन माइंस द्वारा ग्राम पंचायत सेमलपुरा में निःशुल्क एकदिवसीय स्वास्थ्य परीक्षण एवं दवा वितरण शिविर का आयोजन गुरूवार को किया गया। शिविर में एम. पी. बिरला हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेण्टर के अनुभवी डॉ आशीष कुमार एवं डॉ वर्षा चौधरी द्वारा शिविर में आने वाले आसपास के ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण करने के पश्चात उन्हें उसी समय निःशुल्क दवा वितरित कराई गई। शिविर का शुभारम्भ सरपंच देवीलाल धाकड़ तथा बिरला सीमेंट वरिष्ठ पदाधिकारियों की उपस्थिति में किया गया।

कार्यक्रम में बिरला कारपोरेशन लिमिटेड की चदेरिया इकाई के काशी कांत सिंह, विनोद पालीवाल, नरेंद्र मेनारिया, रतिकांत चौधरी एवं एफ़ आर बक्शी का विशेष योगदान रहा। शिविर में लगभग 125 स्थानीय ग्रामीणों ने अनुभवी चिकित्सकों से मेडिसिन, स्वास रोग, चर्म रोग, आँख, नाक, गला सम्बंधित रोगों का निदान प्राप्त किया। एम. पी. बिरला हॉस्पिटल के चिकित्सकों द्वारा आँखों के मोतियाबिंद तथा उच्च रक्त दबाव के कुछ मरीजों को विस्तृत चिकित्सा परामर्श हेतु भी चयनित किया। कार्यक्रम के समापन पर पालीवाल ने बताया कि आने वाले समय में आसपास के क्षेत्रों में और भी शिविरों का आयोजन किया जाना है, जो ग्रामीण आज इस कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हो पाए वह अगले शिविर में लाभ प्राप्त कर सकते है। शिविर के आयोजन के बारें में बिरला सीमेंट वर्क्स के इकाई प्रमुख सुनील सूद ने बताया की हम सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति हमेशा सजक रहते है तथा हमारे माइनिंग प्रोजेक्ट के आसपास के क्षेत्रों में इस प्रकार के शिविरों के आयोजन पहले भी किये जाते रहें हैं तथा आने वाले समय में भी ज्यादा से ज्यादा आयोजित किये जायेंगे। उन्होंने बताया की बिरला सीमेंट वर्क्स सतत विकास में हमेशा अग्रणी रहा है।

महिला रक्तदाताओं के साथ उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाएं होंगी सम्मानित

रक्तदान शिविर के पोस्टर का हुआ विमोचन

जोधपुर। 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला सम्मान समारोह और महिला रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। आयोजक यशोदा चौधरी ने बताया की वंदिता राणा (IPS) DCP WEST द्वारा कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन किया गया एव कार्यक्रम का निमंत्रण दिया। कार्यक्रम माहेश्वरी भवन, पुलिस लाईन रोड़ जोधपुर में सुबह 09 बजे से आयोजित किया जाएगा। विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा और कहा कि रक्त उत्पादन को कोई तकनीक नहीं हैं। आप का किया गया रक्तदान कई लोगों की जिंदगी बचाने में मदद करता है। इससे बढ़ कर सेवा का कोई दूसरा बड़ा कार्य नहीं है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राष्ट्रपति अवार्ड से सम्मानित रूमा देवी , एथलीट पुजा विशनोई, बाल कलाकार छोटु खान सहित कई अतिथि मौजूद रहेंगे। साथ ही एसीपी प्रतापनगर प्रेम धणदे, एसीपी केंद्रीय नीरज शर्मा, साह बासनी पाना चौधरी, साह महिला थाना पूर्व मंजू चौधरी, साह महिला थाना पश्चिम किरण गोदारा, साह प्रतापनगर सदर मुक्ता पारीक को भी कार्यक्रम का निमंत्रण दिया।

पूजा अर्चना के साथ व्यापार मंडल पदाधिकारियों ने ग्रहण किया कार्यभार

श्रीविजयनगर @ जागरूक जनता। स्थानीय धानमंडी स्थित व्यापार मंडल भवन में पूजा अर्चना के बाद व्यापार मंडल के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों की ओर से कार्यभार ग्रहण किया गया व्यापार मंडल मैनेजर अशोक कुमार ने जानकारी देते हुए बताया विधिवत पूजा अर्चना के बाद सभी पदाधिकारियों ने कार्यभार ग्रहण किया।व्यापार मंडल अध्यक्ष देवेंद्र पाल सिंह कामरा उपाध्यक्ष योगेश चुघ, सचिव करण मिड?ढा कोषाध्यक्ष करण छाबड़ा ने व्यापार मंडल भवन में पूजा अर्चना के बाद कार्यभार ग्रहण किया इस मौके पर व्यापार मंडल के पूर्व पदाधिकारी व धान मंडी के गणमान्य व्यापारी मौजूद रहे।

आजादी का अमृत महोत्सव अभियान

350 कृषकों को किया पॉलिसी वितरण

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जालौर। आजादी का अमृत महोत्सव अभियान- भारत/75 आत्म निर्भर भारत महोत्सव के तहत प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत रबी 2021-22 में पॉलिसी वितरण कार्यक्रम मेरी पॉलिसी मेरे हाथ के तहत जिले की समस्त तहसीलों में नौ स्थानों पर पॉलिसी वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें लगभग 350 कृषकों को बीमा पॉलिसी ग्राम पंचायत में उपस्थित जन प्रतिनिधि यथा सरपंच इत्यादि के हाथों वितरण करवाया गया।

कृषि विभाग के उपनिदेशक डॉ आरबी सिंह ने बताया कि जालोर जिले के लेटा ग्राम पंचायत मे सरपंच शांति देवी ने पॉलिसी वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में वर्चुअल तरीके से जालोर विधायक जोगेश्वर गर्ग भी जुड़े। इसी प्रकार आहोर तहसील की ग्राम पंचायत हरजी, सायला तहसील की ग्राम पंचायत पोषाणा, भीनमाल तहसील की ग्राम पंचायत नरता, बागोडा तहसील की ग्राम पंचायत लाखणी, जसवंतपुरा तहसील की ग्राम पंचायत दांतलावास, रानीवाडा तहसील की ग्राम पंचायत आखराड, सांचोर की ग्राम पंचायत गुन्दाउ, चितलवाना तहसील की ग्राम पंचायत चितलवाना में भी पॉलिसी वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि पॉलिसी वितरण कार्यक्रम जिले की 9 ग्राम पंचायतों में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत कृषकों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया जिससे अधिक से अधिक कृषक फसल बीमा योजना से जुडकर मौसम की विपरीत/ विषम परिस्थितियों से फसलों में होने वाले नुकसान का मुआवजा बीमा के माध्यम से प्राप्त कर सके।

उल्लेखनीय है कि जिले में रबी मौसम 2021-22 में 4.8 लाख पॉलिसी प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के पोर्टल पर पंजीकृत हुई है। इन पॉलिसीयों का वितरण बीमा कंपनी द्वारा आगामी दिनों में प्रत्येक ग्राम पंचायत में जाकर कृषकों में वितरण किया जायेगा। उन्होंने अवगत कराया कि खरीफ 2021 में कम बारिश से फसलों के नुकसान होने पर जिले के लगभग 8 लाख बीमा पॉलिसीयों पर मिड सीजन एडवरसीटी तथा फसल कटाई प्रयोग के उपज के आधार पर अब तक लगभग 300 करोड़ रूपये का बीमा क्लेम बीमा कंपनी बजाज आलिआंज जनरल इंश्योरेंश कंपनी द्वारा कृषकों के खाते में भुगतान किया जा चुका है। उन्होंने कृषकों से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में फसल बीमा से जुडकर बीमा का लाभ उठावें।

सर्दी की आहट के साथ हजारों किमी की करते हैं यात्रा

मेहमान रूपी प्रवासी पक्षी अब भरेंगे अपने देश के लिए उड़ान

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

अजमेर। सर्दी की आहट के साथ ही अजमेर की आनासागर झील प्रवासी पक्षियों के कलरव से आबाद हो जाती है। यूरोप सहित विदेशों में अक्टूबर, नवंबर में बर्फ जम जाने के कारण पक्षियों को सबसे बड़ी समस्या भोजन की होती है और ऐसे में हजारों किलोमीटर दूर से उड़ान भरकर ये प्रवासी पक्षी भारत आते है। अब गर्मी की शुरूआत हो चुकी है तो पक्षी भी अपने देश के लिए आने वाले दिनों में लौट जाएंगे। इन पक्षियों का मछली, मेंढ़क, टोड, केकड़ा, घोघा, शंख, सीपी, कांई व छोटे कीडे भोजन है और यहां झील में भोजन के लिए इनको शिकार करते देखा जा सकता है।

जिले में इन प्रवासी पक्षी की होती है आवक

अजमेर की आनासागर व फायसागर झील सहित किशनगढ के गुंदोलाव झील व ब्यावर के बिचडली तालाब में जिले में मुख्यत: हवासील (ग्रेट व्हाइट व डेलमेशियन पेलिकन), किंगफिशर (पाइड), पनडुब्बी (डेवचिक) टिकडी आरी (कूट), सीखपर (पिनटेल), राजहंस (फ्लेमिंगो), बगुला, जल चिडिया (जेकाना पिहूया), सारसक्रेन, टिटहरी, स्टाईल्ड, पेटेड स्टॉर्क (जान्हिल), क्रेन (कूरजां) एवं डोमेसायल क्रेन आदि प्रवासी पक्षी आते है।

पक्षियों की सुविधा के लिए बनाया गया है बर्ड पार्क

अजमेर की ऐतिहासिक आनासागर झील में आने वाले प्रवासी पक्षियों के लिए बर्ड पार्क भी बनाया गया है। स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत वैशाली नगर स्थित सागर विहार कॉलोनी के पीछे 90 लाख रूपए की लागत 26 हजार 400 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में बर्ड पार्क में मिट्टी के सात-आठ प्राकृतिक टीलों का निर्माण किया गया है। बर्ड पार्क में चारों तरफ पांच फीट ऊंचाई की चार दीवारी का निर्माण, इस पर दो फीट रेलिंग लगाई गई है। पार्क का मुख्य द्वार भी तैयार किया गया है। पार्क की कच्ची भूमि पर घास लगाई गई है। ऐसे में यहां का वातावरण भी प्रवासी पक्षियों के अनुकूल है और यहां कलरव करते पक्षी देखे जा सकते है।

मौसम में बदलाव के साथ आते है पक्षी-माथुर

MDSU अजमेर के पर्यावरण विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. प्रवीण माथुर ने बताया कि यहां पक्षी बारिश के बाद सर्दियों में आना प्रारंभ होते है। यह पक्षी पूर्वी यूरोप, साइबेरिया, मंगोलिया, पोलैण्ड सहित अन्य देशों से आते है। झीलों में पक्षियों को भोजन भी आसानी से मिल जाता है। यहां का मौसम भी पक्षियों के लिए अनुकूल है। शिकार की संभावना भी नगण्य है। अक्टूबर से ही मेहमान पक्षी यहां आना शुरू होते हैं और फरवरी के अन्त या मार्च की शुरूआत में जैसे जैसे गर्मी बढ़ती है, इनकी वापसी शुरू होती है।

न्यायाधीश विरेन्द्र कुमार मीणा का जिला कारागृह में निरीक्षण

बंदियां को मिलने वाली सुविधाओं में नहीं रखे कोई कमी-जिला न्यायाधीश

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जालोर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जिला जज सिया रघुनाथदान व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश विरेन्द्र कुमार मीणा ने जिला कारागृह का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने उपस्थित कारापाल को निर्देश दिये कि बंदियों को मिलने वाली सुविधाओं में किसी प्रकार की कमी नहीं रखें तथा नियमानुसार उन्हें सारी सुविधाएँ उपलब्ध करवाई जावें। उन्होंने कहा कि कारागृह में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें तथा जिन बंदियों की पैरवी के लिए अधिवक्ता नियुक्त नहीं है उन बंदियों को निःशुल्क अधिवक्ता उपलब्ध करवाने के लिए नियमानुसार आवेदन पत्र भरवाकर प्रेषित करें। उन्होंने कहा कि बंदियों को उपलब्ध करवाए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता बनाए रखने के साथ ही उन्हें उचित गुणवत्ता वाली वस्तुएं उपलब्ध करवाए। वही प्रत्येक बंदी व स्टाफ को हर समय मास्क का उपयोग करने के लिए पाबंद करें एवं साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जावें। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव विरेन्द्र कुमार मीणा ने निःशुल्क विधिक सहायता के बारे में जानकारी दी।

जागरूक जनता jagrukjanta.com फेसबुक पेज
पढ़े, जुड़े और आगे बढ़े हर खबर से आपको रखें अपडेट जागरूक जनता
www.facebook.com/jagrukjantanews

आजादी का अमृत महोत्सव

जनकल्याणकारी योजनाओं पर मल्टीमीडिया चित्र प्रदर्शनी 2 से

जालौर @ जागरूक जनता। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार के क्षेत्रीय लोक संपर्क ब्यूरो सिरोही द्वारा 'आजादी के अमृत महोत्सव' एवं जनकल्याणकारी योजनाओं पर 2 से 4 मार्च तक प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक राजकीय महिला महाविद्यालय जालोर के सभागार में तीन दिवसीय मल्टीमीडिया चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया जायेगा।

जिला कलक्टर नम्रता वृष्णि ने बताया कि क्षेत्रीय लोक संपर्क ब्यूरो सिरोही द्वारा 2 से 4 मार्च तक प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक राजकीय महिला महाविद्यालय जालोर में ''आजादी का अमृत महोत्सव'' एवं जनकल्याणकारी योजनाओं पर तीन दिवसीय मल्टीमीडिया चित्र प्रदर्शनी एवं प्रतिदिन ज्ञानवर्द्धक मौखिक प्रश्नोत्तरी, फैन्सी ड्रेस, निबंध, पेंटिंग, मेहन्दी इत्यादि प्रतियोगिताएँ आयोजित की जायेगी। मल्टीमीडिया चित्र प्रदर्शनी के माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं एवं आजादी की लड़ाई के गौरवशाली अतीत से आमजन रूबरू होंगे एवं नई पीढ़ी को हमारे स्वतंत्रता सैनानियों के बारे में जानने का अवसर मिलेगा। उन्होंने संबंधित सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया हैं कि वे प्रदर्शनी के सफल आयोजन के लिए क्षेत्रीय लोक संपर्क ब्यूरो सिरोही से समन्वय स्थापित आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें।

नाहर कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष, मनीष छाजेड महामंत्री व सुजान लोढ़ा कोषाध्यक्ष मनोनित

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। महावीर चेतना मंच राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट राजेश मुथा जयपुर ने संरक्षक मंडल सदस्य व पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष नरेंद्र चोरडिया, अशोक श्रीश्रीमाल, व सुरेश डांगी की सहमति से चित्तौड़गढ़ के प्रमुख समाजसेवी रणजीत सिंह नाहर को कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष, सीए सुनील छाजेड को प्रदेश महामंत्री संगठन व सुजान लोढ़ा को प्रदेश कोषाध्यक्ष मनोनित किया हे। मंच के चित्तौड़गढ़ नगर अध्यक्ष राजकमल पोसवलिया, महामंत्री नवीन जैन, प्रदेश महामंत्री नवीन वागरेचा भीलवाड़ा, चंद्रशेखर छाजेड जसोल व निर्मल जैन जयपुर प्रांतीय युवा अध्यक्ष नितेश सेठिया महामंत्री ज्ञानसागर जैन चित्तौड़गढ़ व विमल सुराणा उदयपुर महिला प्रदेश अध्यक्ष डॉ. कमला गोखरू अजमेर व महामंत्री नीता डांगी कोटा सहित पदाधिकारियो ने इनके मनोनयन पर हर्ष व्यक्त किया है। नवमनोनित कार्यकारी अध्यक्ष रणजीत नाहर के अनुसार शीघ्र ही प्रांतीय कार्यकारिणी का पुनर्गठन, जिला शाखाओं का गठन व सदस्यता अभियान से कार्यकर्ताओं को जोड़ा जाकर राज्य में शाकाहार चेतना अभियान व आतंकवाद के बजाय अहिंसा अभियान व्यापक रूप से आयोजित किया जाएगा।

डाक पंजीयन सं. : jaipurcity/105/2021-23 | R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758
/jagrukjanta /jagrukjantanews jagruk_janta

मुख्यमंत्री का यूक्रेन से पौलेंड पहुंचे राजस्थानी विद्यार्थियों से संवाद

हमारा ध्येय हर विद्यार्थी सकुशल वतन लौटे

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार यूक्रेन में फंसे राजस्थान के विद्यार्थियों और अन्य लोगों की सकुशल वापसी के लिए हर संभव मदद कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार फंसे हुए विद्यार्थियों को राहत पहुंचाने के लिए विदेश मंत्रालय, भारतीय दूतावास के साथ-साथ प्रवासी राजस्थानियों का भी सहयोग ले रही है। हमारा ध्येय है कि संकट की इस घड़ी में प्रत्येक भारतीय विद्यार्थी को जल्द से जल्द यूक्रेन से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाए और वे सकुशल अपने वतन लौट सकें।

गहलोत मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से यूक्रेन से पौलेंड पहुंचे राजस्थान के विद्यार्थियों से संवाद कर रहे थे। उन्होंने इन विद्यार्थियों को सुरक्षित पौलेंड लाने तथा मदद पहुंचाने के लिए प्रवासी राजस्थानी उद्यमी अमित लाठ एवं अशोक सेवक रामानी को साधुवाद दिया। उन्होंने कहा कि आप लोगों को नेक काम का अवसर मिला है और मुझे खुशी है कि आप सब इस कार्य में सहयोग कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने इन विद्यार्थियों से यूक्रेन के वर्तमान हालातों तथा बॉर्डर पर फंसे भारतीय विद्यार्थियों के पौलेंड तक पहुंचने में आ रही दिक्कतों के बारे में जानकारी ली। विद्यार्थियों ने बताया कि लाखों लोग यूक्रेन की सीमाओं पर फंसे हुए हैं। बॉर्डर पार करने के लिए उन्हें जान जोखिम में डाल कर लम्बी दूरी पैदल तय करनी पड़ रही है। वे भाग्यशाली हैं जो ऐसी भयानक मानवीय त्रासदी में सुरक्षित निकल कर पौलेंड पहुंच सके। यहां राजस्थान सरकार, भारतीय दूतावास एवं प्रवासी राजस्थानियों के साथ ही पौलेंड की सरकार से जरूरी मदद उपलब्ध हो पा रही है। उन्होंने बताया कि अभी भी बड़ी संख्या में विद्यार्थी यूक्रेन में फंसे हुए हैं।

गहलोत ने विद्यार्थियों से कहा कि वे यूक्रेन में अभी तक फंसे अपने भारतीय विद्यार्थी मित्रों से बातचीत कर उन्हें हौंसला देते रहें तथा उन्हें पौलेंड या अन्य सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने के लिए जरूरी मार्गदर्शन उपलब्ध कराएं। उन्होंने अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि वे पौलेंड स्थित भारतीय दूतावास एवं प्रवासी भारतीयों के निरंतर संपर्क में रह कर विद्यार्थियों की सकुशल वापसी के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। राज्य सरकार इसमें वित्तीय सहायता सहित अन्य किसी भी तरह की मदद में कोई कमी नहीं आने देगी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने शिवांगी शर्मा, हरिओम मीणा, आदित्य सहित अन्य विद्यार्थियों से बातचीत कर उन्हें भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार विपत्ति के इस समय में उनकी सुरक्षा को लेकर गम्भीर है। हमारा प्रयास है कि विद्यार्थियों तक जल्द राहत पहुंचे और वे सकुशल घर लौट सकें। मुख्य सचिव ऊषा शर्मा ने भी विद्यार्थियों से बातचीत कर उन्हें मदद के लिए आश्वस्त किया। राजस्थान फाउण्डेशन के आयुक्त धीरज श्रीवास्तव ने बताया कि पौलेंड में प्रवासी राजस्थानियों के माध्यम से यूक्रेन में फंसे लोगों को राहत पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उनकी मदद के लिए राज्य सरकार ने हैल्प लाइन नम्बर जारी करने के साथ ही राज्य सरकार के अधिकारिक पोर्टल पर लिंक भी उपलब्ध कराया है। इस अवसर पर प्रमुख आवासीय आयुक्त शुभ्रा सिंह, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह अभय कुमार, प्रमुख शासन सचिव सूचना प्रौद्योगिकी आलोक गुप्ता एवं प्रमुख सचिव उद्योग टी. रविकांत सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

रीट को लेकर चीफ जस्टिस का बड़ा बयान

कहा- जब तक बेरोजगारी का मसला हल नहीं होगा पेपर लीक होते रहेंगे, चाहे मृत्युदंड का प्रावधान हो जाए

जोधपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस अकील कुरैशी ने कहा- जब तक बेरोजगारी का मसला हल नहीं होगा, तब तक REET जैसे पेपर लीक होते रहेंगे। चाहे सजा में मृत्युदंड का ही प्रावधान क्यों न कर दिया जाए। आज के इस प्रतिस्पर्धा के दौर में सरकार को रोजगार और आजीविका के नए विकल्प ढूंढने होंगे।

कोर्ट का मामला था, बोलना उचित नहीं समझा

चीफ जस्टिस कुरैशी ने नारी निकेतन परिसर बाल परामर्श एवं कौशल विकास प्रशिक्षण केन्द्र के लोकार्पण समारोह में यह बात कही है। उन्होंने कहा- आज-कल REET के पेपर लीक होने पर चर्चा हो रही है। बहुत मंथन किया जा रहा है। इससे जुड़ा मसला हमारे कोर्ट में भी आया था। आगे से ऐसा न हो, इसके लिए हम बहुत सख्त सजा का प्रावधान करने जा रहे हैं। कोर्ट का मसला था। मैंने कुछ बोलना उचित नहीं समझा। हालांकि, मेरे दिमाग ने कहा था-चाहे मृत्युदंड का प्रावधान ही क्यों न कर दें, बेरोजगारी का मसला हम सुलझा नहीं पाएंगे तो पेपर लीक होते रहेंगे।

विनायक ज्वैलर्स
Retailer of Gold, Diamond & Silver Jewellery
22 K 916 — हॉलमार्क ज्वैलरी
18 K 750 — हॉलमार्क डायमंड ज्वैलरी
970 Certified — Silver Utensiles
राशि रत्न
BIS 100% Hall Marked Jewellery
G-46, Unnati Tower, Central Spine, Vidhya Dhar Nagar, Jaipur
0141-2337548, 0141-2337458, 9414156451

केदारनाथ के कपाट 6 मई को खुलेंगे

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

देहरादून/रुद्रप्रयाग। हिमालय की पर्वत श्रृंखलाओं पर उत्तराखण्ड के रुद्रप्रयाग जनपद में विराजमान भगवान शिव के पांचवें ज्योतिर्लिंग केदारनाथ धाम के कपाट इस बार ग्रीष्मकालीन दर्शनों के लिये आगामी 6 मई को सुबह 6 बजकर 25 मिनट पर खोले जाएंगे। मंगलवार को महा शिवरात्रि के अवसर पर, बाबा केदारनाथ के शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर, ऊखीमठ में 12वें ज्योर्तिलिंग में शामिल भगवान केदारनाथ धाम के कपाट खुलने की तिथि तय की गई। ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ में पौराणिक परंपराओं के अनुसार शिवरात्रि के पर्व पर केदारनाथ के कपाट खुलने की तिथि वैदिक पूजा अर्चना के साथ ही पारंपरिक रीति रिवाज के तहत घोषित की गई। हक हकूकधारी, वेदपाठी, मंदिर समिति के पदाधिकारी, तीर्थ पुरोहित की मौजूदगी में पंचांग गणना के अनुसार तिथि की घोषणा की गई। अब 2 मई को बाबा केदारनाथ की डोली केदार धाम के लिए रवाना होगी। 2 मई सायं को डोली गुप्तकाशी, 3 मई को फाटा, 4 मई को गौरीकुंड में रात्रि विश्राम के बाद 5 मई को केदारनाथ धाम पहुंचेगी। 6 मई को सुबह 6 बजकर 25 मिनट पर कपाट आम भक्तों के दर्शनार्थ खोल दिए जाएंगे।

सात जिलों में हल्की बरसात की संभावना

प्रदेश में फिर सक्रिय नया पश्चिमी विक्षोभ, बदलेगा मौसम

तापमान में आएगी गिरावट

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में एक बार फिर नए पश्चिमी विक्षोभ का असर देखने को मिल सकता है। इस विक्षोभ के प्रभाव से बुधवार को दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान के ऊपर एक प्रेरित परिसंचरण तंत्र बनने की संभावना है। इसके प्रभाव से बीकानेर, गंगानगर, हनुमानगढ़, जैसलमेर, चूरू, नागौर, सीकर और झुंझुनू जिलों के कुछ भागों में दोपहर के बाद मेघगर्जन के साथ आकाशीय बिजली चमकने और कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। वहीं 3 मार्च यानी गुरुवार को परिसंचरण तंत्र का असर केवल उत्तर-पूर्वी राजस्थान के कुछ भागों में रहेगा, शेष भागों में मौसम शुष्क बना रहेगा। इस बदलाव से कुछ दिन मौसम ठंडा रहेगा और तापमान में भी गिरावट आएगी। वहीं मंगलवार की बात करें तो राजधानी जयपुर सहित कई शहरों में मौसम साफ रहा लेकिन तापमान में गिरावट रिकॉर्ड हुई।

राजधानी जयपुर सहित प्रदेश के अधिकांश जिलों का रात का पारा 15.0 डिग्री सेल्सियस से कम रहा। वहीं अजमेर, बाड़मेर, जैसलमेर, जोधपुर, बीकानेर, नागौर, जालौर, सिरोही और टोंक आदि का पारा 30.0 डिग्री सेल्सियस या इससे अधिक रिकॉर्ड किया गया। राजधानी जयपुर में हल्के बादलों की आवाजाही देखी गई। वहीं हवा में ठंडक भी महसूस की गई।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट
» मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
» सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
» असाध्य घाव/शुगर के घाव
» कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
» अचानक बहरापन (Hearing Loss)
» डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.
नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सैन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर
Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur
E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.com

AGMARK
SHYAM®
KITCHEN MASALE
स्वाद और शुद्धता में वर्षों का विश्वास
SHRINATHJI™ Spices

ISO 22000 CERTIFIED COMPANY
नए इंडिया के फेवरेट मसाले!
1995 Since
Also Available at
SARVAM MART, DMart, METRO Cash & Carry, Reliance SMART, Reliance fresh, AADHAAR WHOLESALE CENTRE, NR Mart, Jio Mart, udaan, Flipkart, available at amazon, DealShare.in
For Trade Enquiries Call
Vithal Agarwal 8890330330
Pradeep Pareek 9530007111
Visti us at : www.shyamspices.co.in
Email: vithal@shyamspices.co.in

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039

राज्यपाल ने महाशिवरात्रि पर पूजा अर्चना की

जयपुर @ जागरूक जनता। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने महाशिवरात्रि के अवसर पर मंगलवार को राजभवन स्थित राज राजेश्वर महादेव मंदिर में परिवार सहित पूजा अर्चना की। राज्यपाल श्री मिश्र ने रुद्राभिषेक कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और संपन्नता के लिए कामना की।

जागरूक खबरें

भादरडा मेले में उमड़ा जन सैलाब

भीनमाल @जागरूक जनता। भीनमाल के निकट भादरडा गाँव में महाशिवरात्रि के पर्व पर भादरड़ा गाँव में सिथित महादेव जी मंदिर पर लोगों ने दर्शन कर मेले का आनंद लिया इस दौरान भीनमाल सहित आसपास के अनेकों गावो के लोग उमड़े।

स्वच्छता सर्वेक्षण शुरू

अधिकारी दफ्तरों में बैठे रहे, महापौर फील्ड में उतरीं और आठ घंटे तक देखी बदहाल सफाई व्यवस्था

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। ग्रेटर नगर निगम के अधिकारियों ने लाखों की आबादी को भगवान भरोसे छोड़ दिया है। सोमवार को छह जोन में हड़ताल खत्म होने की उम्मीद की जा रही थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मुख्यालय में आयुक्त से लेकर अतिरिक्त आयुक्त और जोन उपायुक्त दफ्तरों में ही रहे। महापौर सौम्या गुर्जर जरूर हालातों को देखने शहर के दौरे पर रहीं, लेकिन उन्हें भी जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हुए मिले। पार्षदों को जनता खरी-खरी सुना रही है।

गौर करने वाली बात यह है कि मंगलवार से स्वच्छता सर्वेक्षण शुरू हो चुका है और तैयारियों को परखने के लिए टीम कभी भी जयुपर आ सकती है, लेकिन ग्रेटर नगर निगम सीमा क्षेत्र में कचरे के ढेर सड़कों पर ही लगे हुए हैं।

मिले कचरे के ढेर

महापौर सौम्या गुर्जर सुबह करीब आठ बजे सफाई व्यवस्था देखने निकलीं। शाम चार बजे तक वे फील्ड में रहीं। मालवीय नगर, मानसरोवर, विद्याधर नगर और झोटवाड़ा जोन में दौरा किया। निरीक्षण के दौरान जगह-जगह कचरे के ढेर मिले। महापौर ने गैराज उपायुक्त अतुल शर्मा को संसाधन बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिफ्ट बढ़ाने के लिए भी कहा। बाजारों में निरीक्षण के दौरान स्थानीय बाजारो में महापौर ने दुकानदारों को स्वच्छता के प्रति प्रेरित किया।

कम्पनी को करो कार्यमुक्त

उप महापौर पुनीत कर्णावट ने नोटशीट लिखकर आयुक्त से बीवीजी कम्पनी को कार्यमुक्त करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि कम्पनी अनुबंध की शर्तों का बार बार उल्लंघन कर रही है। आए दिन हड़ताल कर दी जाती है। इसका असर स्वच्छता सर्वेक्षण पर इसका प्रभाव पड़ता है। निगम प्रशासन वैकल्पिक व्यवस्था को पुख्ता करे ताकि शहरवासियों को परेशान न होना पड़े।

हर रोज 1200 मीट्रिक टन कचरा

जयपुर ग्रेटर एरिया में हर रोज औसतन 1200 मीट्रिक टन कचरा निकलता है, जो घर-घर से संग्रहण करने के अलावा बाजारों से निकलता है। इस कचरे को घरों से लेकर कचरा ट्रांसफर स्टेशन और वहां से डंपिंग यार्ड तक पहुंचाया जाता है। कंपनी की ओर से इस पूरे काम के लिए करीब 320 गाड़ियां पूरे जयपुर शहर में चलाई जाती है, जो 150 वार्डों में घर-घर जाकर कचरा कलेक्शन करती है। यानी हर वार्ड में दो गाड़ियां काम करती है। अगर नगर निगम प्रशासन चाहे तो अपने स्तर पर भी हर वार्ड में 2-2 गाड़ियां लगाकर ये काम करवा सकता है।

14 करोड़ का पेमेंट अटका है

कंपनी के प्रोजेक्ट हैड उम्मेद सिंह की माने तो नगर निगम ने कंपनी को पिछले 3 महीने का 14 करोड़ रुपए का भुगतान नहीं किया है। पिछले साल का नवंबर, दिसंबर और इस साल का जनवरी का अब तक कंपनी को भुगतान नहीं मिलने से कर्मचारियों को वेतन नहीं दिया गया। जनवरी का वेतन नहीं मिलने से 70 फीसदी कर्मचारियों ने काम बंद कर दिया है।

शहरी सरकारों का हाल

बजट बिना चर्चा के राज्य सरकार को भेजा

879 करोड़ रुपए का बजट तैयार कर सरकार को मंजूरी के लिए भेजा है हैरिटेज निगम ने

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजधानी में विकास का दावा करने वाले दोनों नगर निगमों की एक जैसी स्थिति है। शहर में विकास किस तरह से होना है। वार्डों में जनता की जरूरतें क्या है। ऐसे मुद्दों पर चर्चा किए बगैर दोनों शहरी सरकारों में बजट को पारित कराए बिना ही राज्य सरकार को मंजूरी के लिए भेज दिया। स्वायत्त शासन विभाग से मंजूरी मिलते ही इसे लागू कर दिया जाएगा। दरअसल, दोनों नगर निगमों में राजनीतिक अस्थिरता के चलते महापौर साधारण सभा की बैठक बुलाने से बचती रहीं। यही वजह है कि एक वर्ष से अधिक समय हो चुका, लेकिन अब तक साधारण सभा की बैठक नहीं हो पाई है। अपनी फिक्र में दोनों ही महापौर ने चर्चा करना जरूरी नहीं समझा।

ये है स्थिति

हैरिटेज नगर निगम : साधारण सभा की बैठक नहीं बुलाई गई। 879 करोड़ रुपए का बजट तैयार किया गया है। यहां कांग्रेस का बोर्ड है, लेकिन निर्दलीय पार्षदों के सहयोग से कांग्रेस यहां सरकार चला रही है। समितियों का गठन नहीं होने से निर्दलीय नाराज हैं। विरोध के डर से साधारण सभा की बैठक नहीं बुलाई गई।

ग्रेटर नगर निगम : यहां एक वर्ष से महापौर की कुर्सी की स्थिर नहीं है। सरकार ने महापौर की कुर्सी पर शील धाभाई को बैठाया। एक फरवरी को उच्चतम न्यायालय के आदेश से सौम्या गुर्जर काबिज हो गईं। पार्षदों ने उन्होंने बजट बैठक के लिए सुझाव तो मांगे, लेकिन साधारण सभा की बैठक नहीं बुला सकीं।

किसमें कौन कितना करेगा खर्च

कार्य	ग्रेटर	हैरिटेज
नई सड़क	33 करोड़	28 करोड़
अन्य निर्माण	30 करोड़	28 करोड़
नाली सड़क मरम्मत	25 करोड़	28 करोड़
सीवरेज	15 करोड़	25 करोड़

पिछले बजट से यदि इसकी तुलना करें तो बजट को कम किया गया है।
वित्तीय वर्ष 2021-22 का बजट
हैरिटेज निगम : 784.60 करोड़ रुपए
ग्रेटर नगर निगम: 821 करोड़ रुपए

मैंने दो फरवरी को कार्यभार ग्रहण किया था। उससे पहले बजट संबंधी साधारण सभा की कोई तैयारी नहीं थी। नौ फरवरी से विधानसभा सत्र संभावित था। ऐसे में साधारण सभा बुलाने का समय नहीं मिल पाया। वित्त समिति ने बजट पारित कर मुझे प्रस्तुत किया। जिसे नियमानुसार राज्य सरकार को अनुमोदन के लिए भिजवाया।
–सौम्या गुर्जर, महापौर, ग्रेटर नगर निगम

विधानसभा शुरू होने की वजह से साधारण सभा की बैठक नहीं बुला सके। हालांकि, विकास कार्यों में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। पार्षदों की बात कर आगे भी वार्डों में विकास कार्य होंगे।
–मुनेश गुर्जर, महापौर, हैरिटेज नगर निगम

नगर पालिका अधिनियम की धारा 88 के अनुसार प्रत्येक वर्ष की 15 फरवरी तक बजट पारित करना चाहिए। इसके अलावा धारा-51 में साधारण सभा 60 दिन में एक बार या फिर एक वर्ष में 6 बार होना जरूरी होता है। यदि बोर्ड है तो साधारण सभा बुलाकर बजट को पारित करना चाहिए।
–अशोक सिंह, पूर्व निदेशक, विधि, स्वायत्त शासन विभाग

जयपुर एयरपोर्ट

इंटरनेशनल और कार्गो फ्लाइट्स के लिए होगी सुविधा

एयरपोर्ट के विकास में बलि चढ़ेंगे 700 हरे पेड़, पार्किंग-वे बनाए जाएंगे, 50 साल पुरानी रिहायशी कॉलोनी ध्वस्त होगी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। एयरपोर्ट पर विकास की दिशा में अडानी समूह ने बड़ा कदम उठाया है। एयरपोर्ट अथॉरिटी के कर्मचारियों की रिहायशी कॉलोनी को खाली करा लिया गया है और यहां पर नए पार्किंग वे बनाए जाएंगे। साथ ही इसका उपयोग कार्गो कॉम्प्लेक्स बनाने में भी हो सकता है। हालांकि इस विकास की बलि 700 पेड़ चढ़ेंगे। टर्मिनल-1 के पास नए पार्किंग वे विकसित किए जाएंगे। ये पार्किंग वे सांगानेर थाने के पास बसी एयरपोर्ट कॉलोनी की जगह पर बनेंगे। एयरपोर्ट कॉलोनी करीब 50 साल पुरानी है और यहां पर एयरपोर्ट अथॉरिटी के निदेशक सहित अन्य कर्मचारी अपने परिजनों के साथ निवास करते रहे हैं। अडानी समूह ने एयरपोर्ट कॉलोनी को खाली करवा लिया है। एयरपोर्ट अथॉरिटी के सभी कर्मचारी यहां से निवास छोड़ चुके हैं। मकानों को तेजी से तोड़ते हुए इसे समतल किया जा रहा है। अडानी समूह ने इसके लिए

एक निजी फर्म को ठेका दिया है, जो मकानों को तोड़ते हुए जमीन को समतल कर रहे हैं। अब केवल एयरपोर्ट निदेशक का एकमात्र आवास बचा है, जिसे तोड़ना बाकी है।

इसके बाद यहां पर लगे करीब 700 हरे पेड़ों को भी काटा जाएगा। क्योंकि विकास कार्य की राह में एक बड़ी बाधा हरे पेड़ों की है। एयरपोर्ट कॉलोनी में करीब 700 पेड़ लगे हुए हैं, जिनकी नम्बरिंग भी हो चुकी है। एक बड़ी परेशानी पशु-पक्षियों के रिहेबिलिटेशन की भी है। अडानी समूह का कहना है कि एयरपोर्ट एक्सपेंशन और डेवलपमेंट सभी नियम कायदों को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा।

विदेशी कंपनी कर रही डेवलपमेंट के लिए सर्वे

अडानी समूह एक विदेशी कंपनी से सर्वे करा रहा है। संभावना यह है कि यहां पर नए पार्किंग वे (एप्रन) बनाए जाएंगे। यहां 3 से 4 बड़े विमानों के पार्किंग वे बनाए जाने की संभावना है। जिसमें ना केवल इंटरनेशनल फ्लाइट, बल्कि कार्गो फ्लाइट यहां पार्क हो सकेंगी। जब टर्मिनल-1 शुरू होगा, तो ये पार्किंग वे उपयोग में आ सकेंगे। एक संभावना यह भी है कि अडानी समूह यहां कार्गो कॉम्प्लेक्स बनवा सकता है। चूंकि अभी तक कार्गो का कार्य एयरपोर्ट अथॉरिटी ने अपने पास ही रखा है। ऐसे में अडानी समूह अपना अलग कार्गो कॉम्प्लेक्स भी बना सकता है। एयरपोर्ट से जुड़े सूत्रों ने बताया कि फिलहाल 2 साल तक टर्मिनल-1 शुरू नहीं होगा। उधर अडानी समूह का भी फोकस टर्मिनल-2 पर ही है। साथ ही अगर इस पर कोई विकास होता भी है, तो नियमों के तहत पेड़ काटने से पहले 1 पेड़ के बदले 5 नए पेड़ लगाने होंगे और उनकी 1 साल तक देखभाल करनी होगी, उसके बाद पेड़ काटे जा सकेंगे।

ANCHOR **राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल**

ई-वेस्ट संग्रहण अभियान का तीसरा चरण आज से

राज. प्रदूषण नियन्त्रण मंडल द्वारा 77 हजार किलो ई-वेस्ट एकत्रित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल द्वारा ई-वेस्ट के संग्रहण हेतु 2 मार्च से तीसरा चरण आरंभ किया जा रहा है जिसमें अजमेर, पाली, बीकानेर, चूरू, झुन्झुनू व सीकर में मोबाइल द्वारा ई-वेस्ट संग्रहण अभियान शुरू किया जायेगा।

राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल की अध्यक्ष वीनू गुप्ता ने बताया कि तृतीय चरण में मण्डल द्वारा गोदरेज के साथ मिलकर रिहायशी एवं व्यावसायिक क्षेत्रों में मोबाइल वैन का संचालन कर ई-वेस्ट का संग्रहण किया जायेगा। साथ ही औद्योगिक क्षेत्रों में राज्य की अधिकृत ई-वेस्ट डिस्मेंटलर/रिसाईक्लिर इकाईयों द्वारा उद्योगों से ई-वेस्ट एकत्रित किया जयेगा।

उन्होंने बताया कि ई-वेस्ट के सम्बन्ध मे राज्य के बड़े शहरों में भी आम जन में जागरूकता के अभाव में अधिकतर औद्योगिक इकाईयों एवं घरों से निकलने वाला ई-वेस्ट कबाड़ी को दे दिया जाता था। इस समस्या को दृष्टिगत रखते हुये राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल ने पहली बार जुलाई, 2021 में ई-वेस्ट संग्रहण हेतु अभियान की शुरूआत की। विगत छः माह में ई-वेस्ट संग्रहण अभियान के दो चरण छः जिलों में पूर्ण किये जा चुके हैं जिसके फलस्वरूप कुल 77,000 किलो (77 मैट्रिक टन) ई-वेस्ट का संग्रहण किया जा चुका है। मण्डल के इस नवाचार से 77,000 किलो ई-वेस्ट अनौपचारिक क्षेत्र में जाने से रूका तथा इसका वैज्ञानिक पर्यावरण अनुकूल विधियों से अधिकृत ई-वेस्ट रि-साईक्लिर/डिस्मेन्टलर के द्वारा ही निस्तारण किया गया।

गुप्ता ने बताया कि राज्य के नागरिकों का अनौपचारिक क्षेत्र द्वारा ई-वेस्ट को गैर-वैज्ञानिक तरीकों से प्रोसेस किये जाने से पर्यावरण एवं मानव स्वास्थ्य पर होने वाले हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूक होना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि इस विषय पर आम-जन में जागरूकता की कमी है इसलिए मण्डल द्वारा ई-वेस्ट संग्रहण हेतु अभियान चलाकर राज्य के सभी नागरिकों को जागरूक किया जा रहा है कि वे अपने ई-वेस्ट को अधिकृत डिसमेंटलर/रीसाईक्लिर/कलेक्शन सेन्टर के माध्यम से जिम्मेदार तरीके से निस्तारित करें। उन्होंने बताया कि ई-वेस्ट संग्रहण अभियान का मुख्य उद्देश्य ई-वेस्ट (प्रबन्धन) नियम, 2016 के अनुसार ई-वेस्ट को अधिकृत तरीके से निपटान के लिए लोगों को जागरूक करना और अभियान के दौरान इससे संबंधित आई.ई.सी. गतिविधियों का संचालन करना है।

ई-वेस्ट संग्रहण अभियान का प्रथम चरण

"ई-वेस्ट संग्रहण अभियान का पहला चरण" जयपुर, कोटा और उदयपुर में 1 जुलाई, 2021 से 31 अगस्त, 2021 के दौरान औद्योगिक क्षेत्रों में ही आयोजित किया गया। प्रथम चरण में भारतीय औद्योगिक परिसंघ (सी.आई.आई) के सहयोग से उद्योगों में जागरूकता लायी गयी जिसके फलस्वरूप पहले चरण के दौरान औद्योगिक इकाईयों से लगभग 11,000 किलोग्राम (11 मेट्रिक टन) ई-वेस्ट एकत्रित किया गया था जिसे अधिकृत रिसाईक्लिर द्वारा पर्यावरण अनुकूल विधि से प्रोसेस किया गया। प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र भी वितरित किये गये।

ई-वेस्ट संग्रहण अभियान का द्वितीय चरण

भीलवाड़ा, जोधपुर, अलवर और भिवाड़ी में "ई-वेस्ट संग्रहण अभियान का दूसरा चरण" 14 अक्टूबर, 2021 से 26 अक्टूबर, 2021 तक आयोजित किया गया। इस अभियान के दौरान औद्योगिक इकाईयों के साथ आर.डब्ल्यू.ए., वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों, बिजनेस मॉल, शॉपिंग मार्केट, कॉलोनियों आदि से भी ई-वेस्ट एकत्र किया गया। इस अभियान में स्थानीय अधिकृत डिस्मेंटलर/रिसाईक्लिर और आर.एल.जी. इंडिया (पी.आर.ओ) ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अलवर, भीलवाड़ा, भिवाडी और जोधपुर में जागरूकता लाने और वाणिज्यिक/आवासीय क्षेत्रों से ई-वेस्ट एकत्र करने के लिए दो ई-वेस्ट संग्रहण मोबाईल वैन का भी संचालन किया गया।

जयपुर की अंकिता रहीं मिसेज इंडिया 2022 की रनरअप

देशभर से 40 गर्ल्स के बीच रनरअप का टाइटल जीता

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। गुलाबी नगरी जयपुर की अंकिता श्रीवास्तव ने राजस्थान का नाम रोशन किया है। मिसेज इंडिया 2022 पेजेंट में अंकिता पहली रनरअप रही हैं। अहमदाबाद के होटल प्राइड प्लाजा में शनिवार शाम हुए मिसेज इंडिया 2022 ब्यूटी पेजेंट किया गया। गुजरात के मशहूर वीपीआर एंटरटेनमेंट एंड प्रोडक्शन हाउस ने इस कॉन्सेप्ट को ऑर्गेनाइज किया था। वीपीआर एंटरटेनमेंट एंड प्रोडक्शन के एमडी विजय काबरा और विद्या काबरा ने बताया कि इस इवेंट में देशभर की 40 गर्ल्स ने पार्टिसिपेट किया। जिसमें स्मिता रॉय विनर रहीं। इस मौके पर वीपीआर की ब्रांड एम्बेसडर प्रियंका गोयल ने पार्टिसिपेट को एनकरेज किया। जयपुर की अंकिता श्रीवास्तव को राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश के कायस्थ समाज की संस्थाओं कायस्थ एकता मंच, विध्य कायस्थ मंच, कायस्थ विचार मंच, कायस्थ फेडरेशन ऑफ सोसायटी ने उनके पहली रनरअप के पेजेंट के लिए बधाई दी। उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। आयोजन में पहली रनरअप रहने पर जयपुर स्थित उनके परिवार में खुशी का माहौल है। उनके पिता दयाल शरण सक्सेना ने कहा मुझे अपनी बेटी पर गर्व है, अंकिता के पति जय श्रीवास्तव ने कहा उन्होंने हमारा और जयपुर का ही नहीं बल्कि पूरे राजस्थान का नाम रोशन किया है।

जागरूक खबरें

बालिकाओं ने औद्योगिक भ्रमण कर ज्ञानार्जन किया

सिरोही @ जागरूक जनता। राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय सिरोही में व्यावसायिक शिक्षा योजनान्तर्गत ट्रेड आई.टी और ब्यूटी एण्ड वैलनेस की बालिकाओं को औद्योगिक भ्रमण करवाया गया। विद्यार्थियों को ट्रेड से संबंधित धरातल पर वास्तविक ज्ञान दिया गया। विद्यालय के व्यवस्था सहयोगी गोपालसिंह राव ने बताया कि आई.टी. ट्रेड में व्यावसायिक प्रशिक्षक कीर्ति सोलंकी, प्रधानाचार्य हीरा खत्री , अनिता चव्हाण द्वारा सिरोही जिले के मार्गदर्शन में सबसे पुराने बेवटेक कम्प्यूटर इन्स्टीट्यूट सिरोही का भ्रमण कराया गया। कम्प्यूटर सेन्टर के निदेशक प्रकाश प्रजापति द्वारा व्यावसायिक शिक्षा से जुडे विद्यार्थियों हेतु अलग-अलग कम्प्यूटर कोर्स की आई.टी. के क्षेत्र में जानकारी देकर कोर्सों की उपयोगिता बताई। बालिकाओं को आई.टी.क्षेत्र की विभिन्न छात्रोपयोगी उपयोगिता बताकर को जागरूक किया गया । पुस्तकीय ज्ञान के साथ व्यावहारिक व्यावसायिक ज्ञान जीवनोपयोगी है यह औद्योगिक भ्रमण से अनुभव किया ।ब्यूटी एण्ड वैलनेस ट्रेड के व्यावसायिक प्रशिक्षक कामिनी रावल, प्रधानाचार्य हीरा खत्री, प्रभारी अनिता चव्हाण द्वारा मीना ब्यूटी पार्लर सिरोही का भी भ्रमण किया। प्रशिक्षक ने बालिकाओं को प्रायोगिक कार्य करके बताये। करके सीखने से ज्ञान स्थाई होता है यह प्रायोगिक कार्य कर अनुभव किया। ब्यूटी ट्रेड की छात्राओं को ट्रेड से संबंधित व्यावहारिक ज्ञान भी दिया गया। बालिकाओं ने शारीरिक सज्जा, केश सज्जा, फेशियल, मसाज आदि ब्यूटी पार्लर की गतिविधियों को सीखा।

पिक अ बुक जयपुर ने अपनी पहली वर्षगांठ प्रेम निकेतन आश्रम में मनाई

जयपुर @ जागरूक जनता। पिक अ बुक ऐसा क्लब है जो आपको किताबों से जोड़ता है। किताबों से बेहतर कोई दोस्त नहीं होता। किताबें अकेलेपन को दूर करने मदद करती हैं बल्कि ज्ञान और प्रेरणा भी प्रदान करती हैं। एक व्यक्ति जो विभिन्न प्रकार की पुस्तकों को पढ़ता है और नियमित रूप से पढ़ने के लिए प्रेरित करता है, वह जीवन को अच्छी तरह से जीना सीखता है। पिक अ बुक एक विचार है जो पुस्तक प्रेमियों के लिए एक अनुभव है। जहाँ वो ना केवल अपनी पढ़ी हुई किताबों के रोचक तथ्यों की जानकारी अपने साथियों से बाँट सकते है बल्कि कई नई जानकारियों से परिचित हो सकते है। जितना एक दूसरे से मेल मुलाक़ात होती है उतना ही ज्ञान का विस्तार होता है। पहली वर्षगांठ के उपलक्ष में सदस्यों ने वृद्ध आश्रम में लाइब्रेरी में पिक अ बुक की तरफ से एक शेल्फ में किताबें दान की। निखिल कपूर ने हनुमान प्रसाद पोद्दार की किताब पद रत्नाकर पर चर्चा की । इस अवसर पर कमला पोद्दार, सुधीर माथुर उर्वशी वर्मन के साथ क्लब के सदस्य मौजूद रहे। सिटी प्रेसीडेंट अक्षय गोयल व रीजनल ऑपरेशन हेड अंशु हर्ष ने बताया कि यह क्लब साहित्यिक गतिविधियों के अंतर्गत पुस्तक चर्चा, नई किताबों का लोकार्पण और विभिन्न वर्कशॉप का आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर वृद्ध आश्रम के सदस्यों के साथ अंताक्षरी खेली गई आश्रम के अध्यक्ष शेखर गर्ग व सेकेट्री मीना गर्ग भी उपस्थित रहे । कार्यक्र म का मंच संचालन प्रियंका जैन ने किया ।

श्रीमद् भागवत कथा और नैनी बाई के मायरे उत्सव का पोस्टर विमोचन

पीपाड़ शहर @ जागरूक जनता। धर्म नगरी पीपाड़ शहर स्थित सांखलो का बेरा पर श्रीमद् भागवत कथा और नैनी बाई के मायरे का बैनर विमोचन किया गया। आयोजन समिति के सुगनाराम सांखला ने बताया की रामगुरू देव जी महाराज की असीम कृपा से जोधपुर मारवाड़ के प्रसिद्ध कथावाचक श्री श्री 108 डॉक्टर राम प्रसाद जी महाराज के श्रीमुख से किया जाएगा। जिसमें श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन 4 से 9 मार्च तक प्रातः 12:15 बजे से 04 बजे तक किया जायेगा और नैनी बाई के मायेरा का भी आयोजन किया जायेगा जो 04 मार्च से 09 मार्च सांय 07:30 से रात्रि 09:30 बजे तक किया जायेगा। कलाकारों द्वारा भजनों की प्रस्तुति भी दी जाएगी। संत बधावणा के साथ गाजे बाजे से कलश शोभायात्रा भी निकाली जाएगी। कथा के साथ-साथ संगीतमय कथा का भी वाचन किया जाएगा। उन्होंने शहर सहित पूरे क्षेत्र के धर्मप्रेमी जनता को पुण्य लाभ लेने की अपील की। व्यवस्थापकों ने कथा प्रारंभ होने से पहले ही कथा परिसर को आर्कषक रूप से सजाया गया तथा कथा में आने वाले भक्तों के लिए बैठने की उत्तम व्यवस्था भी की गई है। उन्होंने कोरोना संक्र मण को देखते हुए सभी भक्तों को मुंह पर मास्क लगाकर आएं तथा कोरोना गाईड की पूर्ण पालना करें ऐसी अपील की है । इस दौरान आयोजक मण्डल के उपाध्यक्ष सम्पतराज, कोषाध्यक्ष अशोक, सचिव सम्पत राम सांखला सदस्य धोकलराम, श्यामलाल, मोहनराम, लक्ष्मण राम, सोहनराम, शंकर लाल, किशनाराम, श्रवण राम, अशोक, श्यामलाल रमेश, प्रकाश, महिपाल सहित सभी भक्त गण मौजूद रहे।

समग्र शिक्षा जिला निष्पादक समिति की बैठक

नवाचार करें, स्वच्छता का ध्यान रखे-जिला कलक्टर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जिला कलक्टर राजन विशाल ने जिले के शिक्षा अधिकारियों से कहा है कि वे विद्यालयों में नवाचार करें और स्वच्छता पर पूरा ध्यान दें। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का निर्माण मनरेगा के तहत करवाये। किसी विद्यालय में यह सिस्टम खराब है तो उसे दुरूस्त कराये।

जिला कलक्टर विशाल यहां जिला कलक्ट्रेट सभागार में समग्र शिक्षा अभियान की जिला स्तरीय निष्पादक समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में खेल के मैदान होना आवश्यक है। बच्चों को शिक्षा के साथ ही खेलों से जोड़ना उनके शारीरिक विकास के लिये जरूरी है। उन्होंने कहा कि हर ब्लॉक में महात्मा गांधी नरेगा योजना के अन्तर्गत 05 विद्यालयों में मॉडल खेल ग्राउंड़ बनाये जाएं। उपयुक्त भूमि वाले विद्यालयों को चिन्हित किया जाए और वहां खेल के मैदान बनाने के प्रस्ताव अगले 05 दिनों में आवश्यक रूप से भेजा जाना सुनिष्चित किया जाए। विद्यालयों को आवंटित भूमि पर अतिक्रमण हटाने के लिये आवश्यक कानूनी कार्यवाही किये जाने के निर्देश भी जिला कलक्टर ने अधिकारियों को दिये।

विशाल ने कहा कि शिक्षा में गुणवत्ता आवश्यक है। इसके लिये पूरे प्रयास किये जाएं। विद्यार्थियों के आधार नामांकन, विद्यालय सुदृढ़ीकरण और सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत मिलने वाली पालनहार एवं पेंषन योजनाओं से क्षेत्र के वंचित पात्र व्यक्तियों को जोड़ने के लिये प्रयास करें। उन्होंने कहा कि मानवीय दृष्टिकोण से गरीबों की मदद के लिये पूरी मंषा के साथ कार्य करें। विद्यालयों में पोषाहार बनाने वाले कर्मियों का प्रधामनंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में आवष्यक रूप से बीमा करवाने के लिये कर्मियों को प्रोत्साहित करें। बैठक में जिले के शिक्षा अधिकारी मौजूद रहे।

सड़क हादसे में दिवंगत नवदंपती के घर पहुंच जैतारण विधायक अविनाश ने जताया शोक

50,000 रुपए का किया आर्थिक सहयोग

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

भोपालगढ़। गत दिनों पीपाड़ शहर सड़क दुर्घटना में नव दंपत्ति स्व.रामरतन माली व स्व.गुड्डी देवी के निधन पर जयराम जी ढाणी भोपालगढ़ पहुंच जैतारण विधायक अविनाश गहलोत ने उनके परिवारजनों से मिलकर सांत्वना दी व पीड़ित परिवार को ढाढ़स बधाया साथ ही परिवार को आर्थिक सहायता के लिए 50,000 रुपए का सहयोग प्रदान किया। शोक सभा में दिवंगतों को सैकड़ो समाजिक कार्यकर्ता व समाजबंधुओं के साथ श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर भोपालगढ़ विधायक पुखराज गर्ग, पीपाड़ नगरपालिका के पूर्व चेयरमैन एडवोकेट महेंद्रसिंह कच्छवाह, जैतारण नगरपालिका अध्यक्ष रामस्वरूप भाटी, भाजपा जिला महामंत्री धनराज सोलंकी, कांग्रेस नेता शिवकरण सैनी, पुर्व सरपंच जमुना जयप्रकाश देवड़ा, आदित्य कच्छावाह, युवा मोर्चा अध्यक्ष सी पी मारोटिया, एबीवीपी के महेंद्र टाक, सीताराम, रामकिशोर टाक, श्याम सोलंकी, रामपाल गहलोत सहित सैकड़ो की संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

धरने पर बैठे लोगो के उपर लगी बेबुनियादी एफआईआर वापस लेने की थी मांग

पीपाड़ शहर में कार ड्राइवर की लापरवाही से दंपती गुड्डी रामरतन की मौत का मामला राजस्थान विधानसभा में गुंजा, जैतारण विधायक अविनाश गहलोत ने कहा की समझौता बंद कमरे में होने से नाराज लोगों ने नारेबाजी करते हुए घोर निंदा की इसके बदले पुलिस द्वारा ग्रामीणों पर लाठियां भांजी व पुर्व चैयरमेन महेन्द्रसिंह कच्छावाह और उनके तीन पुत्र सहित परिवार के अन्य लोगो के साथ 33 नामजद और 150 से अधिक अन्यों पर बेबुनियाद मुकद्दमा दर्ज किया उसको वापस ले।

छात्र छात्राओं को तंबाकू के दुष्परिणामों की दी जानकारी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

कोटा। कोटा कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कोटा एवं नोडल अधिकारी राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ एवं विकल्प इंडिया सोसाइटी जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में कोटा जिले के सरकारी विद्यालयों में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत तंबाकू मुक्त विद्यालय जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र छात्राओं को तंबाकू से होने वाले दुष्परिणामों की जानकारी तथा तंबाकू के सेवन से होने वाली बीमारियों के विषय में जानकारी देकर अवगत कराया गया। कोटा जिला क्षेत्र में स्कूल में सोसाइटी द्वारा बैनर, पंपलेट वितरण एवं चस्पा कर शिक्षण परिषद

मैं 100 गज की परिधि क्षेत्र में तंबाकू विक्रय एवं सेवन को कानूनी अपराध मानते हुए 200 रुपए के जुर्माने का प्रावधान हेतु संदेश देकर अवगत कराया गया प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ साथ निबंध प्रतियोगिता, प्रशिक्षण देकर सोसायटी द्वारा अवगत कराया गया सोसायटी के अध्यक्ष संजय कटारा द्वारा बताया गया की इस क्षेत्र में सोसाइटी के परियोजना अधिकारी बतौर प्रतिनिधि हरी प्रसाद अवस्थी, गौरव मिश्रा, वैभव मिश्रा द्वारा उक्त कार्यक्रमों को आयोजित किया गया है साथ ही विद्यालयों में कोविड-19 की जानकारी दिशा निर्देशों की पालना हेतु विद्यालय को अवगत कराया जा रहा है।

राज्यमंत्री बिश्नोई ने किया अत्याधुनिक व्हाइट हाउस होटल का किया लोकार्पण

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सांचौर। उपखंड के निकटवर्ती डेडवा गांव में नेशनल हाईवे पर स्थित अत्याधुनिक होटल व्हाइट हाउस का लोकार्पण उद्योगपति बीरबल बिश्नोई के माता जी एवं राज्य मंत्री सुखराम बिश्नोई ने फिता काट कर किया। इस अवसर पर मंत्री सुखराम बिश्नोई, बिश्नोई महासभा अध्यक्ष देवेंद्र बुड़िया एवं विधायक लादूराम विश्नोई ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगो को संबोधित करते हुए कहा कि सांचौर मे बड़े-बड़े शहरों में पांच सितारा होटल की तरह के समस्त फैसिलिटी वाले होटल एवं रेस्टोरेन्ट खुल जाने से बाहर से आने वाले यात्रीयो लोगो को सुविधा मिलेगी नही तो लोगो ठहरने के लिए गुजरात तक जाना पड़ता था अब यह सुविधा अब सांचौर मे मिलने से अपने जिले के लोगो को सुविधा मिलेगी। और साथ में स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिल सकेगा। इस अवसर पर होटल के प्रबन्धक बीरबल साहू ने राज्यमंत्री सुखराम बिश्नोई साफा एवं माल्यार्पण देकर सम्मानित किया और सभी विशिष्ट अतिथियों को साफा एवं माल्यार्पण स्वागत किया। इस कार्यक्रम भारतीय बिश्नोई महासभा के प्रधान देवेंद्र बुड़िया, विशिष्ट अतिथि किसनाराम जी विश्नोई विधायक लोहावट,लादूराम विश्नोई पूर्व मंत्री,पूर्व उप सचेतक रतन देवासी, पूर्व विधायक जीवाराम चौधरी, चितलवाना प्रधान प्रतिनिधि हिंदू सिंह दूठवा, महासभा जिला प्रधान सुरजनराम बिश्नोई, सरपंच हरिकिशन विश्नोई, डेडवा सरपंच पूनमाराम खिचड़, पूर्व प्रधान शमशेर अली,हरीश पुरोहित शीलू,अहमदाबाद बिश्नोई महासभा अध्यक्ष भेराराम गोदारा, सरनाऊ प्रधान प्रतिनिधि ओमप्रकाश ढाका, जिला परिषद सदस्य मांगीलाल खिलेरी व प्रवीण कुमार साहू, पंचायत समिति सदस्य परसराम ढाका,इसराराम मांजू व किशनलाल कड़वासरा विकास अधिकारी गणपत लाल बिश्नोई व तुलसाराम पुरोहित,मांगीलाल सारण, भीखाराम सारण, सुरेश सियाक,पूर्व प्रधान नरेंद्र विश्नोई,शंभू भाई देसाई, सरपंच राजू भाई देसाई,जय किशन सारण, हेमाराम सारण सांकड़ पूर्व सरपंच, भाखरा राम मांजु, राणाराम विश्नोई बलदेव राम साऊ समेत कई दिग्गज नेता एवं उद्योगपति शामिल हुए।

इंडियन कल्चर शो सीजन-।।26 को

प्रदेश भर के युवा टैलेंट को मिलेगा मौका, दिव्यांग बच्चों व महिलाएँ करेंगी रैंप पर स्पेशल वॉक

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर में याया सोसाइटी द्वारा 26 मार्च को आयोजित होने वाले स्टेट लेवल फैशन शो इंडियन कल्चर शो सीजन 2 की प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन राजापार्क स्थित पिंक स्क्वायर मॉल में किया गया। इसके साथ ही इस शो के डायरेक्टर्स व टीम मेंबर्स द्वारा इस शो के ऑफिशियल पोस्टर को भी लॉन्च किया गया। शो डायरेक्टर संदीप सिंह सरना व राकेश चौधरी ने मीडिया से जानकारियाँ शेयर करते हुए बताया कि इस शो में 18 से 28 एज ग्रुप के मेल व फीमेल केटेगरी में टोटल 20 मॉडल्स रैंप पर अपने टैलेंट को शोकेस करते हुए नजर आएंगे। साथ ही चार नामचीन फैशन डिज़ाइनर अपना लेटेस्ट ड्रेस कलेक्शन मॉडल्स के जरिए रैंप पर रिप्रेजेंट करेंगे। इस शो में दिव्यांग बच्चों व महिलाओं को भी मॉडलिंग के मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। मॉडल्स को ग्रूमिंग, ट्रेनिंग व डिफरेंट सेशंस की फैसिलिटी दी जाएगी। इन सेशंस में मोटिवेशन, मेडिटेशन, कैटवॉक, जुंबा, आई कॉन्टेक्ट इत्यादि वर्कशॉप्स का आयोजन किया जाएगा। इस पोस्टर लॉन्च सेरेमनी के दौरान याया सोसाइटी की ओर से मधुलिका सिंह, वाइट बॉक्स मीडिया के डायरेक्टर नीरज शर्मा, इंडिया ग्लैम आर्गेनाइजेशन के फाउंडर पवन टांक, पिंक वुमनिया की फाउंडर कानू मेहता सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। फैशन शो में सेलिब्रिटी गेस्ट के तौर पर एक्टर निर्भय वाधवा, गौरव वाधवा, राघव तिवारी व दीपाली सैनी मौजूद रहेंगें।

ANCHOR ओपिनीयन

यूक्रेन और रूस युद्ध: गुटबंदी की ओर बढ़ती दुनिया

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

युद्ध दोनों पक्षों के लिए हानिकारक होते हैं। मानवता के समर्थक कभी भी युद्ध का समर्थन नहीं कर सकते, क्योंकि यह एक ऐसा भयावह आधार होता है जिससे आम जनमानस को पीड़ा की ज्वाला में झोंक दिया जाता है। यह कुछ तथाकथित हढधर्मी नेताओं का वह निर्णय होता है जो हिंसा के समर्थक और मानवता के शत्रु, शांति में विश्वास ना रखने वाले एवं संवाद प्रणाली से दूरी बनाए रखते हैं। प्रत्येक प्रकार की समस्या का हल संवाद प्रणाली से किया जा सकता है, परंतु याद रखने वाली स्थिति यह भी होती है कि संवादात्मक गतिविधियों में मध्यस्थ करने वाले स्तंभों को भी उन मूल्यों में विश्वास होना चाहिए। कुछ इसी प्रकार की गतिविधियां वर्तमान वैश्विक समुदायों में देखी जा सकती हैं। रूस ने यूक्रेन से जंग का ऐलान कर दिया है उसके प्रमुख सैन्य ठिकानों में बमबारी एवं युद्ध पोतों से हमला करने के साथ-साथ उसके सैनिक यूक्रेन के प्रमुख शहरों में प्रवेश कर चुके हैं। वहां के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने भी हथियार उठा लिए हैं और उन्होंने वैश्विक महाशक्तियों से अपील की है कि ऐसी परिस्थितियों में संभावित सहायता करें। सहायता के लिए प्रायः फ्रांस, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका एवं कनाडा सहित अन्य देश आगे बढ़े हैं। जेलेंस्की के स्वयं हथियार उठा लेने के बाद वहां के आम नागरिकों में राष्ट्रप्रेम की चेतना और संचार का भाव दोगुना हो गया है। उन्होंने अपने राष्ट्र के रक्षा के लिए मरने और मारने दोनों के लिए तैयार हो गए हैं। उनके इस एक्शन को विश्व में सराहना की जा रही है, परंतु सवाल यह उठता है कि क्या यूक्रेन का जोश बिना हथियारों के रूस के विशाल सैन्य शक्ति के समक्ष कब तक टिक पाएगा? इसी बीच रूस ने यूक्रेन को बातचीत का ऑफर भी दिया ,परंतु जेलेंस्की ने इस प्रस्ताव को ठुकराते हुए कहा कि बेलारूस जैसे क्षेत्र से मेरे नागरिकों पर बमबारी और गोले बरसाए गए हैं ,ऐसे क्षेत्र से बातचीत का प्रस्ताव को स्वीकार मैं नहीं करता। दरसल रूस और यूक्रेन के मध्य का विवाद नाटो की सदस्यता को लेकर हो रहा है। नाटो की स्थापना 1949 में अमेरिका के नेतृत्व मी साम्यवादी गतिविधियों को रोकने के लिए किया गया था जिसके वर्तमान समय में 30 देश सदस्य हैं जिनकी संख्या स्थापना के समय 12 थी। यह एक सैन्य संगठन है जिसका नारा है कि यदि किसी भी सदस्य देश पर कोई भी बाहरी शक्ति आक्रमण करती है तब ऐसी स्थिति में वह उसका मुकाबला सामूहिक रूप से करेंगे। इस संगठन के विरुद्ध पूर्व सोवियत संघ ने भी 1955 में वारसा पैक्ट की स्थापना की थी परंतु 1991 में सोवियत संघ के बिखरने के पश्चात वारसा पैक्ट का भी विघटन हो गया, परंतु नाटो अभी तक अस्तित्व में हैं। सोवियत संघ से विघटित अधिकतम देशों ने नाटो की सदस्यता ग्रहण कर ली है, यूक्रेन भी नाटो की सदस्यता ग्रहण करना चाहता था ,जिसका रूस के तत्कालीन राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन ने विरोध किया। उन्होंने तो नोटों से यह भी कहा कि 1997 के पश्चात जितने देशों ने नाटो संगठन की सदस्यता ग्रहण की है उनकी सदस्यता को रद्द किया जाए, यूक्रेन ने नाटो के सदस्यता क प्रस्ताव जैसे ही प्रस्तावित किया वैसे ही व्लादीमीर पुतिन ने अपनी सेनाओं को यूक्रेन के सीमाओं में तैनात कर दिया। यूक्रेन फिर भी नहीं झुका और उसने भी अपने अस्तित्व बचाने के लिए एक विशाल सेना से युद्ध करने की ठान ली। सबसे बड़ा प्रश्न यह उठता है कि जब यूक्रेन ने नाटो की सदस्यता ग्रहण करने के प्रस्ताव की पेशकश की थी तब ऐसे संकट में नाटो संगठन की सदस्य देश प्रत्यक्ष रूप से उसकी सहायता के लिए आगे क्यों नहीं आए ? नाटो संगठन के चार्टर 5 के अनुसार केवल सदस्य देशों के आक्रमण पर ही कार्यवाही की जा सकती है, परंतु चार्टर 4 के तहत कार्यवाही की जा सकती थी। ऐसी स्थिति में उन्होंने किसी भी प्रकार की कार्यवाही क्यों नहीं की ? क्या उनको रूस का डर था ? क्या विवाद से दूर रहना चाहते थे ? क्या जानबूझकर समस्या को बढ़ाना चाहते थे? यदि नहीं तब ऐसी स्थिति में सभी सदस्यों को मिलकर यूक्रेन की सहायता करनी चाहिए। केवल आर्थिक प्रतिबंध लगा देने से और अपने देश में राजनैतिक आवागमन के प्रतिबंध कर देने से किसी भी देश का सैन्य साहस नहीं टूटता । हां यह जरूर कहा जा सकता है कि यदि युद्ध अधिक समय तक तक चला तोर उसको भी बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है। कभी शाम में वहां का हिस्सा रहे यूक्रेन ने जब नाटो की सदस्यता का प्रस्ताव आगे बढ़ाया तब ऐसी स्थिति में अमेरिका सहित अन्य देशों को सैन्य सहायता अवश्य देनी चाहिए थी। प्रारंभ में यदि यह सभी देश यूक्रेन को विभिन्न प्रकार के आश्वासन ना दिए होते तो शायद आज यह स्थिति नहीं बनती। दरअसल इस युद्ध में विश्व के प्रमुख देश अपने गुट बंदियों की ओर बढ़ रहे हैं ,क्योंकि चीन जैसे देश सदैव रूस के समर्थन में ही रहेंगे। इधर भारत ने भी संयुक्त राष्ट संघ की सुरक्षा परिषद् में निंदा प्रस्ताव पर वोटिंग ना करके अपने आप को इससे दूर ही रखा है। उधर अमेरिका जैसे अन्य देश केवल अपील करते दिख रहे हैं विशेष एक्शन नहीं ले पा रहे हैं। छोटे देशों ने काफी कुछ हद तक सहायता पहुंचाई है परंतु वह यूक्रेन के लिए पर्याप्त नहीं होगी। रूस के पास एक विशाल सेन सकती है जो आधुनिक हथियारों से सुसज्जित है, जवाबी कार्यवाही के लिए चाहिए कि उसके पास भी ऐसे ही हथियार, युद्धपोत, मिसाइलें एवं राइफल्स हों जो रूस के अधिक प्रभावशाली हों। अभी तक इस प्रकार की सैन्य सामग्री की पेशकश किसी देश ने यूक्रेन के लिए नहीं किया है। परिस्थितियों में भी गुट बंदियों को आधार बनाया जा रहा है। अमेरिका की यह धारणा जरूर रही होगी कि यदि वह रूस के विरुद्ध सैन्य आक्रमण करता है तब ऐसी स्थिति में चीन भी एक्शन लेने से पीछे नहीं हटेगा और यह बात सर्व विदित है कि अमेरिका ने जहां पर भी हस्तक्षेप किया है उन देशों में सफल लोकतांत्रिक शासन स्थापित नहीं हो सका है। उसने सैन्य सहायता लेने की जगह जेलेंस्की को यह प्रस्ताव दिया कि वह चाहे तो विमान में बैठकर अमेरिका आ सकते हैं। शायद ऐसा ही प्रस्ताव अशरफ गनी को भी दिया होगा। इन सभी प्रकार के प्रभावहीन प्रस्तावों के बीच यूक्रेन अकेला दिख रहा है, परंतु इतने बड़े देश से सेंड संघर्ष लगातार जारी रखना साहस और अपने राष्ट्रप्रेम के प्रति समर्पण और बलिदान का भाव दिखाता है। युद्ध विराम जल्द से जल्द ही होना चाहिए, क्योंकि अधिक समय तक युद्ध चलने से आम नागरिकों की हत्याएं और कत्लेआम अधिक हो सकता। कहने का अभिप्राय यह है कि यह क्षति और रूस और यूक्रेन दोनों को ही उठानी पड़ सकती है। अभी तक के जानकारी के मुताबिक 200 से अधिक यूक्रेन के नागरिकों कि इस युद्ध में मौत हो चुकी है। देश में भय का वातावरण व्याप्त है। ऐसे में मध्यम मार्ग निकालकर व्लादीमीर पुतिन को अपनी हठधर्मिता छोड़कर युद्ध विराम की घोषणा करनी चाहिए। इससे ही मानवता की रक्षा हो सकेगी। दोनों देशों को चाहिए की एक वार्ता करके संवाद शैली के माध्यम से आपसी विवादों को सुलझाएं ,क्योंकि युद्धों से आम नागरिकों की हत्याएं होती हैं।

विकाश कुमार
स्कॉलर केंद्रीय विश्वविद्यालय अमरकंटक एवं राजनीति विज्ञान विषय में गोल्ड मेडलिस्ट
@jagrukjanta.net

अक्षरधाम मंदिर जयपुर में पारिवारिक शान्ति अभियान शिविर में कार्यक्रम पर की चर्चा

स्वामीजी का शताब्दी महोत्सव अगले साल

500 से ज्यादा स्वयंसेवक हुए शामिल

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। वैशाली नगर स्थित श्री स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर परिसर में चले दो दिवसीय पारिवारिक शांति अभियान एवं शताब्दी सेवक सम्मेलन शिविर का समापन हुआ। इस शिविर में प्रदेशभर के शहरों से आए करीब 500 स्वयंसेवक और हरिभक्तों को साल 2023 में होने वाले में शताब्दी सम्मेलन में किस तरह की तैयारियां करनी है इसको लेकर चर्चा की और मोटिवेट किया।

वैशाली नगर स्थित अक्षरधाम मंदिर में आयोजित इस दो दिवसीय सम्मेलन में अक्षरधाम मंदिर दिल्ली के महंत मुनिवत्स स्वामीजी और अक्षरधाम मंदिर जयपुर के कोठारी सर्वदर्शन स्वामीजी ने सभी स्वयंसेवकों और हरिभक्तों संग चर्चा की। साथ ही इस चर्चा के दौरान बताया कि कैसे स्वामीजी महाराज का शताब्दी महोत्सव मनाया जा सकता हैं। इस बारे में विस्तार से चर्चा की गई। आपको बता दें कि शताब्दी महोत्सव अगले सा 2023 में 16 फरवरी से 26 फरवरी यानी 11 दिन तक जयपुर में मनाया जाएगा। इसके लिए मानसरोवर स्थित वीटी रोड की खाली जमीन को चिह्नित किया गया है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत बीएपीएस

स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर जयपुर के तत्वाधान में संपूर्ण वर्ष में भिन्न-भिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दो दिवसीय शविर के दौरान बीएपीएस हिंदी यूट्यूब चैनल का शुभारंभ किया गया। शिविर के अंतिम सत्र में रविसभा कर सभी हरिभक्तों ने स्वामीनारायण भगवान की सामूहिक आरती की।

एमआरआई, सिटी स्कैन का नहीं देना पड़ेगा पैसा, अभी तक 133 जांच नि:शुल्क

कैंसर-हार्ट के 8 हजार तक के टेस्ट फ्री होंगे

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। गहलोत सरकार ने प्रदेश के लोगों के लिए सरकारी हॉस्पिटल में ओपीडी और आईपीडी मरीजों के तमाम इलाज फ्री करने की घोषणा की है। इसमें जांच पर लगने वाला शुल्क भी शामिल है। वर्तमान में आउटडोर (ओपीडी) में आने वाले मरीजों को जिला या मेडिकल कॉलेज से संबंधित हॉस्पिटल में ब्लड संबंधी कई टेस्ट के लिए फीस देनी होती है।

इसके अलावा गेस्ट्रोलॉजी, न्यूरोलॉजी, ऑप्टोमोलॉजी, हार्ट, कैंसर से जुड़ी कई बीमारियों के लिए 100 से लेकर 8 हजार रुपए तक का शुल्क देना पड़ता है। वहीं, इलाज के लिए भर्ती मरीज से आईसीयू बेड चार्ज, एडमिशन फीस समेत अन्य कई शुल्क लिए जाते हैं। नए फाइनेंशियल ईयर यानी अप्रैल से ये सभी टेस्ट फ्री होंगे। हेल्थ को लेकर बजट में कई घोषणाएं की गई हैं। सरकार ने अभी 60 साल या उससे ज्यादा एज ग्रुप (सीनियर सिटीजन) के मरीजों के लिए सरकारी हॉस्पिटल में तमाम सुविधाएं फ्री कर रखी है। अगर मुख्यमंत्री की ये घोषणा अमल में आती है तो इस दायरे में हर एज ग्रुप के लोग आ जाएंगे।

पिछले कार्यकाल में शुरू की थी फ्री दवाइयां और जांच

गहलोत ने अपने दूसरे कार्यकाल में साल 2011 में सबसे पहले मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना से इसकी शुरुआत की थी। तब सरकार ने कई तरह की दवाइयां ओपीडी और आईपीडी मरीजों को फ्री देना शुरू किया था। इसके दो साल बाद साल 2013 में सरकार ने फ्री जांच की सुविधा शुरू की। तब जिला हॉस्पिटल में 70 तरह की जांच फ्री करने की शुरुआत की थी। वहीं, पीएचसी-सीएचसी में 37 तरह की जांच फ्री की जाती थी। अब इन जांच की संख्या बढ़कर वर्तमान में 133 हो गई है।

अभी इन सेवाओं का शुल्क

वर्तमान में ब्लड की जांच थायराइड, शुगर की एचबीए1सी, विटामिन बी-12 समेत 20 से ज्यादा ऐसी जांच है, जिनके लिए SMS में 60 साल से कम एज ग्रुप के लोगों को 100 से 1500 रुपए तक की फीस देनी पड़ती है। इसके अलावा रेडियोलॉजी और कैथलैब में एंजीयोग्राफी, 2डी ईको, सोनोग्राफी, आंखों की एफएफए, ओसीटी, ग्रीन लेजर समेत तमाम कई जांचों पर मरीजों से शुल्क लिया जाता है। इन सभी शुल्क को सरकार आने वाले समय में फ्री कर सकती है। सिटी स्कैन, एमआरआई की जांच के लिए मरीज से 500 से लेकर 8 हजार या उससे ज्यादा की फीस ली जाती है। हालांकि ये टेस्ट अभी कॉन्ट्रैक्ट बेस पर मशीनें लगाकर करवाई जा रही है। इनको भी फ्री करने की कवायद चल रही है। ओपीडी में दिखने के लिए मरीज को पर्ची बनवाने के लिए 10 रुपए और एडमिट होने पर 50 रुपए फीस ली जाती है, जो आने वाले समय में फ्री हो सकती है। इसके अलावा आईपीडी मरीज जो आईसीयू बेड पर होता है उससे 250 रुपए प्रतिदिन का शुल्क लिया जाता है।

हिन्दुस्तान ज़िंक द्वारा बिलिया गांव में सामुदायिक शुद्ध पेयजल केंद्र का उद्घाटन

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। हिन्दुस्तान ज़िंक के ग्रामीण विकास कार्यक्रम के अतंर्गत ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बिलियां ग्राम में सामुदायिक शुद्ध पेयजल केंद्र का उद्घाटन किया गया। पेयजल केंद्र का उद्घाटन हिन्दुस्तान ज़िंक के उपमुख्य प्रचालन अधिकारी स्मेल्टर्स सी चंद्रु, सीपीपी हेड चण्डी दास, मुख्य सुरक्षा अधिकारी अनूप के आर, नगरी सरपंच देवकिशन रेगर, उपसरपंच नगरी हैप्पी सिंह,सखी मीना जायसवाल एवं गिरिजा श्रीमाली द्वारा किया गया। सी चंद्रु ने इस अवसर पर ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि यह शुद्ध जल युनिट 6 रुपये की लागत से 20 लीटर शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराएगी। इसका उपयोग आस पास के छ गावों में शुद्ध जल आपुर्ति के लिये किया जा सकता है जिसका पूर्ण लाभ लें। उन्होंने बताया कि हिन्दुस्तान ज़िंक के सखी कार्यक्र म में महिलाएं पूरे दिल से जुड़े एवं अपनी रोजमर्रा की बचत के अलावा आय के अतिरिक्त स्रोत बढ़ाने के लिये कौशल विकास से जुड़ कर प्रत्येक बालक एवं बालिका को शिक्षा के माध्यम से आगे ले कर जाएं। सरपंच नगरी ने शुद्ध पानी की आरओ यूनिट लगाने के लिये हिन्दुस्तान जिंक के अधिकारियों का आभार प्रकट किया एवं हिन्दुस्तान ज़िंक से अन्य विकास कार्यो के लिये अनुरोध किया। उपसरपंच हैप्पी सिंह एवं सखी गीता देवी ने भी अपने विचार रखे। समारोह में सी चंद्रु, बिलिया गांव के ग्रामीणों ,सखी महिलाओं , सरपंच एवं उपसपंच के बीच सीधा संवाद हुआ। उद्घाटन समारोह में बिलिया गांव की 50 से अधिक सखी महिलाओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। समारोह में वार्ड मैम्बर पवन सालवी, पुष्कर श्रीमाली, रामचंद्र श्रीमाली, मिठू लाल लोधा, हिन्दुस्तान जिंक के उप प्रमुख सीएसआर डॉ. विशाल अग्रवाल, पर्यावरण प्रमुख तरूण मेघवाल, सीएसआर अधिकारी स्वेतलाना साहु, मयंक दर्जी, सुरक्षा अधिकारी अजंली मीणा, सहित ग्रामीण उपस्थित थे।

बोर्ड निगमों में चेयरमैन बनाए गए विधायकों को नहीं मिलेगा मंत्री का दर्जा

राजनीतिक नियुक्तियां- केवल 3 नेताओं को कैबिनेट मंत्री का दर्जा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान सरकार में बोर्ड, निगमों और आयोगों में अध्यक्ष बनाए गए केवल तीन नेताओं को ही कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया गया है। बाकी नेताओं को राज्य मंत्री का दर्जा मिलेगा। इसके अनुसार गहलोत सरकार ने बीसूका (बीस सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति) राज्य स्तरीय समिति के अध्यक्ष डॉ. चंद्रभान, स्टेट एग्रो इंडस्ट्रीज डवलपमेंट बोर्ड के अध्यक्ष रामेश्वर डूडी और खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष बृजकिशोर शर्मा को ही कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया गया है। अब तक दो बार में 47 बोर्ड निगमों में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और मेंबर्स की नियुक्ति हो चुकी है। इनमें से 11 विधायकों को अध्यक्ष और दो विधायकों को उपाध्यक्ष पदों पर नियुक्ति मिली है। विधायक ऐसा कोई पद नहीं ले सकते जो लाभ के दायरे में हो। बोर्ड निगम अध्यक्ष के तौर पर मंत्री का दर्जा देकर वेतन भत्ते लेने पर यह लाभ के पद के दायरे में आता है, इसलिए विधायकों को मंत्री का दर्जा नहीं मिलेगा। कैबिनेट मंत्री का दर्जा वाले तीन नेताओं और चेयरमैन बने 11 विधायकों के अलावा बाकी सभी बोर्ड निगमों के गैर विधायक अध्यक्षों को राज्य मंत्री का दर्जा मिलेगा।

बोर्ड निगमों के अध्यक्ष बनाए गए इन 11 विधायकों को नहीं मिलेगा मंत्री का दर्जा

किसान आयोग अध्यक्ष महादेव सिंह खंडेला,अल्पसंख्यक आयोग अध्यक्ष रफीक खान, एससी आयोग अध्यक्ष खिलाड़ीलाल बैरवा, गौसेवा आयोग अध्यक्ष मेवाराम जैन, वक्फ विकास परिषद के अध्यक्ष हाकम अली, डांग क्षेत्रीय विकास बोर्ड अध्यक्ष लाखन सिंह मीणा, देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष जोगिन्दर सिंह अवाना, स्पोर्ट्स काउंसिल अध्यक्ष कृष्णा पूनिया, एसटी आयोग अध्यक्ष लक्ष्मण मीणा, व्यापार कल्याण बोर्ड अध्यक्ष सुरेश मोदी, भवन और संनिर्माण राज्य स्तरीय समिति अध्यक्ष गजराज खटाणा ।

इनको मिलेगा राज्य मंत्री का दर्जा

जुबेर खान : अध्यक्ष, मेवात क्षेत्रीय विकास बोर्ड
धीरज गुर्जर : अध्यक्ष,राजस्थान स्टेट सीड्स कॉर्पोरेशन लि.
धर्मेन्द्र सिंह राठौड़ : अध्यक्ष, राजस्थान पर्यटन विकास निगम
पुखराज पाराशर : अध्यक्ष, जन अभाव अभियोग निराकरण समिति
जस्टिस भंवरू खान :अध्यक्ष, राजस्थान राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग
रेहाना रियाज : अध्यक्ष, राजस्थान राज्य महिला आयोग
अर्चना शर्मा : अध्यक्ष, समाज कल्याण बोर्ड
गोपालसिंह शेखावत ईड़वा : अध्यक्ष, वरिष्ठ नागरिक कल्याण बोर्ड
मानवेन्द्र सिंह जसौल : अध्यक्ष,राज्य स्तरीय सैनिक कल्याण सलाहकार समिति
लक्ष्मण सिंह रावत : अध्यक्ष, मगरा क्षेत्रीय विकास बोर्ड
के.सी. बिश्नोई : अध्यक्ष,राज्य जीव जन्तु कल्याण बोर्ड
सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत : अध्यक्ष, राजस्थान धरोहर संरक्षण एवं प्रौन्नति प्राधिकरण
राजेन्द्र सिंह सोलंकी : अध्यक्ष, राजस्थान राज्य पशुधन विकास बोर्ड
राजीव अरोड़ा :अध्यक्ष, राजस्थान लघु उद्योग विकास निगम
संदीप चौधरी : अध्यक्ष,बंजर भूमि एवं चारागाह विकास बोर्ड
महेन्द्र गहलोत : अध्यक्ष, केश कला बोर्ड
सीताराम लाम्बा : अध्यक्ष, राजस्थान युवा बोर्ड
उर्मिला योगी : अध्यक्ष,घुमंतु कल्याण बोर्ड
अनिल शर्मा : अध्यक्ष, सार्वजनिक प्रन्यास मंडल
रामसिंह राव : अध्यक्ष,वंशावली संरक्षण और संवर्धन अकादमी
लक्ष्मण कड़वासरा : अध्यक्ष,भूदान यज्ञ बोर्ड
मदन गोपाल मेघवाल : अध्यक्ष अंबेडकर पीठ
भैरूलाल गुर्जर : अध्यक्ष, श्रीसांवलिया मंदिर ट्रस्ट
महेश शर्मा : अध्यक्ष, विप्र कल्याण बोर्ड
मुमताज मसीह : अध्यक्ष, सेंटर फोर डवलपमेंट ऑफ वॉलंटरी सेक्टर
शंकर यादव : एससी फाइनेंस एंड डवलपमेंट कॉर्पोरेशन
पवन गोदारा : ओबीसी फाइनेंस एंड डवलपमेंट कॉर्पोरेशन।

ऑक्सीजोन पार्क में बनेगा सब रीजनल साइंस सेंट्रल

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

कोटा। शिक्षा नगरी कोटा में ऑक्सीजोन पार्क में सब रीजनल साइंस सेंट्रल बनेगा। केन्द्र व राज्य सरकार के सहयोग से 22 करोड़ की लागत से बनेगा। राज्य सरकार ने 12.27 करोड़ की राशि स्वीकृत कर दी है। शेष राशि केन्द्र सरकार के स्तर से होगी। हाल ही में राज्य सरकार ने इसके लिए 5 एकड़ जमीन देने पर सहमति दे दी है। नेशनल काउंसिल ऑफ म्यूजियम दिल्ली की ओर से एमओयू होने के बाद तीन साल की अवधि में इसका निर्माण कार्य पूरा करना होगा। इससे पहले डॉयरेक्टर जनरल कमेन्द्र कुमार व चीफ इंजीनियर दोनों जुलाई में इस साइंस सेंट्रल की जमीन की विजिट कर चुके है। इस साइंस सेंट्रल का सबसे ज्यादा फायदा कोचिंग नगरी के विद्यार्थियों को मिलेगा। उनके विज्ञान के प्रति जागरुकता बढ़ेगी और खेल-खेल में बच्चे विज्ञान की गहनता सीखेंगे।

2 थिमेटिक गैलरी बनेगी

विज्ञान केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक भुवनेश शर्मा ने बताया कि इस साइंस सेंट्रल में 2 थिमेटिक गैलरी बनेगी। 40 से ज्यादा आउटडोर मॉडल लगेंगे। मेडिशनल प्लांट लगाए जाएंगे। वर्तमान में विज्ञान केन्द्र में हाल ही में 18 आउटडोर मॉडल लगाए गए थे। इन मॉडलों में कटी गर्दन, बहता पानी, एनपीसीएल जैसे कई है। यह भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है। इसका पहला मॉडल कोटा में लगाया गया है।

मिलेगा साइंस का ज्ञान

इस साइंस पार्क के बनने से कोचिंग नगरी क्षेत्र के विद्यार्थियों को सबसे अधिक फायदा होगा। क्योंकि कोचिंग नगरी में मेडिकल विद्यार्थियों की संख्या अधिक है। ज्यादातर विद्यार्थी अपना भविष्य बनाने के लिए कोटा आते है। यहां कोटा उनके सपने को पूरा करता है। विद्यार्थियों को साइंस का ज्ञान मिल सकेगा। इस पार्क में ऐसे-ऐसे मॉडल लगेंगे कि देखने वाले भी चिकत रह जाएंगे।

भोलेनाथ के चित्र को 2 मिनट कॉफी के झाग पर उकेरा

हर रंग में समाए शिव के रूप-अनुराधा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जोधपुर। शिव के रूप, आराधना के ढंग, सृष्टि की उत्पत्ति और उसमें समाए शिव। कभी शिव का समाधि में लीन हो जाना, तो कभी ब्रह्मांड के हर कण में व्याप्त होकर उसे निहारना। शिव की साधना, रचना और आराधना को रंग और रूप के माध्यम से गरम कॉफी के झाग पर पर उतारा है युवा आर्टिस्ट अनुराधा अरोड़ा ने। कॉफी के मग में कॉफी के ऊपर 17 तरह की खूबसूरत आकृतियां बनाने के लिए जोधपुर की आर्टिस्ट अनुराधा अरोड़ा को इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में शामिल किया गया है। बकायदा, आर्टिस्ट अनुराधा अरोड़ा को इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड की ओर से सर्टिफिकेट और मेडल जारी किया गया है।

वीओ-इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड द्वारा इतने बड़े सम्मान से नवाजे जाने के बाद जानकारी देते हुए अनुराधा अरोड़ा ने बताया कि,कोरोना काल मे हर किसी ने कुछ न कुछ नवाचार किया है उसी कड़ी में 2 साल के कोरोनावायरस काल में मैंने भी कॉफी के मग में कॉफी के ऊपर अलग तरह की पेंटिंग बनाने की प्रैक्टिस की और अंततोगत्वा 17 तरह की जब डिजाइन तैयार की, तो इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में उसे अपने रिकॉर्ड में शामिल किया है, मेरे लिए यह बहुत बड़ी खुशी की बात है क्योंकि लंबे समय से पेंटिंग के क्षेत्र में अपनी सेवाएं देती रहीं हूं, इतना बड़ा सम्मान पाकर मुझे बेहद खुशी व प्रेरणा मिली है। अनुराधा अरोड़ा का कहना है कि, लगातार अभ्यास के बाद कॉफी आर्ट से कॉफी पर विभिन्न तरह की कलाकृतियां बनाई जिसमें ताजमहल, डूडलिंग शेप्स,फूल पत्ती, मोरपंख इत्यादि शामिल है। इसी कार्य के लिए उनका नाम इंडिया बुक ऑफ रिकार्ड्स में शामिल किया गया है। इस बाबत सर्टिफ़िकेट और मैडल भी इंडिया बुक ऑफ रिकार्ड्स संस्था द्वारा दिया गया है। अनुराधा अरोड़ा ने अपने कॉफ़ी आर्ट के बारे में बताया कि कॉफ़ी आर्ट बनाने के लिए चॉकलेट सॉस, एडिबल कलर्स,कोन और टूथ पिक का इस्तेमाल किया जाता है। पहले कॉफ़ी बनाकर उस पर कोन और चॉकलेट सॉस का इस्तेमाल कर डिज़ाइन बनाई जाती है और फिर उसमें एडिबल कलर्स से रंग भर दिए जाते हैं। हर बार कुछ क्रिएटिव और स्पेशल विचार दिमाग मे आते रहते हैं। और उसी हिसाब से वो हर बार कुछ अलग और कुछ नई डिज़ाइन कॉफ़ी पर बना देती है।

उन्होंने बताया कि फ्रीलांस आर्टिस्ट के रूप में ड्राइंग, पेंटिंग,फाइन आर्ट, फ्रीलांस पेंटिंग,पेंसिल स्केच और आर्टवर्क में लंबे समय से कार्य कर रही हूं। अनुराधा अरोड़ा का कहना है कि,कला को खुद तक सीमित नहीं रखना चाहती और इसी उद्देश्य से विक्टोरियन आर्ट क्लासेज के माध्यम से सभी आयु वर्ग के लोगों को पेंटिंग,स्केचिंग, मेहन्दी,कैलीग्राफी और अन्य प्रकार की पेंटिंग्स सीखा रही हूँ।

लंदन से लौटेंगे बाड़ौली के 'नटराज'

चोरी हुई 1100 साल पुरानी 'नटराज' की मूर्ति 24 साल बाद अगले महीने आएगी चित्तौड़गढ़

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

कोटा। महाशिवरात्रि पर प्रदेश के लिए खुशखबर है। रावतभाटा (चित्तौड़गढ़) के सटे बाड़ौली के प्राचीन घाटेश्वर मंदिर से 1998 में 10वीं शताब्दी की नटराजन की 24 साल पहले चोरी हुई दुर्लभ प्रतिमा अगले माह फिर राजस्थान आएगी। हालांकि मूर्ति फिर वहीं स्थापित की जाएगी या अन्य जगह, यह तय नहीं है। लंदन से 10 अगस्त 2020 में भारत आ चुकी यह प्रतिमा नई दिल्ली स्थित आर्कियोलॉजी सर्वे ऑफ इंडिया के हैड क्वार्टर में रखी है। एएसआई असिस्टेंट सुपरिटेंडिंग अर्चना अस्थाना का कहना है कि एक-दो माह में शायद मूर्ति जोधपुर एएसआई ऑफिस को सौंपेंगे।

मेरी इच्छा, नटराज की यह मूर्ति वहीं लगे जहां से चोरी हुई- डीमरी

आर्कियोलॉजी सर्वे ऑफ इंडिया, नई दिल्ली के पूर्व संयुक्त महानिदेशक देवकीनंदन डीमरी, ने बताया, '2014 में डायरेक्टर बना तब से मूर्ति को लाने के प्रयास किए। 2017 में मंजूरी के बाद मैं व डिप्टी सुपरिटेंडेंट डॉ. विनय गुप्ता वेरीफिकेशन के लिए लंदन गए। 2020 में यहां लाए। मूर्ति वहीं लगे जहां से चोरी हुई या कोटा के म्यूजियम में रखी जाए।'

तस्करों ने इसकी जगह नकली मूर्ति रख दी थी, 85 लाख में लंदन में बेच दी

बाड़ौली से फरवरी 1998 में यह मूर्ति चोरी हुई थी। चोरी के 8 माह बाद जंगल में मूर्ति मिलना संदेहास्पद था। इसे विभाग ने असली मूर्ति मानकर गोदाम में रखवा दिया। ऑपरेशन ब्लैक हॉल के दौरान जुलाई 2003 में मूर्ति चोरों ने खुलासा किया कि उन्होंने यह मूर्ति चुराकर इसकी जगह नकली मूर्ति रख दी थी। असली मूर्ति 85 लाख में लंदन में बेच दी थी। मामले में कुख्यात मूर्ति तस्कर घीया गैंग का नाम भी आया था। वरिष्ठ संरक्षक सहायक सुरेश कुमावत को इस मूर्ति की जांच के दौरान जान से मारने तक की धमकियां मिली थी। कंजर्वेटर सुधाकर शर्मा ने बताया कि यह 24 साल के संघर्ष की बड़ी जीत है। (-जैसा कि 1998 से इस प्रतिमा को लाने के लिए संघर्ष कर रहीं इतिहासविद् डॉ. सुषमा आहूजा ने बताया)

केशोरायपाटन में जन्मदिन मनाएंगी वसुंधरा, नेताओं की उमड़ेगी भीड़ !

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया का जन्मदिन 8 मार्च को अपना जन्मदिन मनाएंगी। जन्मदिन को यादगार बनाने की तैयारियां शुरू हो गई है। इस बार हाड़ौती के केशोरायपाटन में राजे भगवान केशवराय के दर्शन करेंगी। इस दौरान सैंकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता और नेता जन्मदिन की बधाई देने पहुंचेंगे। जन्मदिन की तैयारियों को लेकर पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी ने कोटा में कार्यकर्ताओं की एक रिसोर्ट में बैठक ली। बैठक में पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल, विद्याशंकर नंदवाना, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रहलाद पंवार, पूर्व यूआईटी चेयरमैन राम कुमार मेहता, भाजपा नेता रुपेश शर्मा मौजूद थे। आपको बता दें कि पिछली बार राजे ने गोवर्धन में जन्मदिन मनाया था। इस बार हाड़ौती को जन्मदिन के लिए चुना गया है। इस दिन शाम को दीपदान का कार्यक्रम भी रहेगा, जिसमें सभी नेता शामिल होंगे। राजे के जनमदिन पर हाड़ौती के चारों जिले कोटा, बारां, बूंदी व झालावाड़ के साथ राजस्थान से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पहुंचेंगे।

पिछले साल निकाली थी देव दर्शन यात्रा

राजे ने पिछले साल तीन दिन की देव दर्शन यात्रा निकाली थी। उन्होंने उदयपुर और अजमेर संभाग के विभिन्न मंदिरों में जाकर धोक लगाई थी। इस यात्रा के जरिए राजे ने अपनी सियासी ताकत का अहसास कराया था। अब फिर जन्मदिन पर भीड़ जुटाकर राजे अपनी ताकत दिखाएंगी।

पिछले दिनों भी जुटे थे कई नेता

पिछले दिनों विधानसभा सत्र शुरू होने के बाद राजे कई दिनों तक जयपुर रही थीं। इस दौरान कई बड़े नेताओं ने उनके आवास पहुंचकर मुलाकात की थी। जब राजे बांदीकुई शोक जताने गई थी, तब भी कई नेता उनके साथ मौजूद थे।

ANCHOR | गुहार

एडीएम के पैरों में गिरी महिलाएं, बोलीं मंदिर खोलो

दो साल से प्राचीन शिव मंदिर बंद, आर्मी की तारबंदी हटवाने की मांग, शिवरात्रि पर भी नहीं खुला

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

अलवर। महाशिवरात्रि के दिन जब महिलाएं मंदिरों में शिव अभिषेक व पूजा कर रही थी। तब अलवर के धोबी गट्टा इलाके में काफी महिलाएं ष्ठरूके पैरों में गिरकर मंदिर खुलवाने की भीख मांग रही थी। असल में अलवर के धोबी गट्टा क्षेत्र में करीब 100 साल पुराना शिव व हनुमान मंदिर है। जहां लोग पूजा करते आ रहे हैं। लेकिन दो साल से यहां आर्मी ने पूरी जमीन की तारबंदी कर दी। इस जमीन पर शिव मंदिर था। सेना ने जमीन की तारबंदी की तो मंदिर तारबंदी के कारण बंद हो गया। इसे खुलवाने की मांग को लेकर जब प्रशासन व सेना के अधिकारी मौके पर आए तो कुछ महिलाएं एडीएम डॉ सुनीता पंकज के पैरों में गिर गई। उन्होंने एडीएम के पैर पकड़ लिए। बोलीं हमें तो शिव मंदिर में पूजा करनी है। दो साल से मंदिर बंद है। मंदिर को खुलवाया जाए।

10 दिन का समय मांगा

पिछले कई दिनों से वार्ड 3 व 4 के लोग प्रशासन से मिले। मंदिर खुलवाने की मांग की। लोगों ने कहा कि मंदिर बंद है। सफाई तक नहीं हो सकी है। जिसे खुलवाने के कई बार एकत्रित हो चुके हैं। कलेक्टर के सामने मांग रख चुके हैं। फिर भी मंदिर नहीं खुला तो बड़ी संख्या में लोग एकत्रित होने लगे। इसके बाद प्रशासन के अधिकारी मंदिर को खुलवाने के प्रयास में लगे। अब फिर 10 दिन का समय और मांगा है।

सेना के अधिकारी भी मौके पर आए

स्टेशन कमांडर सहित सेना के कई अधिकारी मौके पर पहुंचे। उनसे प्रशासन के अधिकारी एडीएम सुनीता पंकज, एसडीएम सहित अनेक अधिकारियों ने आपस में चर्चा की। तब सेना के अधिकारियों ने कहा कि तारबंदी पूरी प्रक्रिया के तहत लगी थी। मंदिर के हिस्से को खुलवाने के लिए भी पूरी प्रक्रि या अमल में लानी होगी। जिसके लिए 10 दिन का समय और चाहिए।

महाशिवरात्रि के दिन भी नहीं खुला

आमजन का कहना है कि महाशिवरात्रि के दिन भी शिव मंदिर नहीं खुला। मंदिर साल से बंद है। जिसके कारण आमजन में गुस्सा है। शिव मंदिर के बंद होने से महिलाओं में रोष है। इस कारण वे एडीएम के सामने खूब गिड़गिड़ाई। उनके पैरों में गिर गई। लेकिन प्रशासन ने यही जवाब दिया कि आगामी 10 दिन में समस्या का समाधान निकाला जाएगा। यहां वार्ड पार्षद सहित सैकड़ों महिला पुरुष मौजूद थे।

Smaller EMIs on
30 YEAR
HOME LOANS

8.45%*
Interest Rate

housing mortgage loan also available

अब अपनी पुरानी गाड़ी पर

तक लोन करवायें...

कीमत का 150%

*शर्तें लागू

IDFC FIRST Bank
BAJAJ Bajaj FinServ Limited
TATA CAPITAL We only do what's right for you
Mahindra Finance
ICICI Bank Home Loans khayaal aapka
MAGMA Investing in the smallest dream
HeroFinCorp. sk FINANCE
HDFC BANK We understand your world

authorised channel partner
Rana associate
Call us : 9828333666